राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

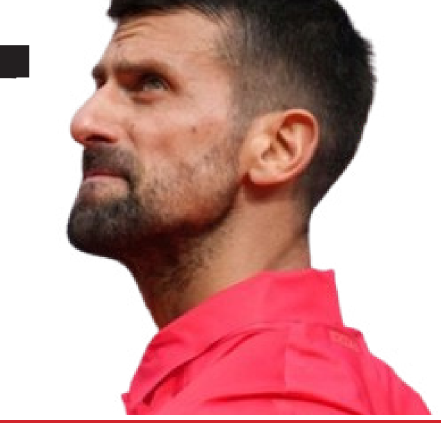

12 ट्रंप ने साझा की किम संग तस्वीर: चेहरे पर नही....

नोवाक जोकोविच को शुरूआती दौर मे ही मिली हार... 11

वर्ष : 17 | अंक : 114 | नई दिल्ली, सोमवार, 17 अगस्त, 2026 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 40.0°C

न्यूनतम तापमान 30.3°C

राजधानी पटना व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	60%
नहीं	45%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	1,40,601
चांदी	2,44,000
सेंसेक्स	78,632.54
निफ्टी	24,582.84

संक्षिप्त खबरें

राहुल बोले-सरकार के खिलाफ खड़े होने वालों की तारीफ हो

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि सरकार की हिंसा के खिलाफ मजबूती से खड़े रहने वाले भारत के युवाओं का साहस सराहनीय है। उन्होंने आगे कहा कि बदसलूकी, गाली-गलौज और हिंसा का सामना करने वाली छात्राओं की भी तारीफ होनी चाहिए। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर छात्रों से बातचीत का वीडियो भी शेयर किया। इन छात्रों ने पिछले महीने पेपर लीक के मुद्दे पर तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। राहुल और छात्रों के बीच यह बातचीत 5 अगस्त को हुई थी, लेकिन इसका वीडियो उन्होंने आज शेयर किया है। प्रदर्शनकारियों ने कहा- लोग रोज गाली देते है वीडियो में राहुल ने प्रदर्शनाकरियों से पूछ कि हैरेसमेंट तो नहीं हो रहा आप लोगों का? इसपर जवाब देते हुए एक महिला प्रदर्शनकारी ने कहा कि हां सर हो रहा है। रोज 10-12 गालिंया आ जाती हैं। वहीं, एक दूसरी प्रदर्शनकारी ने कहा कि सोशल मीडिया के जरिए लोग थ्रेट्स भेजते हैं। राहुल ने पूछा- आप लोग प्रदर्शन में क्यों शामिल हुए राहुल ने एक छात्रा से पूछा कि आप लोग प्रदर्शन में क्यों शामिल हुए? इस पर प्रदर्शनकारियों ने कहा कि अगर हर कोई अपने इशू के लिए अलग-अलग आवाज उठाएगा तो कोई समाधान नहीं निकलेगा। हमें इन जनरल लोगों की समस्याओं को समझना होगा। इस साल ऐसे ही पेपर लीक हुआ। उत्तर प्रदेश में एजुकेशन सिस्टम के हालात बहुत खराब हैं। वहां सिर्फ मंदिर-मस्जिद ही मुद्दा है। उन्होंने आगे कहा कि 20 जुलाई को हम पर बुरी तरीके से लाठीचार्ज किया गया। एक महिला प्रदर्शनकारी ने यह भी कहा कि मुझे 7 लाठियां मारी गईं। पुलिस ने हमें देशद्रोही कहा। इसके बाद राहुल ने कहा कि बहुत से ऐसे लोग होते हैं जो अपने आस-पास गलत होते देखते हैं लेकिन आवाज नहीं उठाते हैं। मैं उसे राष्ट्रवाद नहीं मानता। मेरी नजर में यह गलत है। जो आप लोगों ने किया वो हकीकत में राष्ट्रवाद है। दरअसल, 31 जुलाई की रात पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर कहा था कि जंतर-मंतर पर कुछ बच्चों ने मुझे और मेरी मां को गालियां दीं।

मुर्मु, राधाकृष्णन, मोदी और नवीन सहित विभिन्न नेताओं ने अर्पित की वाजपेई को श्रद्धांजलि

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन सहित विभिन्न नेताओं ने रविवार को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की पुण्यतिथि के मौके पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रीमती मुर्मु, श्री राधाकृष्णन, श्री मोदी, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, श्री नवीन और दिल्ली प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा सहित तमाम नेता आज श्री वाजपेई के स्मृतिस्थल ह्यसदैव अटलह्न पहुंचे और उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर श्री वाजपेई के स्मृतिस्थल सदैव अटल प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। गौरतलब है कि पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई का निधन 16 अगस्त 2018 में हुआ था। श्री मोदी ने श्री वाजपेई की पुण्यतिथि के मौके पर उन्हें एक ह्यअसाधारण राजनेताह्न बताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ह्लअद्भुत दूरदर्शिता वाले एक असाधारण राजनेता के तौर पर उन्होंने अपना जीवन देश की सेवा में समर्पित कर दिया। उनके विचारों और प्रयासों ने कई पीढ़ियों को प्रेरित किया और उनके नेतृत्व ने हमारे देश को मजबूत बनाया। सुशासन और जन-कल्याण पर उनका जोर हमेशा हमारा मार्गदर्शन करता रहेगा।ह्व श्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया एक्स पर श्री वाजपेई को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए लिखा, श्री अटल बिहारी वाजपेई जी की पुण्यतिथि पर मैं उन्हें कोटि-कोटि नमन और विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। अटल जी ने अपने विचारों और कार्यों से भारतीय लोकतंत्र को समृद्ध किया। उन्होंने जीवन भर ह्यराष्ट्र सर्वोपरिह्न की भावना के साथ काम किया। उनके लिए राजनीति का मूल उद्देश्य राष्ट्रहित और जनसेवा था। उन्होंने कहा, अटल जी के नेतृत्व में भारत ने रणनीतिक शक्ति, आर्थिक विकास और बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों में नई ऊंचाइयां हासिल कीं। उन्होंने देश को मजबूत बनाने, उसमें आत्मविश्वास जगाने और विकास को नई दिशा देने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका व्यक्तित्व, उनके आदर्श और राष्ट्र सेवा का उनका संकल्प हम सभी को सदैव प्रेरित करते रहेंगे। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने श्री वाजपेई को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए एक्स पर लिखा, ह्लपूर्व प्रधानमंत्री, भाजपा के संस्थापक एवं भारत रत्न से सम्मानित अटल बिहारी वाजपेई जी की पुण्यतिथि पर मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ।

मोदी बोले- दिमागी नक्सलियों को पहचानें उन्हें अलग करें ये समाज को भटका रहे

महिलाओं के आरक्षण पर पार्टियां राजनीति न करें

प्रात: किरण, एजेंसी

80वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर पीएम मोदी ने लाल किले पर 75 मिनट की स्पीच दी। पीएम ने कहा- ह्यहथियारी नक्सल तो चले गए, लेकिन दिमागी नक्सल मौके की तलाश में हैं। समाज को गलत राह पर ले जाने के लिए तरह-तरह के काम कर रहे हैं।ह्न उन्होंने कहा, ह्यऐसे लोग हिंसा अराजकता के रास्ते खोज रहे हैं। इन दिमागी नक्सलियों को पहचानना होगा और इन्हें आइसोलेट करना होगा और विकसित राष्ट्र बनाने की ओर देश की युवा पीढ़ी को जोड़ना होगा। पीएम ने 75 मिनट के भाषण में 52 बार युवाओं का जिक्र किया। इसमें ह्ययुवा शब्द 20 बार, ह्यनौजवानह्न 22 बार और साथियों 10 बार कहा। पीएम ने कहा कि सरकार अगले एक साल में 1 करोड़ युवाओं को अक स्किल्स की ट्रेनिंग देगी। गरीब और मिडिल क्लास परिवारों के युवाओं के लिए कई परीक्षाओं की फ्री ऑनलाइन कोचिंग दी जाएगी।

दिमागी नक्सलियों पर: 'हमने नक्सलवाद खत्म करने का संकल्प लिया था। आज नक्सल क्षेत्र में नक्सल मुक्त होने के कारण विकास का तिरंगा लहरा रहा है। हमें सावधान रहने की जरूरत है। हथियारबंद नक्सल तो गए, लेकिन दिमागी नक्सल मौके की तलाश में हैं। इन दिमागी नक्सलों को पहचानना होगा। इन्हें युवाओं को भटकाने से बचाना होगा।'

महिला आरक्षण पर: हमारी माताओं बहनों को लोकसभा और विधानसभा में 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व मिले। वे भारत की नीति में अपना योगदान दें। समय की मांग है। मैं सभी राजनीतिक दलों से आग्रह करता हूं। आइए महिला आरक्षण लागू करके महिलाओं के सम्मान में आप भी जुड़िए और क्रेडिट लीजिए लेकिन मेरी माताओं बहनों को हक दीजिए।

इंस्टाग्राम पर पीएम मोदी ने शेयर किया नया वीडियो, बोले- ये मेरी दैनिक दिनचर्या

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 15 अगस्त यानी स्वतंत्रता दिवस की सुबह के खास पल को शेयर किया है। पीएम मोदी अपने आवास पर गायों को चारा और मोर को दाना खिलाने के बाद लालकिले के लिए निकले थे। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार दोपहर को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में वे अपने सरकारी आवास पर मोरों और पुंगनूर गायों के साथ नजर आए। उन्हें 7 लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास पर रखी देसी और छोटे आकार की गायों को खाना खिलाते और प्यार से सहलाते हुए देखा गया। फिर अपने हाथों से मोरों को दाने खिलाए। उन्होंने बताया कि गायों और मोरों को शायद यह एहसास हो गया था कि वे लाल किले पर होने वाले समारोह में शामिल होने के लिए जल्दी निकलेंगे। इसलिए, राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए रवाना होने से पहले ही वे उनसे मिलने आ गए। पीएम ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, ह्लहर सुबह अपने ह्यदोस्तोंह्न को खाना खिलाना मेरी दैनिक दिनचर्या है। कल सुबह (15 अगस्त को), उन्हें किसी तरह एहसास हो गया कि मैं जल्दी निकल रहा हूं, इसलिए जब मैं लाल किले के लिए निकल रहा था, तो वे मुझसे मिलने आ गए। हमेशा की तरह यह खास रहा। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री को उनके आवास के लॉन में सुबह की सैर और व्यायाम के दौरान अक्सर मोरों के साथ देखा जाता रहा है। प्रधानमंत्री अपने सरकारी आवास पर दुर्लभ, देसी और छोटे आकार की गायों को भी रखते हैं। इन मुलाकातों ने पहले भी लोगों का काफी ध्यान खींचा है और अक्सर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हुई हैं।

गृह मंत्री अमित शाह उदयपुर पहुंचे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया स्वागत; चित्तौड़गढ़ को देंगे सौगात

प्रात: किरण, एजेंसी

उदयपुर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह राजस्थान शनिवार रात उदयपुर पहुंचे। उनके आगमन पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने डबोक स्थित महाराणा प्रताप एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। गृह मंत्री अमित शाह शनिवार रात उदयपुर में रात्रि विश्राम करेंगे, जबकि रविवार को उनका मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ चित्तौड़गढ़ जिले के निम्बाहेड़ा जाने का कार्यक्रम निर्धारित है। केंद्रीय गृह मंत्री के स्वागत के लिए एयरपोर्ट पर जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, जिले के प्रभारी मंत्री हेमंत मीणा, सांसद सी.पी. जोशी, उदयपुर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत और राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया सहित कई जनप्रतिनिधि और भाजपा नेता मौजूद रहे। रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राजस्थान के निम्बाहेड़ा (चित्तौड़गढ़) और अलवर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। इस दौरान वे प्रदेश को 12 हजार करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। इन परियोजनाओं में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण, शिलान्यास और अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम शामिल हैं।

बंकिमचंद्र के वंशज का आरोप-सोनिया ने वंदेमातरम का अपमान किया

बना शर्त माफी मांगें; कांग्रेस मुख्यालय में राष्ट्रीय गीत रोकने कहा था

प्रात: किरण, एजेंसी

बंगाल। के नैहाटी से इखढ विधायक और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के वंशज सुमित्रो चटर्जी ने वंदेमातरम के अपमान पर सोनिया गांधी से बिना शर्त माफी मांगने को कहा है। दरअसल, कल भाजपा ने आरोप लगाया था कि सोनिया ने स्वतंत्रता दिवस पर कांग्रेस मुख्यालय में वंदेमातरम को रुकवाने का इशारा किया था। इसका वीडियो सामने आने के बाद विवाद बढ़ गया है। चटर्जी का दावा है कि सोनिया ने वंदेमातरम का पूरा संस्करण गाने को लेकर असहजता दिखाई और इसे रोकने की बार-बार कोशिश की। इखढ विधायक चटर्जी ने सोनिया गांधी के नाम एक लेटर लिखा है। जिसमें उन्होंने खुद को आम नागरिक, देशभक्त और बंकिमचंद्र का सीधा वंशज बताया। उन्होंने कहा कि इस घटना के कारण उन्हें गहरा दर्द है। उन्हें गुस्सा आ रहा है क्योंकि ये शहीदों का अपमान है।

कांग्रेस की दोहरी नीति पर सवाल उठाया

सुमित्रो ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की ह्यदोहरी नीतिह्न कोई नई बात नहीं है। उन्होंने कहा- 1937 में पार्टी ने मोहम्मद अली जिन्ना की आपत्तियों के आगे झुककर उसी साल अक्टूबर में गीत को छोटा कर दिया था। उस समझौते की परछाई एक बार फिर कांग्रेस के आचरण में दिखाई दे रही है। चटर्जी ने कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई के छात्र संगठन छात्र परिषद के नारे का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि छात्र परिषद मंत्र मोदेर संजीवन, वंदेमातरम नारे का इस्तेमाल करती है। इसके बाद उन्होंने सवाल किया कि पार्टी की टॉप लीडरशिप इसी गीत को लेकर असहज क्यों है।

बंगाल में CJP कार्यकर्ता के पिता की पिटाई से मौत

दीपके बोले- सरकारी स्कूल की बदहाली दिखाने पर हमला, इंसाफ दिलाने तक चुप नहीं बैठेंगे

प्रात: किरण, एजेंसी

पश्चिम बंगाल। के बांकुड़ा में कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) कार्यकर्ता शेख अब्दुल हफीज के पिता जनाब मफीक की 15 अगस्त को हमले में लगी गंभीर चोटों से मौत हो गई। CJP के मुताबिक, मफीक 13 अगस्त को अपने गांव करिसुंडा के सरकारी स्कूल में CJP के 'स्कूल ठीक करो' अभियान में शामिल हुए थे। उन्होंने स्कूल की बदहाली का वीडियो बनाया था। उसी शाम हथियारबंद लोगों ने उनके घर में घुसकर उन्हें पीटा। CJP का कहना है कि हमलावरों ने उनसे माफी मांगते हुए वीडियो रिकॉर्ड करने को कहा। इनकार करने पर परिवार पर हमला किया गया। इसमें हफीज और उनके पिता के सिर में गंभीर चोट आई। CJP फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा कि अब्दुल और उनके परिवार को इंसाफ दिलाने तक चुप नहीं बैठेंगे। CJP की टीम पश्चिम बंगाल जाएगी। भाजपा कार्यकर्तओं पर हत्या का आरोप अब्दुल हफीज ने कहा कि स्थानीय बीजेपी नेताओं के जानलेवा हमले के डेढ़ दिन बाद शनिवार को उनके पिता की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि 13 अगस्त की रात करीब 8 बजे कुछ लोगों ने घर पहुंचकर उन्हें घेर लिया और बुजुर्ग पिता के साथ मारपीट की। हमलावरों ने फोन छीनकर स्कूल व जंतर-मंतर पर बनाए गए वीडियो जबरन डिलीट करवा दिए। हाफिज ने कहा कि धारदार हथियारों से हमला किया गया। अस्पताल और थाने जाने पर भी हमलावरों ने घेराव किया और भविष्य में ऐसे वीडियो बनाने पर जान से मारने की धमकी दी। बांकुड़ा के पुलिस अधीक्षक वी.जी. सतीश पसुमार्थी ने कहा कि उन्होंने संदिग्धों को हिरासत में ले लिया है। बीजेपी ने कहा है कि अगर उनके कार्यकर्ता इसमें शामिल पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अभिजीत दीपके ने शनिवार को महाराष्ट्र के हिंगोली में अपने गांव से 'स्कूल ठीक करो' अभियान की शुरूआत की थी। उन्होंने कहा था कि सरकार की अनदेखी की वजह से गरीब छात्रों को नुकसान हो रहा है, और उन्होंने प्राइवेट स्कूलों की फीस पर सीमा लगाने की मांग की। उन्होंने कहा था कि 'स्कूल ठीक करो अभियान' के अगले चरण में वे महाराष्ट्र के अन्य इलाकों के सरकारी स्कूलों का दौरा करेंगे ताकि यह देख सकें कि छात्रों के लिए सुविधाएं उपलब्ध हैं या नहीं। बंगाल की घटना पर दीपके ने नाराजगी जताई। शुभेंदु ने कहा FIR में भाजपा कार्यकर्ता का नाम नहीं पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को कहा कि घटना को लेकर दर्ज FIR में यह नहीं कहा गया है कि हमलावर बीजेपी कार्यकर्ता थे। उन्होंने आगे कहा, पांच में से तीन लोगों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका हैं। जांच जारी है। बाकी दो को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उनके घर के बाहर होमगार्ड तैनात किए गए हैं। सरकार सख्त कार्रवाई करेगी। मुझे जानकारी मिली है कि पांच और लोगों को हिरासत में लिया गया है।

उज्जैन में महाकाल की भस्म आरती में पहुंचे कुमार विश्वास

उज्जैन। श्रावण शुक्ल पक्ष की चतुर्थी के पावन अवसर पर रविवार तड़के विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आस्था और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। देश के प्रसिद्ध कवि एवं वक्ता कुमार विश्वास ने बाबा महाकाल की प्रातःकालीन भस्म आरती में शामिल होकर ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए। भगवा चोला पहने कुमार विश्वास करीब दो घंटे तक नंदी हॉल में बैठकर भस्म आरती के दिव्य दर्शन करते रहे। इस दौरान मंदिर परिसर हर-हर महादेव और जय श्री महाकाल के जयघोष से गूंजता रहा। कुमार विश्वास का श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से उप प्रशासक एसएन सोनी ने उनका स्वागत किया। भस्म आरती के बाद मंदिर समिति ने उनका सत्कार भी किया। दर्शन के बाद मीडिया से कुमार विश्वास ने कहा कि ह्लयह महज संयोग नहीं है। बाबा महाकाल की कृपा है कि हर श्रावण में किसी न किसी बहाने मेरी हाजिरी लग जाती है।ह्व उन्होंने कहा कि श्रावण हिंदू परंपरा के सबसे पवित्र महीनों में से एक है और ऐसे पावन समय में बाबा महाकाल के दर्शन होना उनके लिए सौभाग्य की बात है। कुमार विश्वास ने स्वतंत्रता दिवस की भी बधाई दी हैं। उन्होंने कहा कि भारत की स्वतंत्रता का 80वां चरण पूरा हुआ है। भारत माता अपने पुर्न वैभव को प्राप्त कर रही है। उन्होंने कहा कि बाबा महाकाल के चरणों में उन्होंने कृतज्ञता, धन्यवाद और प्रार्थना अर्पित की है। दर्शन के बाद मन में गहरी शांति का अनुभव हुआ। कुमार विश्वास ने कहा कि श्रावण के पवित्र माह में महाकाल के दर्शन होना उनके लिए संचित पुण्य कर्मों का प्रतिफल है। युवाओं को लेकर पूछे गए सवाल पर कुमार विश्वास ने कहा कि युवा ही भारत का भविष्य है और भारत विश्व के सबसे युवा देशों में शामिल है। उन्होंने कहा कि आज का युवा अपनी चेतना और सांस्कृतिक पहचान को लेकर पहले से अधिक सजग है। उन्होंने कहा कि युवाओं में भारतीय दर्शन और संस्कृति के प्रति बोध जागृत हुआ है। यही वजह है कि नववर्ष, विभिन्न उत्सवों और पर्वों के अवसर पर युवा देश के प्रमुख तीर्थस्थलों की ओर बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं।

80 साल बाद यह अमर गान फिर से सम्मान पा रहा था लेकिन सोनिया गांधी को यह रास नहीं आया।

वोट बैंक के लालच में कांग्रेस ने वंदे मातरम को भुला दिया था, देश माफ नहीं करेगा : अमित शाह

प्रात: किरण, एजेंसी

चित्तौड़गढ़। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के निम्बाहेड़ा में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की 21 फीट ऊंची प्रतिमा का लोकार्पण किया। इस मौके पर उन्होंने राजस्थान सरकार के 15 जिलों में करीब 5659 करोड़ रुपए की लागत वाले 944 विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। कार्यक्रम के मंच पर पहुंचते ही राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अमित शाह का पारंपरिक साफा पहनाकर स्वागत किया। संबोधन में अमित शाह ने वंदे मातरम का जिक्र करते हुए कहा, ह्लकांग्रेस ने वोट बैंक के लालच में वंदे मातरम को भुला दिया था। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की अमर रचना के इन शब्दों को बोलते हुए हजारों-लाखों स्वतंत्रता सेनानी फांसी पर चढ़ गए, गोलियां खाईं और सालों तक जेल में रहे। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, 80वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर जब कांग्रेस मुख्यालय पर वंदे मातरम का गान हो रहा था, तब कांग्रेस की नेता सोनिया गांधी ने बीच में ही गीत रुकवा दिया। हम सब टीवी पर देख रहे थे। 80 साल बाद यह अमर गान फिर से सम्मान पा रहा था लेकिन सोनिया गांधी को यह रास नहीं आया। आपके द्वारा किया गया यह पाप देश की जनता कभी माफ नहीं करेगी।ह्व गृह मंत्री ने कहा कि यह वंदे मातरम का 150वां साल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से वंदे मातरम को फिर से नया जीवन देने का काम किया है। विकास कार्यों का जिक्र करते हुए अमित शाह ने कहा कि आज 15 जिलों में 5659 करोड़ के 944 कामों का लोकार्पण और भूमिपूजन हुआ है। उन्होंने केंद्र सरकार की योजनाओं की तुलना करते हुए कहा, ह्लजब प्रधानमंत्री मोदी ने हर घर नल और हर घर जल योजना शुरू की, तब राजस्थान के सिर्फ 11 लाख घरों में पानी पहुंचा था। 70 सालों में कांग्रेस ने 11 लाख घरों तक पानी पहुंचाया था लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने केवल 8 सालों में 64 लाख घरों तक पानी पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने कहा, ह्ल70 साल में कांग्रेस ने जो काम किया, उससे 6 गुना ज्यादा काम प्रधानमंत्री मोदी ने 8 सालों में किया है।ह्व अमित शाह ने अटल बिहारी वाजपेई की पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए कहा कि आज चित्तौड़गढ़ की इस पवित्र भूमि पर भाजपा कार्यकताओं ने अटल जी के व्यक्तित्व के अनुरूप भव्य प्रतिमा और स्मारक बनाने का काम किया है। 1.5 करोड़ रुपए की लागत से बनी यह प्रतिमा ह्यअटल जीह्न के विचारों को दर्शाती है। उन्होंने इस काम से जुड़े हर कार्यकर्ता को साधुवाद दिया। उन्होंने कहा, ह्लसैकड़ों वर्षों से राजस्थान की वीर भूमि देशभर के देशभक्तों के लिए वीरता की काशी रही है। इसी भूमि ने मुगलों को यह संदेश दिया कि हमें कोई झुका नहीं सकता। अमित शाह ने कहा, ह्लअटल बिहारी वाजपेई पत्रकार बने तो कलम से राष्ट्रभक्ति को आगे बढ़ाया। कवि बने तो शब्दों से राष्ट्रभक्ति को आगे बढ़ाया और प्रधानमंत्री बने तो राष्ट्र की सुरक्षा और सुशासन को आगे बढ़ाया। उन्होंने न सत्ता में रहकते सिद्धांत छोड़ा, न विपक्ष में रहते सिद्धांत छोड़ा, इसीलिए उन्हें आजाद शत्रु कहा जाता है, जिसका कोई शत्रु नहीं है ऐसे महापुरुष के रूप में जाना जाता है।ह्व कार्यक्रम में बड़ी संख्या में

दिल्ली मेट्रो में CISF जवान ने लड़की की तस्वीरें खींची:यात्रियों से मारपीट की

आरोप- फोटो डिलीट करने कहा तो बंदूक तानी, सस्पेंड हुआ

प्रात: किरण, एजेंसी

दिल्ली। मेट्रो में का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें कुछ लोग CISF के जवान से छीना-झपटी करते दिखाई दे रहे हैं। लोग उसका फोन छीन लेते हैं। कुछ लोग कॉलर पकड़कर खींचते भी दिखे। दरअसल, वीडियो में दिखाई दे रही लड़की ने आरोप लगाया है कि उकरऋजवान ने चोरी-छिपे उसके फोटो लिए। जब उसने जवान से पूछा तो उसने साफ इनकार कर दिया। हालांकि फोन की जांच करने पर उसमें लड़की के कई फोटो मिले। जब लड़की ने फोटो डिलीट करने कहा, तो हंगामा बढ़ गया। मेट्रो में सफर कर रहे लोगों ने जवान से उसका फोन छीन लिया। मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया है कि जवान ने यात्रियों पर बंदूक तान दी थी। घटना शनिवार देर रात दिल्ली मेट्रो की यलो लाइन के अक्क्टर मेट्रो स्टेशन पर हुई। घटना का वीडियो रविवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। उकरऋसूत्रों के मुताबिक, घटना सामने आने के कुछ ही समय बाद आरोपी अधिकारी को सस्पेंड कर दिया गया है। मामले की जांच जारी है। जवान के फोन में फोटो देखकर भड़की लड़की वायरल वीडियो में मेट्रो यात्री उकरऋअधिकारी से सवाल करते नजर आ रहे हैं। उकरऋअधिकारी ने शुरूआत में फोटो लेने से इनकार किया। गैलरी देखने पर पता चला कि अधिकारी ने लड़की की तस्वीरें ली थीं। इस पर विवाद बढ़ गया। लड़की को वीडियो में कहते सुना जा सकता है, ह्लयह क्या है? मेरी फोटो डिलीट करो। रात 12:40 बजे PCR कॉल मिली, शिकायत दर्ज नहीं कराई मेट्रो पुलिस सूत्रों ने बताया कि अधिकारियों को रविवार रात करीब 12:40 बजे घटना की सूचना देने वाली ढउफकॉल मिली थी। यात्रियों, जिनमें एक लड़की ने बताया कि उकरऋ अधिकारी उसकी बिना अनुमति फोटो ले रहा था। पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन लड़की ने शिकायत दर्ज नहीं कराई।

राष्ट्रीय दैनिक **प्रातःकिरण**

नई दिल्ली, सोमवार, 17 अगस्त, 2026

उत्तराखंड के कई इलाकों में भूजल स्तर की स्थिति गंभीर, सीजीडब्ल्यूबी की स्टडी में खुलासा, विशेषज्ञों ने दी ये सलाह

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड भले ही गंगा और यमुना जैसी बड़ी नदियों का उद्गम स्थल है और देश के एक बड़े हिस्से को पानी उपलब्ध कराता है, लेकिन राज्य में कई स्थानों पर ग्राउंड वाटर लेवल की स्थिति चिंताजनक है. ये हालात भविष्य के लिए एक बड़ी चुनौती बन सकते हैं.

उत्तराखंड के कई क्षेत्रों में भूजल स्तर की स्थिति चिंताजनकः केंद्रीय भूमि जल बोर्ड ने उत्तराखंड में भूजल की स्थिति को लेकर अध्ययन किया है. इसमें चौंकाने वाला खुलासा हुआ है. दरअसल, केंद्रीय भूजल संस्थान ने प्रदेश भर के 340 स्थानों पर भूजल की स्थिति को लेकर अध्ययन किया है. इसमें प्रदेश के खासकर मैदानी क्षेत्रों में अत्यधिक भूजल का दोहन पाया गया है. आखिर क्या कहती है केंद्रीय भूमि जल बोर्ड की रिपोर्ट. प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में क्या है भूजल और भूजल के दोहन की स्थिति पेश है

विशेषज्ञों ने दी भूजल दोहन में कमी और स्प्रिंग्स प्रबंधन की सलाहः देश भर में चल रहे राष्ट्रीय भूजल निगरानी कार्यक्रम के तहत केंद्रीय भूजल बोर्ड ने उत्तराखंड में भूजल की स्थिति का आकलन किया है. मई 2026 तक केंद्रीय भूजल बोर्ड ने उत्तराखंड में 21 खुले कुओं, 196 हैंडपंपों, 111 स्रोतों (स्प्रिंग्स) और 12 पीजोमीटरों का इस्तेमाल कर निगरानी करते हुए अध्ययन किया है. इससे राज्य के तमाम जलभृतों में भूजल की स्थिति और उसमें होने वाले स्थानिक एवं सामयिक परिवर्तनों का आकलन किया गया है. उत्तराखंड में भूजल की स्थिति में मिलाजुला संकेत पाया गया है. अध्ययन से पता चला कि कई कुओं और स्रोतों में पानी का स्तर बेहतर हुआ है, जबकि कुछ क्षेत्रों में गिरावट और स्प्रिंग्स के डिस्चार्ज में आई कमी चिंताजनक है.

सिंचाई एवं आपूर्ति की चुनौतियांः उत्तराखंड का जल-भूविज्ञान, राज्य के भूविज्ञान और भू-आकृति विज्ञान से जुड़ा हुआ है. प्रदेश में भूविज्ञान और भू-आकृतियों में भिन्नता होने के चलते, यहां जल-भूवैज्ञानिक स्थितियां भी अलग-अलग तरह की पाई जाती हैं. प्रदेश की क्षेत्रीय जल-भूवैज्ञानिक संरचना को, उत्तर से दक्षिण की ओर पांच जल-भूवैज्ञानिक इकाइयों में बांटा गया है. इसमें, हिमालयी क्षेत्र, उप-हिमालय (शिवालिक), भाबर, तराई और मध्य गंगा मैदान शामिल हैं. हर यूनिट की मिट्टी, जल-स्रोत और भू-आकृतियां अलग होने के कारण पानी की उपलब्धता, भूतल एवं भू-गर्भ जल की स्थिति, सिंचाई एवं आपूर्ति की चुनौतियां भी अलग हैं.

क्या कहती है रिपोर्टः 10 जुलाई में आई रिपोर्ट के अनुसार, मई 2026 के दौरान 196 कुओं के जल स्तर के अध्ययन से पता चला कि जल स्तर कोपा सिग्नल, गदरपुर, उधम सिंह नगर में 0.22 मीटर भूमि सतह से नीचे से लेकर तरला नागल, रायपुर, देहरादून में 75.73 मीटर भूमि सतह से नीचे तक पाया गया है. राज्य के मैदानी क्षेत्रों में जल स्तर की स्थिति जानने के लिए 120 कुओं का अध्ययन किया गया. इनमें से 33 कुओं में जल स्तर 5 मीटर से कम, 30 कुओं में 5-10 मीटर, 19 कुओं में 10-15 मीटर, 20 कुओं में 15-30 मीटर, 8 कुओं में 30-50 मीटर और 10 कुओं में 50 मीटर से अधिक भूमि सतह से नीचे पाया गया.

चिंता बढ़ाने वाले हैं आंकड़ेः आंकड़ों पर गौर करें तो, मई 2024 की तुलना में मई 2026 के दौरान 120 कुओं में से 84 कुओं के जल स्तर में वृद्धि दर्ज हुई. इनमें से 53 कुओं में 0-2 मीटर, 24 कुओं में 2-4 मीटर और 7 कुओं में 4 मीटर से अधिक जल स्तर में वृद्धि पाई गई. इसी तरह, मई 2024 की तुलना में 36 कुओं में जल स्तर में गिरावट दर्ज की गई. इनमें से 30 कुओं में 0-2 मीटर, 3 कुओं में 2-4 मीटर और 3 कुओं में 4 मीटर से अधिक जल स्तर की गिरावट पाई गई. हालांकि, मई 2016 से 2025 के दौरान औसत मई महीने के जल स्तर की तुलना में मई 2026 के दौरान 105 कुओं में से 62 कुओं में जल स्तर में वृद्धि दर्ज की गई. जबकि 43 कुओं के जल स्तर में गिरावट दर्ज की गई. इन 43 कुओं में से 35 कुओं में 0-2 मीटर, 3 कुओं में 2-4 मीटर और 5 कुओं में 4 मीटर से अधिक जल स्तर की गिरावट पाई गई.

पहाड़ की स्थिति देखिएः पर्वतीय क्षेत्रों में मौजूद स्प्रिंग्स से होने वाले वॉटर डिस्चार्ज स्थिति पर भी अध्ययन किया गया है. मई 2026 के दौरान 111 स्रोतों (स्प्रिंग्स) पर अध्ययन किया गया. जिसमें पाया गया कि 111 स्रोतों में से 38 स्रोतों का डिस्चार्ज 0-5 एलपीएम, 17 स्रोतों का डिस्चार्ज 5-10 एलपीएम, 27 स्रोतों का डिस्चार्ज 10-20 एलपीएम, 19 स्रोतों का डिस्चार्ज 20-40 एलपीएम और 10 स्रोतों का डिस्चार्ज 40 एलपीएम से अधिक पाया गया. मई 2026 के दौरान पौड़ी गढ़वाल जिले के सतपुली स्रोत में मिनीमम डिस्चार्ज 0.42 एलपीएम और टिहरी गढ़वाल जिले के ढोलापानी स्रोत में अधिकतम डिस्चार्ज 350.44 डिस्चार्ज पाया गया. कुल मिलाकर, मई 2025 की तुलना में मई 2026 के दौरान 51 स्रोतों (स्प्रिंग्स) के डिस्चार्ज में कमी पाई गई। जबकि 60 स्रोतों के डिस्चार्ज में वृद्धि पाई गई।

संक्षिप्त समाचार

पटरी पर लौटा रुड़की रोडवेज का संचालन, सरपट दौड़ीं 38 बसें

रुड़की, एजेंसी। कांवड़ यात्रा के दौरान करीब 11 दिन तक प्रभावित रहा रुड़की रोडवेज का संचालन बुधवार को पटरी पर लौट आया। यात्रियों की संख्या बढ़ने के साथ ही रोडवेज की बसें पहले की तरह विभिन्न रूटों पर दौड़ने लगीं। बुधवार शाम छह बजे तक निगम की 25 और 13 अनुबंधित बसों का संचालन हो चुका था। इससे यात्रियों को भी काफी राहत मिली। 31 जुलाई से कांवड़ यात्रा ने रफ्तार पकड़ी थी। यात्रा के कारण रोडवेज का संचालन न्यूनतम 16 बसों तक सीमित हो गया था। इसका सीधा असर निगम की आय पर पड़ा। कई दिनों तक करीब ढाई लाख रुपये तक की ही आय हो पा रही थी जबकि निगम का दैनिक लक्ष्य 7.75 लाख रुपये निर्धारित है। चालक-परिचालकों की छुट्टियों और कांवड़ यात्रा के कारण भी कुछ दिनों तक बसों के पहिये थमे रहे। बुधवार को खाटू श्याम, डाडापट्टी, दल्लावाला, कोटद्वार, देहरादून, ऋषिकेश, दिल्ली और पोंटा साहिब समेत विभिन्न लोकल और लंबी दूरी के रूटों पर बसें संचालित की गई। इससे यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचने में सुविधा मिली। सहायक महाप्रबंधक अमिता सैनी का कहना है कि बुधवार को यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है जो हर्ष की बात है। बसों का संचालन भी अब पूर्व की तरह सामान्य हो गया है।

अंकित हत्याकांडः आरोपियों को क्राइम सीन पर ले जाकर जुटाए साक्ष्य

रुड़की, एजेंसी। अंकित हत्याकांड में गिरफ्तार चार आरोपियों से पुलिस ने गहनता से पूछताछ की। पुलिस आरोपियों को क्राइम सीन पर लेकर गई और साक्ष्य जुटाए। पूछताछ में एक आरोपी के पूर्व में भी हत्या के मामले में जेल जाने की बात सामने आई है। पूछताछ के बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया गया। वहां से आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। लक्सर कोतवाली क्षेत्र के शिवपुरी और सौंपरी गांव निवासी अंकित चौहान दो अगस्त की रात को संदिग्ध परिस्थिति में लापता हो गया था। परिजनों की सूचना पर उसकी गुमशुदगी दर्ज कर पुलिस उसकी तलाश कर रही थी। तलाश के दौरान कुछ जानकारी हाथ लगने पर पुलिस ने अंकित के ही गांव में रहने वाले आरोपी सचिन, मेहकार, कुलवंत और अंकित उर्फ फौजी को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की थी। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने अवैध खनन की सूचना पुलिस को देने की रंजिश में अंकित की गला दबाकर हत्या करने के बाद उसका शव उसकी बाइक के साथ बांधकर गंगा में फेंकने की बात स्वीकार की थी। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने गंगा में सर्च ऑपरेशन चलाकर मंगलवार को अंकित का शव और बाइक गंगा से बरामद कर ली थी। शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया।

किशोरी से यौन शोषण और हत्या के प्रयास में आरोपी गिरफ्तार

हरिद्वार, एजेंसी। रानीपुर कोतवाली क्षेत्र में एक किशोरी से यौन शोषण करने के बाद उसे जान से मारने की कोशिश के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने उसे बहलाकर ले जाने के बाद नशीला पदार्थ खिलाया और उसके साथ दुष्कर्म किया। मारपीट कर जान से मारने की नीयत से उसे बीएचईएल के जंगल में घायल हालत में छोड़कर फरार हो गया था। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया। सीओ सदर एसपी बलूनी ने बताया कि चार अगस्त को सेक्टर-4 केंद्रीय विद्यालय बीएचईएल के पास जंगल और झाड़ियों में एक किशोरी घायल अवस्था में मिली थी। सूचना पर रानीपुर पुलिस ने पहुंचकर उसे अस्पताल में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल से उसे एम्स ऋषिकेश रेफर कर दिया था। परिजनों की जानकारी जुटाकर उन्हें सूचना दी थी। इलाज के दौरान बालिका ने अपने परिजनों और पुलिस को बताया था कि तीन अगस्त को शेखर नाम का युवक उसे बहलाकर अपने साथ ले गया था। आरोप है कि उसने नशीला पदार्थ पिलाने के बाद उसके साथ दुष्कर्म किया। फिर जान से मारने की नीयत से मारपीट कर उसे बीएचईएल के जंगल में घायल हालत में छोड़कर फरार हो गया था।

सघन चेकिंग में चरस ले जा रहा युवक गिरफ्तार

देहरादून, एजेंसी। स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर चल रही सघन चेकिंग के बीच पटेलनगर पुलिस ने 702 ग्राम चरस के साथ तस्करी के आरोपी मनोज दानू को गिरफ्तार किया है। आरोपी कार से चरस लेकर देहरादून पहुंचा था। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल स्विफ्ट डिजायर कार भी कब्जे में ली है। आरोपी के दो साथी मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार, स्वतंत्रता दिवस को लेकर आईएसबीटी बैरियर पर संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान महाराणा प्रताप पार्क के गेट के सामने पार्किंग में खड़ी एक कार संदिग्ध दिखाई दी। पुलिस टीम को अपनी ओर आता देखकर चालक और उसके बगल में बैठा व्यक्ति कार से उतरकर भाग गए। पिछली सीट पर बैठे युवक ने भी भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने उसे घेरकर पकड़ लिया।

हरिद्वार के हरिहर बांके बिहारी मंदिर की लाखों की धनराशि गबन करने का आरोप, कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज

हरिद्वार, एजेंसी। ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र स्थित नया हरिद्वार कॉलोनी के हरिहर बांके बिहारी मंदिर के प्रबंधन और नया हरिद्वार वेलफेयर सोसायटी के नाम पर एकत्र की जा रही धनराशि को लेकर, चार लोगों पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं. कोर्ट के आदेश पर ज्वालापुर कोतवाली पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

हरिहर बांके बिहारी मंदिर की दान राशि में गबन का आरोपः शिकायतकर्ता सुधाकर सिंह ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि वह पिछले 50 वर्षों से नया हरिद्वार कॉलोनी के निवासी हैं. कॉलोनी के निवासियों द्वारा 17 नवंबर 2014 से 16 नवंबर 2019 तक पांच वर्षों के लिए नया हरिद्वार वेलफेयर सोसायटी के नाम से एक संस्था पंजीकृत कराई गई थी. आरोप लगाया गया है कि 16 नवंबर 2019 के पश्चात उक्त सोसायटी का न तो कभी कोई चुनाव हुआ और न ही उसका नवीनीकरण हुआ. आरोप है कि 16 नवंबर 2019 के बाद नया हरिद्वार के कुछ पूंजीपति, उद्योगपति और राजनीतिक प्रभाव वाले लोगों ने आपस में कुछ अन्य लोगों के साथ साज कर बिना किसी कानूनी प्रक्रिया को मानते हुए खुद को उक्त सोसायटी का स्वयं ही पदाधिकारी नियुक्त कर लिया. नया हरिद्वार में स्थित हरिहर बांके बिहारी मंदिर का स्वयं प्रबंधन करने लगे, जिसका उन्हें कोई अधिकार नहीं था.

शिकायतकर्ता ने बताई पूरी कहानीः शिकायतकर्ता के अनुसार, उन्होंने पिछले दो तीन वर्षों से मंदिर पर जाना शुरू किया. इस दौरान उन्हें पता चला कि एक शख्स ने खुद को अध्यक्ष, दूसरे ने खुद को महामंत्री, तीसरे ने खुद को उपाध्यक्ष और चौथे ने खुद को कोषाध्यक्ष के पद पर अन्य कुछ लोगों से साठगांठ कर खुद ही नियुक्त कर लिया है. बताया गया है कि शिकायतकर्ता समय समय पर अपनी सामर्थ्य के अनुसार मंदिर में दान करने लगे. हिसाब-किताब मांगने पर नहीं मिला जवाबः दान के अलावा पिछले एक वर्ष से 500 रुपये प्रतिमाह मंदिर के रखरखाव और मंदिर में होने वाले विभिन्न आयोजनों के लिए नया हरिद्वार के अध्यक्ष और महामंत्री को देने लगे. 18 नवंबर 2025 को उन्होंने अध्यक्ष और महामंत्री से उक्त नया हरिद्वार सोसायटी के पंजीकरण और मंदिर से प्राप्त धनराशि के बारे में पूछना चाहा तो दोनों उन पर गुस्सा करने लगे. उन्होंने कहा कि यह सब जानने का उन्हें कोई अधिकार नहीं है. इसके बाद शिकायतकर्ता को उनकी इस बात पर संदेह हुआ और उन्होंने स्वयं ही जानने का प्रयास किया.

मंदिर की दानराशि से लाखों के गबन का आरोपः आरोप है कि शिकायतकर्ता के अलावा लगभग 150 लोगों द्वारा मंदिर और ईश्वर का हवाला देकर 500 रुपये प्रतिमाह लिए जा रहे थे. इसकी धनराशि लगभग 75 से 80 हजार रुपये प्रतिमाह बताई गई है. इसके अलावा मंदिर की दान पेटियों से लगभग 25 हजार रुपये प्रतिमाह प्राप्त होने का भी आरोप लगाया गया है. इस तरह करीब एक लाख रुपये प्रतिमाह भोली भाली जनता और भक्तों को गुमराह कर कभी ईश्वर के नाम पर तो कभी भक्ति के नाम पर एकत्र करने का आरोप लगाया गया है.

2019 से निष्क्रिय था खाताः बताया कि जब उन्होंने और गहराई से जांच की तो पाया कि नया हरिद्वार वेलफेयर सोसायटी 16 नवंबर 2019 से अस्तित्व में ही नहीं है. इसके बावजूद सोसायटी के नाम पर धनराशि एकत्र की जा रही थी. बीती 7 अप्रैल को शिकायतकर्ता द्वारा लिखित में हिसाब किताब की जानकारी मांगने के बाद भी उन्हें कोई हिसाब किताब की जानकारी नहीं दी गई. इसके बाद उन्होंने हर माह करीब एक लाख रुपये प्राप्त करने और उसे जमा करने के संबंध में जानकारी की तो पता चला कि नया हरिद्वार वेलफेयर सोसायटी के तत्कालीन पदाधिकारी की ओर से नया हरिद्वार वेलफेयर सोसायटी के नाम से आंध्रा बैंक में एक खाता खोला गया था।

सरयू-पिंडर घाटी में बारिश बनी आफतः भूस्खलन की चपेट में आकर सड़कें और संचार ठप; जनजीवन प्रभावित

अल्मोड़ा, एजेंसी। बागेश्वर जिले के कपकोट क्षेत्र में 14 अगस्त को हुई मूसलाधार बारिश ने भारी तबाही मचाई है। भूस्खलन से सड़कें बंद हो गई हैं, झूनी गांव का पुल खतरे की जद में है पिंडर घाटी में पिछले दो दिनों से दूरसंचार सेवा पूरी तरह ठप पड़ी हुई है।

बागेश्वर जिले के तहसील कपकोट क्षेत्र के अंतर्गत सरयू और पिंडर घाटी में बीते 14 अगस्त को हुई मूसलाधार बारिश और अतिवृष्टि ने भारी तबाही मचाई है। आपदा के कारण पूरे क्षेत्र में जनजीवन पूरी तरह ठप पड़ गया है। कई मुख्य मार्ग और ग्रामीण सड़कें भूस्खलन की चपेट में आकर बंद हो चुकी हैं, जबकि पैदल संपर्क मार्ग ध्वस्त होने से ग्रामीणों का आवागमन बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

झूनी गांव में अतिवृष्टि से सार्वजनिक संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचा है। ग्राम प्रधान हीरा दानू ने बताया कि गांव को जोड़ने वाला मोटर पुल अब सीधे खतरे की जद में आ गया है। पुल के एक तरफ का पिलर गिरने की कगार पर पहुंच चुका है, जिससे हर समय बड़े हादसे का अंदेशा बना हुआ है। इसके अलावा पेयजल स्रोत और आपूर्ति लाइनें क्षतिग्रस्त होने से गांव में गहरा पेयजल संकट खड़ा हो गया है। गांव के सार्वजनिक शौचालय और स्नानागार पूरी तरह ध्वस्त हो चुके हैं और जगह-जगह जमीन धंसने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

प्रधान हीरा दानू ने प्रशासन से तत्काल स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा व पुनर्निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की है।

कर्मी से लेकर पूरी पिंडर घाटी में पिछले दो दिनों से दूरसंचार सेवा पूरी तरह ठप पड़ी हुई है। वाछम के ग्राम प्रधान दिनेश दानू ने बताया कि पिंडर घाटी में संचार के लिए केवल बीएसएनएल नेटवर्क का ही सहारा है, लेकिन दो दिन से सिग्नल गायब होने से ग्रामीण पूरी तरह कट गए हैं। ग्रामीण न तो आपदा प्रबंधन का कोई अपडेट ले पा रहे हैं और न ही अपनी परेशानियां प्रशासन तक पहुंचा पा रहे हैं। पूर्व विधायक ललित फर्स्वाण ने आपदा प्रभावित पिंडर घाटी का दौरा कर स्थानीय ग्रामीणों का हाल जाना और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने कहा कि मानसून सीजन की शुरुआत से ही क्षेत्र में सड़कें और संचार व्यवस्था पूरी तरह बदहाल है। आपदा की इस घड़ी में न तो स्थानीय जनप्रतिनिधि और न ही जिला प्रशासन कोई संवेदनशीलता दिखा रहा है। बंद पड़ी सड़कों को खोलने के लिए मौके पर पर्याप्त मशीनें तक तैनात नहीं हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि धरातल पर काम शून्य है और विकास केवल कागजों तक ही सीमित होकर रह गया है।

उत्तराखंड में कल से हिमाच्छादित क्षेत्रों में डिजिटल स्व-गणना, एक सितंबर से घर-घर जाएंगे प्रगणक

देहरादून, एजेंसी। 17 अगस्त से उत्तराखंड के हिमाच्छादित इलाकों में जनगणना की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी, जिसमें इस बार लोगों से पहले की तुलना में ज्यादा विस्तृत जानकारी जुटाई जाएगी। डिजिटल साक्षरता से लेकर रोजगार, प्रवास और कोविड टीकाकरण तक कई नए पहलुओं को जनगणना में शामिल किया गया है।

उत्तराखंड में 17 अगस्त से हिमाच्छादित क्षेत्रों में जनगणना का दूसरा चरण शुरू होने जा रहा है। इसके तहत जहां पहले 15 दिन तक पोर्टल के माध्यम से स्व-गणना का मौका मिलेगा। इसके बाद एक से 30 सितंबर के बीच प्रगणक घर-घर जाकर जनगणना करेंगे।

जनगणना 2027 के स्वरूप को आधुनिक और व्यापक बनाया गया है। पारंपरिक प्रश्नों के साथ-साथ इस बार कई नई श्रेणियों को शामिल किया गया है। नागरिकों की साक्षरता के साथ-साथ अब डिजिटल साक्षरता की स्थिति की भी गणना की जाएगी। सूची में कोविड-19 टीकाकरण के स्थान का विवरण भी शामिल किया गया है। पिछले वर्ष किए गए कामकाज, आर्थिक गतिविधि की श्रेणी, व्यवसाय, उद्योग का स्वरूप और कार्यस्थल तक की यात्रा से जुड़े सवाल पूछे जाएंगे।

जन्म स्थान, पूर्वावास स्थान, स्थान परिवर्तन के कारण और वर्तमान निवास की अवधि की जानकारी ली जाएगी।देशभर के हिमाच्छादित क्षेत्रों में जनसंख्या की गणना का कार्य एक सितंबर से 30 सितंबर 2026 के बीच होना है। उत्तराखंड के चार जिलों में 131 गांव और तीन नगर पंचायतें (केदारनाथ, बदरीनाथ और गंगोत्री) ऐसी हैं, जो हिमाच्छादित क्षेत्र की श्रेणी में आती हैं। उत्तरकाशी जिले में 69 गांव और एक नगर पंचायत गंगोत्री है।

इसी तरह चमोली जिले में 23 गांव और एक नगर पंचायत बदरीनाथ, रुद्रप्रयाग जिले में चार गांव और एक नगर पंचायत केदारनाथ है। पिथौरागढ़ जिले में 35 गांव ऐसे हैं, जो हिमाच्छादित क्षेत्र हैं। इन सभी क्षेत्रों में अनुमानित जनसंख्या करीब 52,000 है। निदेशक जनगणना इवा आशीष श्रीवास्तव ने बताया कि हिमाच्छादित क्षेत्रों में जनगणना के लिए 162 प्रगणक, 34 सुपरवाइजर लगाए गए हैं।

180 फीट लंबा तिरंगा बना मुख्य आकर्षण

हरिद्वार, एजेंसी। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक के नेतृत्व में हरिद्वार में तिरंगा यात्रा निकाली गई। इसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं, युवाओं और स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। यात्रा के दौरान देशभक्ति के नारे गूंजते रहे। यात्रा आर्य नगर चौक से शुरू होकर चंद्राचार्य चौक पर समाप्त हुई। इसमें शामिल लोगों ने राष्ट्र की एकता और अखंडता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। यात्रा में शामिल लोगों ने स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानियों को नमन किया। मदन कौशिक ने कहा कि तिरंगा देश के गौरव का प्रतीक है। यह स्वाभिमान, एकता और वीरता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। यात्रा का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक में राष्ट्रप्रेम की भावना को मजबूत करना है। यात्रा का मुख्य आकर्षण 180 फीट लंबा तिरंगा था, जिसे एनसीसी के छात्रों ने भारत माता के उद्घोष के साथ उठाया। हरिद्वार नगर निगम की महापौर किरण जैसल ने प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि तिरंगा हर भारतीय के लिए गौरव का प्रतीक है। यात्रा में भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कई स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

चौखुटिया के सीमलखेत में मूसलाधार बारिश का कहर, एनएच बंद, छह घरों में घुसा मलबा

अल्मोड़ा, एजेंसी। अल्मोड़ा जिले के चौखुटिया स्थित सीमलखेत क्षेत्र में शनिवार देर रात हुई मूसलाधार बारिश से जनजीवन प्रभावित हो गया। भारी बारिश के चलते बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग रातभर बंद रहा, छह घरों में मलबा घुस गया और एक मकान खतरे की जद में आ गया।

अल्मोड़ा जिले के चौखुटिया के सीमलखेत क्षेत्र में शनिवार देर रात हुई मूसलाधार बारिश ने भारी तबाही मचाई। तेज बारिश के चलते बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) रातभर बंद रहा, जबकि छह परिवारों के घरों में मलबा और पानी घुस गया। एक मकान खतरे की जद में आ गया है। प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर नुकसान का जायजा लिया है।

शनिवार रात करीब 11 बजे सीमलखेत क्षेत्र के कुछ हिस्सों में अत्यधिक बारिश हुई। स्थानीय लोगों ने बादल फटने की आशंका जताई है। बारिश के कारण कुशरानी बैण्ड गधेरा उफान पर आ गया और आसपास के छोटे गधेरे भी गांव की ओर बहने लगे। इसके चलते बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग बाधित हो गया। रविवार सुबह करीब छह बजे एनएच कर्मियों ने जेसीबी की मदद से मार्ग को यातायात के लिए खोल दिया, हालांकि सड़क को काफी नुकसान पहुंचा है।

तेज बहाव के कारण भूमिकिया और घुडसाली तोक में हीरा सिंह नेगी, मेहरबान सिंह, बलवंत सिंह नेगी और दानीराम समेत छह परिवारों के घरों में मलबा और पानी घुस गया। दानीराम के मकान की सुरक्षा दीवार पूरी तरह बह गई, जिससे उनका घर खतरे की जद में आ गया है। ग्राम प्रधान आस्था नेगी ने प्रभावित परिवार को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने की मांग प्रशासन से की है।

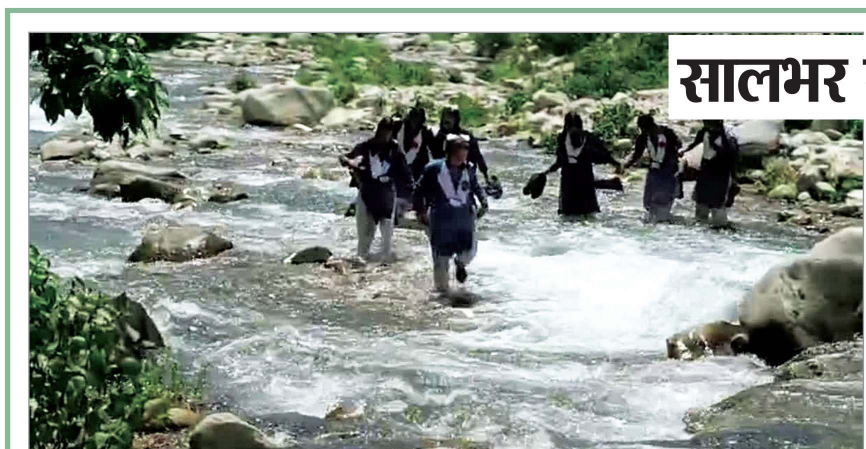

सालभर बाद भी नहीं बना पुल, उफनती नदी पार करने पर मजबूर नौनिहाल

खूंखार जानवरों का खतरा भी मंडराया

पौड़ी गढ़वाल, एजेंसी। चौबट्टाखाल विधानसभा क्षेत्र में भारी बारिश के दौरान एक साल पहले बहा पुल अब तक नहीं बन पाया है. पुल के अभाव में स्कूली बच्चों को जान जोखिम में डालकर पानी पार कर विद्यालय पहुंचना पड़ रहा है. बरसात के दौरान बच्चों के लिए स्कूल तक पहुंचना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं है. पानी के रास्ते होकर विद्यालय जाने पर बच्चों को करीब 3 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है, जबकि घने जंगल के रास्ते से जाने पर यह दूरी बढ़कर करीब 5 किलोमीटर हो जाती है. जंगल के रास्ते में जंगली जानवरों का खतरा भी बना रहता है.

चौबट्टाखाल विधानसभा क्षेत्र के गवाणी गांव में ड्वीला मल्ला, ड्वीला तल्ला, देगला, तिमलपट समेत आसपास के गांवों को जोड़ने वाला पुल अगस्त 2025 में भारी बारिश के दौरान बह गया था. पुल बहने के एक साल बाद भी निर्माण कार्य शुरू न होने से ग्रामीणों में नाराजगी है. सबसे ज्यादा दिक्कतें स्कूली बच्चों को उठानी पड़ रही है, जिन्हें जान जोखिम में डालकर उफनती मछलाड नदी पार कर विद्यालय पहुंचना पड़ रहा है.

स्थानीय निवासी बलवंत गुसाईं का कहना है कि, गवाणी में पुल के बहने के बाद से ही ग्रामीण लगातार सरकार और संबंधित विभाग से नए पुल के निर्माण की मांग कर रहे हैं, लेकिन एक साल बीतने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है. पुल नहीं होने के कारण बच्चों के सामने विद्यालय पहुंचना बड़ी चुनौती बन गया है.

नौनिहाल अपनी जान हथेली पर रखकर विद्यालय जाने को मजबूर हैं. मछलाड नदी का जलस्तर बढ़ने के दौरान स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है. क्षेत्रीय विधायक एवं लोक निर्माण विभाग मंत्री सतपाल महाराज को ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए बच्चों के भविष्य और सुरक्षा को देखते हुए गवाणी में पुल का निर्माण जल्द शुरू करना चाहिए।

दवा घोटाले ने भाजपा सरकार और नौकरशाही में डाली दरार, सभी टेंडर रद्दः सौरभ भारद्वाज

● स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों को जरूरी सामान सीधे खरीदने का आदेश दिया, सीपीए से सिर्फ दवा लिया जाएगा: सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने स्वास्थ्य विभाग के एक अफसर की ओर से मंत्री के आदेश को धता बता कर नए आदेश जारी करने और पूर्व के टेंडर रद्द करने को लेकर सवाल खड़ा किया है। आप के दिल्ली के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने भाजपा से पूछा कि दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार और नौकरशाही के बीच दरार बढ़ रही है? 650 करोड़ रुपए के कथित स्वास्थ्य घोटाले के बाद दिल्ली के अधिकारी 2025 में भाजपा के सत्ता में आने के बाद जारी किए गए एक विवादास्पद खरीद आदेश का विरोध करते दिख रहे हैं। सरकार ने अस्पतालों को स्वतंत्र रूप से दवाएं और आवश्यक आपूर्ति खरीदने से रोक दिया था और इस प्रक्रिया को केंद्रीकृत कर दिया था। अब एक अधिकारी ने एक नया आदेश जारी किया है जो उस व्यवस्था को पलटता हुआ प्रतीत होता है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली सरकार के अंदर अफसरों और नेताओं के बीच में महाभारत के संकेत मिलने शुरू हो गए हैं। स्वास्थ्य विभाग के एक अफसर द्वारा हाल ही में एक नया आदेश निकाला गया है। इस आदेश से संकेत मिलते हैं कि 650 करोड़ रुपए के घोटाले में सरकार द्वारा सारा दोष अफसरों के सिर पर मढ़ने की कोशिश की गई, इसलिए अफसर अब सुधारात्मक कदम उठा रहे हैं ताकि भविष्य में किसी घोटाले में सिर्फ अफसरों की ही गर्दन न फंसे। सौरभ भारद्वाज ने बताया कि यह नया आदेश उस पुराने आदेश का जिक्र करता है जो जून 2025 में भाजपा सरकार बनने के तुरंत बाद मंत्री द्वारा निकाला गया था। उस पुराने आदेश में कहा गया था कि दवाइयों के साथ-साथ सर्जिकल उपकरण और अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सामग्री अब अस्पताल खुद नहीं खरीद सकेंगे, बल्कि सेंट्रल प्रोक्योरमेंट एजेंसी यानी सीपीए ये सारी खरीदारी करेगी। इसी आदेश के कारण सारा भ्रष्टाचार केंद्रित हुआ था। अब अफसरों ने नया आदेश निकालकर मंत्री के उस पुराने आदेश को दरकिनार कर दिया है, क्योंकि वह पुराना आदेश वित्त विभाग के ट्रांजेक्शन ऑफ बिजनेस रूल्स का उल्लंघन करता था। सीपीए सिर्फ दवाइयां खरीद सकती थी, उससे अस्पतालों की चादरें नहीं खरीदवाई जा सकती थीं। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि अफसरों के इस नए आदेश के जरिए मंत्री के पुराने आदेश को खारिज कर दिया गया है और प्रक्रिया में चल रहे सभी टेंडरों को भी रद्द कर दिया गया है। नए आदेश में यह स्पष्ट किया गया है कि अब अगर अस्पताल को कोई चादर, सर्जिकल उपकरण या अन्य सामान खरीदना है, तो वह सीपीए के जरिए नहीं बल्कि अस्पताल खुद खरीदेगा। यह बिल्कुल वही पुरानी व्यवस्था है जो भाजपा सरकार बनने से पहले लागू थी। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भाजपा सरकार ने आते ही पुरानी व्यवस्था को बदलने की कोशिश की थी और बाद में सारा ठीकरा अफसरों पर फोड़ दिया। सरकार ने अफसरों को नहीं बचाया, इसलिए अब अफसरों ने खुद को बचाने के लिए हथियार उठा लिए हैं और यह नया आदेश निकाला है।

आप विधायक संजीव झा का एलजी को पत्र, दवा, साइकिल और चावल घोटाले से जुड़े दस्तावेज देने के लिए मांगा समय

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के विधायक दल के चीफ व्हीप संजीव झा ने रेखा गुप्ता सरकार में हुए दवा, साइकिल और चावल घोटाले को लेकर दिल्ली के एलजी तरनजीत सिंह संधू को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि मैंने एलजी को पत्र लिखकर साइकिल, दवा और चावल घोटाले से जुड़ी विस्तृत जानकारी, दस्तावेज और अन्य महत्वपूर्ण तथ्य उपलब्ध कराने तथा इन मामलों की निष्पक्ष व विस्तृत जांच कराने का आग्रह किया है। इन घोटालों से जुड़े तथ्यों का सामने आना और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होना बेहद जरूरी है। जनता से जुड़े किसी भी गंभीर मुद्दे पर आम आदमी पार्टी अपनी जिम्मेदारी पूरी मजबूती से निभा रही है। मैं सभी विधायकों और प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज के साथ एलजी से मुलाकात कर संबंधित जानकारियां और दस्तावेज उनके समक्ष प्रस्तुत करने के लिए समय मांगा है। पत्र में संजीव झा ने एलजी तरनजीत सिंह संधू से कहा कि दिल्ली सरकार से संबंधित साइकिल घोटाले, दवा घोटाले और चावल घोटाले के संबंध में विभिन्न गंभीर तथ्य और विषय हमारे संज्ञान में आए हैं। इन मामलों से संबंधित विस्तृत जानकारी, दस्तावेज और अन्य महत्वपूर्ण तथ्यों को एलजी के समक्ष प्रत्यक्ष रूप से प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है, ताकि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और विस्तृत समीक्षा हो सके। संजीव झा ने पत्र में कहा कि इसी क्रम में मेरे साथ विपक्ष के सभी विधायकों का प्रतिनिधिमंडल और आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज एलजी से मुलाकात करना चाहते हैं, ताकि इन मामलों से संबंधित समस्त जानकारी और उपलब्ध दस्तावेज उनके समक्ष रखे जा सकें। संजीव झा ने एलजी से अनुरोध किया कि वे अपनी सुविधानुसार प्रतिनिधिमंडल से मिलने के लिए शीघ्र समय प्रदान करें। हमारा उद्देश्य इन गंभीर विषयों पर तथ्यात्मक जानकारी एलजी के समक्ष रखना और आवश्यक जांच व उचित कार्रवाई के संबंध में उनका ध्यान आकृष्ट करना है। हमें आशा है कि एलजी इन मामलों की गंभीरता को देखते हुए प्रतिनिधिमंडल को शीघ्र समय प्रदान करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

खादी बोर्ड में 3 नई नियुक्तियां, तिलक राज कटारिया बने उपाध्यक्ष

नईदिल्ली। दिल्ली खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड का पुनर्गठन करते हुए उपराज्यपाल ने 3 नई नियुक्तियां की हैं। तिलक राज कटारिया को बोर्ड का उपाध्यक्ष बनाया गया है, जबकि कविता राठौर और मोहन गोयल को गैर-सरकारी सदस्य नियुक्त किया गया है। दिल्ली सरकार के उद्योग आयुक्त कार्यालय की ओर से जारी दिल्ली राजपत्र की असाधारण अधिसूचना में इन नियुक्तियों की जानकारी दी गई है। ये नियुक्तियां दिल्ली खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड अधिनियम, 1966 के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए की गई हैं। खादी एवं ग्रामोद्योग क्षेत्र छोटे और कुटीर उद्योगों, पारंपरिक हस्तशिल्प, ग्रामीण रोजगार और स्वरोजगार से जुड़ा महत्वपूर्ण क्षेत्र है। बोर्ड की ओर से इन गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन में भी भूमिका निभाई जाती है। नई नियुक्तियों के बाद बोर्ड के कामकाज में तेजी आने की उम्मीद है। खादी, ग्रामीण उद्योग, पारंपरिक कारीगरी और स्वरोजगार से जुड़ी योजनाओं को आगे बढ़ाने में नए पदाधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

नोएडा की आर्द्रभूमियों के पास कचरा डंपिंग पर एनजीटी सख्त

नई दिल्ली। नोएडा के सेक्टर-137 और सेक्टर-49 की इन-सिटू आर्द्रभूमियों के आसपास ठोस कचरे और निर्माण मलबे की डंपिंग के मामले में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने सख्त रुख अपनाया है। एनजीटी की प्रधान पीठ ने उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) को शिकायतों पर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। सुनवाई के दौरान आवेदक ने अधिकरण को बताया कि आर्द्रभूमियों के आसपास कचरे और निर्माण मलबे की डंपिंग को लेकर 30 जुलाई 2025 और इस साल 10 जुलाई को संबंधित अधिकारियों से शिकायत की गई थी। आरोप है कि शिकायतों के बावजूद अब तक प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। मामले में एनजीटी ने यूपीपीसीबी के सदस्य सचिव को निर्देश दिया कि वे सुनिश्चित करें कि नोएडा प्राधिकरण शिकायतों पर उचित और आवश्यक कार्रवाई करे। अधिकरण ने स्पष्ट किया कि यदि प्राधिकरण जरूरी कदम नहीं उठाता है तो यूपीपीसीबी को स्वयं कार्रवाई करनी होगी।

कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम को लेकर विवाद, हिंदू सेना ने जांच की मांग

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस पर कांग्रेस मुख्यालय में वंदे मातरम के गायन को लेकर विवाद गहरा गया है। प्रसारित हो रहे एक कथित वीडियो को लेकर हिंदू सेना ने दिल्ली पुलिस आयुक्त को पत्र भेजकर पूरे मामले की निष्पक्ष और गहन जांच की मांग की है। हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने पत्र में कार्यक्रम की मूल वीडियो रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखने के साथ उपलब्ध दृश्य-श्रव्य सामग्री और कार्यक्रम में मौजूद लोगों के बयान दर्ज करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जांच के माध्यम से यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि वीडियो में दिखाई दे रहे इशारे किस संदर्भ में किए गए थे। बताया जा रहा है कि 15 अगस्त को ध्वजारोहण कार्यक्रम के दौरान वंदे मातरम के गायन का एक वीडियो प्रसारित हुआ, जिसमें सोनिया गांधी के कथित तौर पर गायन रोकने का आरोप लगाया जा रहा है। कार्यक्रम में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। विष्णु गुप्ता ने कहा कि यदि जांच में वंदे मातरम के गायन में जानबूझकर बाधा डालने या राष्ट्रीय गरिमा को ठेस पहुंचाने का कोई कृत्य सामने आता है तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

पुलिस मुख्यालय में स्वतंत्रता दिवस पर शान से लहराया तिरंगा

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

नई दिल्ली। देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिल्ली पुलिस मुख्यालय में तिरंगा फहराया गया। विशेष पुलिस आयुक्त (पीएंडएफडी) राजेश खुराना ने पुलिस मुख्यालय के लॉन में आयोजित समारोह में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। उन्होंने दिल्ली पुलिस परिवार के सभी सदस्यों, उनके परिजनों और पुलिस मुख्यालय में मौजूद अधिकारियों व कर्मचारियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। राजेश खुराना ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस देश के स्वतंत्रता संग्राम और वीरों के बलिदान की याद दिलाता है। आजादी, न्याय, समानता और गरिमा जैसे मूल्यों की रक्षा करना पुलिस का महत्वपूर्ण दायित्व है। दिल्ली पुलिस नागरिकों के अधिकारों की रक्षा, शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराध की रोकथाम और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पूरी निष्ठा से काम करती है। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में ड्यूटी निभाने वाले दिल्ली पुलिस के सभी अधिकारियों और जवानों की कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की। उन्होंने उन पुलिसकर्मियों को भी श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने कर्तव्य निभाते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया।

धार्मिक आयोजनों के लिए घर बैठे मिलेगी अनुमति, 1200 यूनिट बिजली मुफ्त

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में रामलीला और अन्य धार्मिक आयोजनों के लिए अनुमति लेने की प्रक्रिया अब आसान होगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को एकल खिड़की व्यवस्था शुरू करने की घोषणा की, जिसके तहत आयोजक घर बैठे एक ही स्थान से आवेदन कर विभिन्न विभागों की अनुमति प्राप्त कर सकेंगे। सरकार की ओर से धार्मिक आयोजनों के लिए 1200 यूनिट बिजली निःशुल्क उपलब्ध कराने की भी घोषणा की गई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यह घोषणा शालीमार बाग के बी-ब्लॉक स्थित रामलीला मैदान में शालीमार बाग रामलीला समिति के भूमि पूजन और यज्ञ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए की। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों की अनुमति की यह व्यवस्था केवल किसी एक कार्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरी दिल्ली के आयोजकों के लिए लागू की गई है। विभागों के चक्कर लगाने से मिलेगी राहत नई व्यवस्था लागू होने के बाद धार्मिक आयोजन करने वाले लोगों को अनुमति के लिए अलग-अलग विभागों के कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। अब एक ही स्थान से आवेदन किया जा सकेगा। इससे अग्निशमन विभाग, पुलिस और अन्य संबंधित विभागों से अनुमति लेने की प्रक्रिया सरल होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य धार्मिक आयोजनों से जुड़े आयोजकों की परेशानियों को दूर करना है। पहले अनुमति लेने में काफी समय लगता था और आयोजकों को अलग-अलग विभागों से संपर्क करना पड़ता था। एकल खिड़की व्यवस्था से यह प्रक्रिया अधिक सुगम होगी। 1200 यूनिट बिजली निःशुल्क मुख्यमंत्री ने धार्मिक आयोजनों के लिए 1200 यूनिट बिजली निःशुल्क उपलब्ध कराने की भी घोषणा की। इसके अलावा आयोजकों को अन्य आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली विकास प्राधिकरण के मैदानों की बुकिंग को लेकर भी आयोजकों को परेशानी होती थी। इस समस्या के समाधान के लिए इस वर्ष 19 मैदानों को कार्यक्रम स्थलों के रूप में उपलब्ध कराया गया है। इन मैदानों की बुकिंग की प्रक्रिया को भी आसान बनाया गया है। रामलीला रात 12 बजे तक होगी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि रामलीला के आयोजन के समय को लेकर भी सरकार ने महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब रामलीला का मंचन रात 12 बजे तक किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि पहले कई स्थानों पर रात 9 बजे शुरू होने वाली रामलीला को 10 बजे समाप्त कराने के लिए पुलिस और प्रशासन पहुंच जाता था।

बुराड़ी की बदहाल सड़कों के विरोध में प्रदर्शन, सड़क पर उतरे लोग

नई दिल्ली। दिल्ली के बुराड़ी क्षेत्र में खराब सड़कों और लंबे समय से बनी बदहाली के विरोध में स्थानीय लोगों ने प्रदर्शन किया। ह्वॉयस ऑफ बुराड़ीह्व के बैनर तले लोगों ने मुख्य सड़क पर उतरकर शासन-प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और सड़क पर बैठकर यातायात बाधित किया। प्रदर्शनकारियों ने हाथों में तख्तियां लेकर क्षेत्र की समस्याओं के समाधान की मांग उठाई। प्रदर्शन के कारण मुख्य मार्ग पर यातायात प्रभावित हुआ। स्थिति को देखते हुए मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि बुराड़ी की कई सड़कें करीब 4 वर्षों से जर्जर स्थिति में हैं। खराब सड़कों के कारण धूल, यातायात जाम और सड़क दुर्घटनाओं जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने बताया कि सड़क सुधार की मांग को लेकर पहले भी प्रदर्शन किया जा चुका है, लेकिन अपेक्षित समाधान नहीं होने के कारण उन्हें दोबारा सड़क पर उतरना पड़ा। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से जल्द सड़कों की मरम्मत कराने की मांग की है।

अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, छह तस्कर गिरफ्तार; लूटकांड में तीन आरोपी दबोचे

नई दिल्ली, प्रात: किरण मनोज जैन

बाहरी उत्तर जिला पुलिस ने स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ व्यापक अभियान चलाकर छह आरोपियों को गिरफ्तार किया। अलग-अलग थानों में दर्ज छह मामलों में पुलिस ने 9,430 क्वार्टर और 1,000 पाउच अवैध शराब बरामद की। कार्रवाई के दौरान एक बोलेरो पिकअप, मोटरसाइकिल और स्कूटर भी जब्त किए गए। नरेला औद्योगिक क्षेत्र थाना पुलिस ने अकेले 6,245 क्वार्टर शराब के साथ दो आरोपियों को पकड़ा। वहीं शाहबाद डेयरी थाना पुलिस ने 14 अगस्त को हुई लूट की वारदात को कम समय में सुलझाते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों ने चौक के पास बैठे दो युवकों को चाकू और देशी कट्टा दिखाकर धमकाया था तथा उनसे 6,050 रुपये और दो मोबाइल फोन लूट लिए थे। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लूटे गए दोनों मोबाइल, 5,000 रुपये नकद, वारदात में इस्तेमाल देशी कट्टा, बटनदार चाकू और मोटरसाइकिल बरामद की। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सैमसुद्दीन (23), रवि कुमार (19) और साजन कुमार (19) के रूप में हुई है। पुलिस ने रवि के किराये के मकान से पांच अन्य मोबाइल फोन समेत कुल सात मोबाइल बरामद किए हैं। पुलिस शेष आरोपी की तलाश के साथ बरामद मोबाइलों की जांच कर रही है और आरोपियों की अन्य आपराधिक वारदातों में संलिप्तता का पता लगाया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार अवैध शराब की तस्करी और बिक्री पर कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। जिला पुलिस ने अवैध शराब के कारोबार से जुड़े तस्करों, सप्लायरों और परिवहनकर्ताओं के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। वहीं लूटकांड में भी तकनीकी निगरानी और सूचना तंत्र की मदद से आरोपियों तक पहुंचकर पुलिस ने तेजी से कार्रवाई की।

दिल्ली पुलिस की कार्रवाई : जुआ, शराब और चोरी के 3 मामलों में 9 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में जुआ, अवैध शराब और चोरी के तीन मामलों में कार्रवाई करते हुए 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कैश, ताश के पत्ते और अवैध शराब भी बरामद की है। खजूरी खास थाना पुलिस को शनिवार रात करीब 8 बजे सूचना मिली कि ई-ब्लॉक, श्री राम कॉलोनी, गली नंबर 2 के सामने कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही हेड कांस्टेबल रोहित, हेड कांस्टेबल जुबैर और कांस्टेबल प्रमोद ने एसएचओ को जानकारी देकर मौके पर छापा मारा। पुलिस को देखकर आरोपी भागने लगे, लेकिन टीम ने छह लोगों को पकड़ लिया। मौके से एक ताश की गड्डी और 10,440 रुपए बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपियों में हनीफ (60), आशिफ (29), मोहम्मद सलीम (30), राजू, (60), हनीफ (38), और मोहम्मद सलीम (40) शामिल हैं। इस मामले में थाना खजूरी खास में एफआईआर दर्ज की गई। जांच के दौरान किसी की भी कोई पुरानी संलिप्तता नहीं मिली। आगे की जांच जारी है। इसी तरह सोनिया विहार पुलिस ने शनिवार शाम 6:30 बजे गश्त के दौरान बेदी गैस एजेंसी के पास एक खाली प्लॉट में एक महिला को संदिग्ध हालत में खड़े देखा। तलाशी लेने पर उसके बैग से 30 बीयर, 30 हाफ और 49 क्वार्टर की अलग-अलग ब्रांड की अवैध शराब की बोतलें मिलीं। सूचना पर हेड कांस्टेबल राज हसन और महिला कांस्टेबल यास्मीन मौके पर पहुंचीं और 52 वर्षीय महिला को गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला कि आरोपी पहले भी इसी तरह के एक मामले में शामिल रह चुकी है। थाना सोनिया विहार में एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस शराब सप्लाई के स्रोत का पता लगा रही है। वहीं तीसरे मामले में 3 अगस्त को ताशन जैन ने शिकायत दी थी कि हर्ष विहार, मेन 20 फुटा रोड स्थित उनकी दुकान से लगभग 35,000 रुपए चोरी हो गए हैं। इस पर ई-एफआईआर दर्ज की गई थी। एसएचओ इंस्पेक्टर तेज दत्त गौर के नेतृत्व में एसआई संदीप, एएसआई गिरीश, हेड कांस्टेबल गौरव, हेड कांस्टेबल कुंदन और हेड कांस्टेबल भूपेंद्र की टीम ने सबूत जुटाकर दो संदिग्धों को पकड़ा।

सैदुलाजाब इमारत हादसा : मालिक समेत 3 के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के सैदुलाजाब में इमारत ढहने के मामले में पुलिस ने मकान मालिक और 2 बिल्डरों समेत 3 आरोपितों के खिलाफ साकेत न्यायालय में आरोपपत्र दाखिल किया है। आरोपपत्र 14 अगस्त को दाखिल किया गया। मामले में अगली सुनवाई 22 अगस्त को होगी। पुलिस के अनुसार, मकान मालिक करमवीर सिंह और बिल्डर मनीष खत्री व अविनाश के खिलाफ गैरइरादतन हत्या, निर्माण एवं मरम्मत के दौरान लापरवाही तथा लोगों की जान और सुरक्षा को खतरे में डालने सहित भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं। 30 मई को हुआ था हादसा सैदुलाजाब में 30 मई को 4 मंजिला इमारत ढह गई थी। हादसे में 6 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 12 लोग घायल हुए थे। मृतकों में 4 विदेशी चिकित्सा स्नातक भी शामिल थे। पुलिस के मुताबिक, करीब 15 वर्ष पुरानी इमारत लगभग 400 वर्ग गज क्षेत्र में बनी थी। इमारत पहले से कमजोर बताई जा रही थी और इसके ऊपर अतिरिक्त मंजिलों का निर्माण कराया जा रहा था। जानकारी के अनुसार, इमारत की 2 अतिरिक्त मंजिलों का निर्माण पूरा हो चुका था और तीसरी मंजिल का काम चल रहा था।

दिल्ली सरकार ई-कैबिनेट प्रणाली करेगी लागू मुख्यमंत्री ने की विशेषज्ञों से चर्चा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार राजधानी में आधुनिक ई-कैबिनेट प्रणाली लागू करेगी। इसी दिशा में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नेशनल इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी) के विशेषज्ञों के साथ विस्तृत चर्चा की है। बैठक में ऐसी डिजिटल व्यवस्था पर विचार किया गया, जिसके माध्यम से दिल्ली सरकार की कैबिनेट बैठकों की पूरी प्रक्रिया कागज रहित (पेपरलेस), अधिक सुरक्षित, तेज और पारदर्शी बनाई जा सके। मुख्यमंत्री ने रविवार को एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि वर्तमान समय में शासन-प्रशासन में तकनीक का प्रभावी उपयोग समय की आवश्यकता है। दिल्ली सरकार का लक्ष्य ऐसी व्यवस्था विकसित करना है, जिसमें सरकारी प्रक्रियाएं सरल हों, निर्णय तेजी से लिए जा सकें और उनके क्रियान्वयन की लगातार निगरानी भी संभव हो। ई-कैबिनेट प्रणाली के माध्यम से कैबिनेट बैठकों से जुड़े सभी दस्तावेज जैसे कैबिनेट नोट्स, बैठक का एजेंडा, उससे जुड़े संलग्न दस्तावेज (एनेक्सर), कैबिनेट के निर्णय और बैठक की कार्यवाही (मिनट्स), सुरक्षित डिजिटल माध्यम से तैयार, साझा और संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाए जा सकेंगे। इससे कागजों पर निर्भरता लगभग समाप्त होगी और पूरी प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी बनेगी। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें प्रत्येक मंत्री और अधिकारी को उसकी जिम्मेदारी के अनुसार अलग-अलग स्तर की डिजिटल पहुंच दी जा सकती है। मंत्री, मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, विभागीय सचिव जैसे सभी अधिकृत अधिकारी केवल अपनी आवश्यकता के अनुसार संबंधित दस्तावेज देख सकेंगे। इससे गोपनीय जानकारी की सुरक्षा और अधिक मजबूत होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रस्तावित व्यवस्था में कैबिनेट नोट्स जमा करने, उनकी जांच करने, मंजूरी देने, संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने और भविष्य के लिए सुरक्षित रिकॉर्ड के रूप में संरक्षित करने जैसी पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन संचालित की जा सकती है। इससे अनावश्यक देरी कम होगी और प्रशासनिक कार्यों में तेजी आएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कैबिनेट बैठकों के दौरान इस प्रणाली का सुरक्षित उपयोग टैबलेट के माध्यम से भी किया जा सकता है। इससे मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी बैठक के दौरान सभी आवश्यक दस्तावेज तुरंत देख सकेंगे और निर्णय प्रक्रिया अधिक सुविधाजनक होगी। इस प्रकार की व्यवस्था का एक बड़ा लाभ यह भी है कि कैबिनेट के किसी भी निर्णय के बाद संबंधित विभागों द्वारा उस पर की जा रही कार्रवाई की लगातार निगरानी की जा सकती है। इससे निर्णयों का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी और जवाबदेही भी बढ़ेगी।

पूर्वी दिल्ली में फुटओवर ब्रिज और स्काईवॉक से सड़क पार करना होगा आसान

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली में सड़क पार करने वालों की सहूलियत के लिए फुटओवरब्रिज और स्काईवॉक बनाने की योजना है। जीटी रोड पर वेलकम क्षेत्र में फुटओवरब्रिज और विकास मार्ग पर निर्माण विहार लालबत्ती के पास स्काईवॉक बनेगा। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने इसके लिए सर्वे के लिए एजेंसी की तलाश शुरू कर दी है। 15 दिन में सर्वे पूरा करने की समय सीमा निर्धारित की गई है। वेलकम के पास लोग जान जोखिम में डाल कर सड़क पार करते हैं। पुराना सीलमपुर के बाजार से सामान लाने वालों की भीड़ ज्यादा रहती है। वह सड़क पार करके बसें पकड़े हैं। हादसों के खतरे को देखते हुए यहां फुटओवर ब्रिज बनाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। वहीं निर्माण विहार पर पहले चौराहा होता था, जिसे यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए बंद कर दिया। जब से यह चौराहा बंद किया गया तो ई-रिक्शा एक से दूरी ओर नहीं जाते। मंडावली, साउथ गणेश नगर की ओर से आने वाले ई-रिक्शा सवारियों को शकरपुर की तरफ निर्माण विहार लालबत्ती पर उतार देते हैं। ऐसे में लक्ष्मी नगर, ईस्ट गुरु अंगद नगर और वेस्ट गुरु अंगद नगर जाने वालों को सड़क पार करके जाना होता है। दूसरी तरफ जाने के बाद वह फिर ई-रिक्शा पकड़ते हैं। इनकी सुविधा के लिए यहां स्काईवॉक बनाने का प्रस्ताव है, जिसे मेट्रो के स्काईवॉक से जोड़ने की बात भी चल रही है। इस स्काईवॉक को तीन से चार दिशाओं में जोड़ा जाएगा और प्रत्येक जगह लिफ्ट होगी। प्रस्तावित फुटपाथ और स्काईवॉक के साथ सीढ़ियों, रैंप और लिफ्ट के संभावित स्थानों की भी पहचान की जाएगी। इसके अलावा सड़क, फुटपाथ, डिवाइडर, चौराहे, सड़क की चौड़ाई, ढलान और ऊंचाई आदि का सटीक मापन किया जाएगा। सर्वे के दौरान आसपास की इमारतों, बिजली और संचार लाइनों, पानी की पाइपलाइन, सीवर, नालियों, पेड़ों, स्ट्रीट लाइट, बस स्टॉप, ट्रैफिक सिग्नल और अन्य सड़क किनारे सुविधाओं का भी नक्शा तैयार किया जाएगा। पैदल यात्रियों के मौजूदा आवागमन और आसपास की सड़कों व प्रमुख स्थानों से कनेक्टिविटी का भी अध्ययन होगा। इससे पहले शास्त्री पार्क और विश्वास नगर में गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी के पास फुटओवरब्रिज बनाने पर सहमति हो चुकी है।

कल्याणपुरी में सफाईकर्मी हत्या के बाद लोगों में आक्रोश, परिजनों ने की आरोपी को फांसी की मांग

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के कल्याणपुरी के ब्लॉक 20 में शुक्रवार सुबह कचरा उठाते समय 24 साल के सफाई कर्मचारी अनिल की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस और क्राइम टीम मौके पर पहुंची। वहीं, घटना के बाद लोगों में आक्रोश है। पुलिस आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी के लिए इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए कई टीमें बनाई गई हैं। वहीं, इस हत्या के विरोध में सफाई कर्मचारी लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल के बाहर जमा हो गए। मृतक अनिल के एक रिश्तेदार ने बताया, वह लड़का इस सड़क पर कचरा इकट्ठा कर रहा था। वहां पुल्ला नामक एक लड़का घूम रहा था। वह चाकू दिखाकर लोगों से चीजें भी छीनता है। उसके खिलाफ पुलिस स्टेशन में कई शिकायतें पहले से दर्ज हैं। उसने मृतक को चाकू मारा क्योंकि उसने उसे पैसे नहीं दिए और उसकी मौत हो गई। उसे गिरफ्तार करके फांसी दी जानी चाहिए। परिवार को मुआवजा मिलना चाहिए और माता-पिता को तभी शांति मिलेगी जब वह गिरफ्तार हो जाएगा। मौके पर पहुंचे त्रिलोकपुरी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक रविकांत उज्जैनवाल ने कहा, एक सफाई कर्मचारी, एक ऐसा भाई जो तब काम करता है जब पूरी दिल्ली सो रही होती है, ताकि शहर को जगाया जा सके। ये लोग सचमुच सेवा की भावना से काम करते हैं। जहां भी कचरे का ढेर होता है, वे उसे साफ करते हैं। वहीं, जिस व्यक्ति ने इतनी बर्बरता और क्रूरता की है, उसकी पहचान कर ली गई है। पहचान होने के बाद, हम उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करेंगे। पुलिस-प्रशासन ने तुरंत स्थिति को संभाला।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, सोमवार, 17 अगस्त, 2026

संक्षिप्त खबरें

खिचड़ीपुर अंडरपास में मिट्टी के ढेर बन रहे बाधा

नईदिल्ली। खिचड़ीपुर के पास एनएच-9 और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे के फ्लाईओवर के नीचे बने अंडरपास में मिट्टी और मलबे का ढेर लगा होने से वाहन चालकों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। अंडरपास के दोनों ओर जमा यह ढेर न सिर्फ वाहन मोड़ने में बाधा बन रहा है, बल्कि सामान्य आवागमन भी दूभर हो गया है। यह अंडरपास क्षेत्र के लिए बेहद अहम है। आईपी एक्सटेंशन की ओर से आने वाले वाहन यहीं से मुड़कर खिचड़ीपुर गांव, मयूर विहार फेज-दो और अक्षरधाम की ओर जाते हैं। वहीं, गाजीपुर डेयरी फार्म और खिचड़ीपुर पुनर्वास कॉलोनी की तरफ से आने वाले वाहन पटपड़गंज औद्योगिक क्षेत्र, हसनपुर डिपो, आनंद विहार और विवेक विहार का रुख करते हैं। सप्ताहांत को छोड़कर बाकी दिनों में यहां वाहनों की भारी आवाजाही रहती है। इसके अलावा यहां आवारा गायों का जमावड़ा भी अक्सर देखने को मिलता है, जिससे स्थिति और जटिल हो जाती है। स्थानीय लोगों के अनुसार, किसी ने अंडरपास में दोनों तरफ मिट्टी और मलबा डाल दिया, जिसे अब तक हटाया नहीं गया है। इस ढेर के चलते चालकों को सामने से आ रहे वाहन साफ दिखाई नहीं देते और अचानक सामने आने पर वाहन निकालने में भी दिक्कत होती है। इससे दुर्घटना की आशंका लगातार बनी हुई है। एनएचएआई के अधिकारी से बात की गई तो उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही मलबे को हटवा दिया जाएगा।

पानी के बिल पर माफी योजना को 31 मार्च तक बढ़ाया गया

नईदिल्ली। दिल्ली जल बोर्ड द्वारा पानी के बिलों पर देरी शुल्क माफी योजना को आगामी 31 मार्च तक के लिए बढ़ा दिया गया है। यह योजना 15 अगस्त तक के लिए थी, जिसे लगभग 6 माह के लिए बढ़ाया गया है। जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा कि कई परिवारों ने इस योजना का लाभ अभी तक नहीं लिया है, इसके चलते उन्हें आखिरी मौका दिया जा रहा है। जानकारी के अनुसार अक्तूबर 2025 में दिल्ली जल बोर्ड यह माफी योजना लेकर आई थी। इसके तहत लंबे समय से लंबित पानी के बिलों का भुगतान करने वालों को देरी शुल्क में 100 फीसदी तक की छूट दी गई थी। इस योजना में अब तक हजारों लोगों ने सैकड़ों करोड़ रुपये की राशि दिल्ली जल बोर्ड के बकाया बिल के रूप में चुकाई है। लेकिन अभी भी बड़ी संख्या में लोगों के बिल लंबित है। इसकी वजह दिल्ली जल बोर्ड द्वारा उचित संख्या में बिल जारी नहीं हो पाना है। इस समस्या का समाधान करने के लिए दिल्ली जल बोर्ड द्वारा अपने ग्राहकों का ई-केवाईसी किया गया है। इसके बाद से उन्हें वास्तविक बिल जारी किए जा रहे हैं, जिसमें पानी के बिल से लेकर देरी शुल्क तक की जानकारी है। जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने बताया कि इस योजना का काफी लाभ जनता को हुआ है और दिल्ली जल बोर्ड को इससे राजस्व भी मिला है। लेकिन इस योजना का लाभ सभी उपभोक्ताओं को देने के लिए माफी योजना की तारीख को आगे बढ़ाना आवश्यक है। इसे ध्यान में रखते हुए इस योजना को आखिरी बार आगामी 31 मार्च तक के लिए विस्तार दिया जा रहा है। दिल्ली जल बोर्ड केवाईसी की प्रक्रिया लगभग पूरी कर चुका है। अधिकांश लोगों को पानी के वास्तविक बिल जाने भी लगे हैं। ऐसे में इस योजना को आखिरी बार विस्तार दिया जा रहा है ताकि दिल्लीवासियों पर देरी शुल्क का अतिरिक्त भार न पड़े।

एक दशक बाद चिड़ियाघर में लौटेंगे जिराफः जेब्रा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय प्राणी उद्यान (दिल्ली चिड़ियाघर) में करीब एक दशक बाद जिराफ और जेब्रा की वापसी की तैयारी है। नए मास्टर प्लान के तहत दोनों प्रजातियों के लिए आधुनिक बाड़े बनाए जा रहे हैं। निर्माण पूरा होने के बाद इन्हें विदेश से दिल्ली लाने की योजना है। आखिरी जिराफ हाअंकिताह की जून 2015 में दिल का दौरा पड़ने से मौत हुई थी, जबकि आखिरी जेब्रा की मृत्यु 30 अप्रैल 2011 को हुई थी। चिड़ियाघर में वन्यजीवों की प्रजातियों और संख्या बढ़ाने पर भी जोर है। करीब तीन दशक पहले यहां 130 से अधिक प्रजातियां थीं, जो घटकर 93 रह गई हैं। वर्तमान में करीब 1,245 वन्यजीव हैं। मास्टर प्लान-2047 में प्रजातियों की संख्या बढ़ाकर 109 करने का लक्ष्य है। जिराफ-जेब्रा के अलावा चीता, न्यू वर्ल्ड मंकी और माउस डियर को भी लाने की योजना है। 400 करोड़ से होगा आधुनिकीकरण चिड़ियाघर के आधुनिकीकरण पर करीब 400 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। नए वन्यजीवों को लाने पर करीब 3.75 करोड़ रुपये खर्च किए जाने की संभावना है। शेर, बाघ, तेंदुआ, भालू और भेड़िये के बाड़ों के सामने मजबूत लैमिनेटेड ग्लास और खंदक बनाई जाएंगी। मुख्य प्रवेश द्वार को नया रूप देने के साथ पैदल यात्रियों और वाहनों के लिए अलग रास्ते होंगे। आधुनिक पशु अस्पताल और अन्य पर्यटक सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी।

पिंक टिकट मुफ्त यात्रा 31 अगस्त तक बढ़ी, 1 सितंबर से पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड होगा अनिवार्य

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने अब तक पिंक कार्ड नहीं बना सकने वाली महिला यात्रियों को बड़ी राहत देते हुए दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) बसों में मुफ्त यात्रा के लिए पेपर-बेस्ड पिंक टिकट की मौजूदा व्यवस्था को 31 अगस्त तक बढ़ा दिया है। अब 1 सितंबर, 2026 से बसों में मुफ्त यात्रा सुविधा का लाभ उठाने के लिए ह्यपिंक सहेली स्मार्ट कार्डह्व (एनसीएमसी) अनिवार्य हो जाएगा। पहले 15 अगस्त पिंक टिकट व्यवस्था की अंतिम तारीख थी। दिल्ली सरकार ने यह फैसला त्योहारों के मौसम और रक्षाबंधन को ध्यान में रखते हुए लिया है, ताकि त्योहारों के दौरान ज्यादा भीड़-भाड़ के समय महिला यात्री बिना किसी परेशानी के बसों में यात्रा कर सकें। अनिवार्य समय-सीमा को बढ़ाने से पात्र महिला यात्रियों को अपने ह्यपिंक सहेली स्मार्ट कार्डह्व बनवाने के लिए अतिरिक्त समय भी मिलेगा। परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने रविवार को एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि त्योहारों का मौसम, खासकर रक्षाबंधन एक ऐसा समय होता है, जब हमारी माताएं, बहनें और बेटियां अपने परिवारों से मिलने के लिए यात्रा करती हैं। उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए हमारी सरकार ने मौजूदा व्यवस्था को 31 अगस्त तक आगे बढ़ाने का फैसला किया है। नई व्यवस्था के अनुसार पात्र महिला यात्री 31 अगस्त तक पेपर-आधारित पिंक टिकट का इस्तेमाल करके बसों में मुफ़्त यात्रा कर सकती हैं। 1 सितंबर 2026 से मुफ्त यात्रा की सुविधा केवल वैध पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड के जरिए ही उपलब्ध होगी। राजधानी दिल्ली में अब तक 18 लाख 13 हजार 866 पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड जारी किए जा चुके हैं। ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने सभी डिपो मैनेजरों, रीजनल मैनेजरों, कंडक्टरों और एनफोर्समेंट स्टाफ को निर्देश दिया है कि वे बदली हुई डेडलाइन के बारे में व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के लिए जानकारी दें और महिला यात्रियों को 31 अगस्त से पहले अपने-अपने स्मार्ट कार्ड बनवाने के लिए प्रोत्साहित भी करें। डिपो और डीटीसी बस के अंदर अनाउंसमेंट, सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया और दूसरे माध्यमों से जागरूकता अभियान चलाए जाएं। परिवहन मंत्री ने सभी पात्र महिला यात्रियों से 31 अगस्त से पहले अपने ह्यपिंक सहेली स्मार्ट कार्डह्व बनवाने की अपील की है, ताकि 1 सितंबर से बिना किसी रुकावट के बसों में मुफ्त यात्रा सुविधा का लाभ उठाना जारी रखें।

लापरवाही से हुई मौत में खून के बदले पैसे स्वीकार नहीं: दिल्ली हाई कोर्ट

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। सुरक्षा उपकरणों की कथित कमी के कारण कालिंदी कुंज बैराज पर एक श्रमिक की यमुना नदी में डूबने से हुई मौत के मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने प्राथमिकी रद्द करने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति गिरीश कथपालिया की पीठ ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि लापरवाही से हुई मौत के मामले में परिवार को दिए गए मुआवजे को अपराध के निपटारे का आधार नहीं बनाया जा सकता। अदालत ने कहा कि खून के बदले पैसे को मान्यता देना सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं है। अदालत के समक्ष स्वास्तिक ट्रेडर्स, उसके मालिक शिवेंद्र पाल सिंह और एक अभियंता की ओर से प्राथमिकी रद्द करने की याचिका दायर की गई थी। याचिकाकताओं का कहना था कि उन्होंने मृतक के परिवार के साथ विवाद का निपटारा कर लिया है और परिवार को आर्थिक सहायता भी दी गई है। इसी आधार पर प्राथमिकी समाप्त करने का अनुरोध किया गया था। सुरक्षा उपकरण नहीं मिलने का आरोप मामला अप्रैल 2026 का है। शिकायत के अनुसार, कालिंदी कुंज बैराज पर काम के दौरान श्रमिक को आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराए गए थे। मृतक के भाई ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने के लिए ठेकेदार से कई बार अनुरोध किया गया, लेकिन इसके बावजूद जरूरी इंतजाम नहीं किए गए। शिकायत में कहा गया कि मृतक और उसका एक साथी पहले भी बैराज पर काम करने पहुंचे थे, लेकिन सुरक्षा उपकरणों के अभाव में उन्होंने काम रोक दिया था। बाद में ठेकेदार की ओर से सुरक्षा किट उपलब्ध कराने का आश्वासन दिए जाने के बाद दोनों ने दोबारा काम शुरू किया। आरोप है कि आश्वासन के बावजूद उन्हें आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराए गए। इसी दौरान श्रमिक यमुना नदी में गिर गया और डूबने से उसकी मौत हो गई। मृतक के भाई की शिकायत के आधार पर कालिंदी कुंज थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई। मुआवजा अपराध का निपटारा नहीं याचिकाकताओं की ओर से अदालत में दलील दी गई कि मृतक के परिवार के साथ विवाद सुलझ चुका है और उन्हें आर्थिक सहायता दी जा चुकी है। हालांकि, अतिरिक्त लोक अभियोजक और जांच अधिकारी नवीन ने प्राथमिकी रद्द करने की मांग का विरोध किया।

हत्या के आरोपी को तुरंत गिरफ्तार करे पुलिस : सीजेपी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने रविवार को पश्चिम बंगाल में सीजेपी कार्यकर्ता शेख अब्दुल हफीज के पिता जनाब माफिक की हत्या करने वालों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की। सीजेपी के मुताबिक, घर पर हुए हमले के दौरान सिर में गंभीर चोट लगने से शनिवार को माफिक की मौत हो गई। यह घटना बांकुरा जिले के कारिसुंडा इलाके में हुई। अब्दुल हफीज ने 13 अगस्त को अपने गांव के सरकारी स्कूल में बुनियादी ढांचे की स्थिति का आकलन करने के लिए देशव्यापी स्कूल ठीक करो अभियान में हिस्सा लिया था। पार्टी ने आरोप लगाया कि उसी शाम हथियारबंद लोग जबरन हफीज के घर में घुस गए और परिवार के लोगों के साथ मारपीट की। कॉकरोच जनता पार्टी ने घोषणा की है कि उसके सदस्यों की एक टीम बंगाल जाएगी और घटना में शामिल लोगों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की है। पार्टी के सह-संयोजक आशुतोष रांका ने कहा कि स्कूल का निरीक्षण करने के बाद अब्दुल हफीज के घर पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनकी पिटाई की। जब अब्दुल के पिता ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो उन्हें भी पीटा गया और वे गंभीर रूप से घायल हो गए। बाद में उनकी मौत हो गई। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि इस मामले से भाजपा का कोई लेना-देना नहीं है। एफआईआर में नामजद लोग अपराधी हैं और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिन पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, उनमें से तीन को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। बाकी दो को भी गिरफ्तार किया जाएगा। इसमें भाजपा का कोई संबंध नहीं है। वे सभी अपराधी हैं। कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली में एचपी गैस के नए 10 किलो का कंपोजिट LPG सिलेंडर HP Navya का लॉन्च

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (HPCL) ने राजधानी दिल्ली में अपने नए युग के कंपोजिट LPG सिलेंडर HP Navya का भव्य शुभारंभ किया। दिल्ली LPG क्षेत्रीय कार्यालय के अंतर्गत आयोजित यह लॉन्च कार्यक्रम रोहिणी स्थित एचपी गैस डिस्ट्रीब्यूटर देवी दयाल एंटरप्राइजेज में हुआ। लॉन्च समारोह में उत्तरी क्षेत्र के डिप्टी जनरल मैनेजर (एलपीजी) श्री विनीत पोहानी, दिल्ली क्षेत्र के जनरल मैनेजर श्री बिप्लव मंडल, श्री पलाश बरुआ, क्षेत्रीय अधिकारी श्री संजय मेहता एवं श्रीमती आकांक्षा भाटिया सहित HPCL एवं HP Gas से जुड़े अनेक अधिकारीयों, HP Gas वितरकों और ग्राहकों की उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने HP Navyaको राजधानी के LPG उपभोक्ताओं के लिए आधुनिक ऊर्जा-सुविधा के एक नए विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया। हल्का, प्रीमियम और सुविधाजनक अनुभव के उद्देश्य से पेश किए गए HP Navya पारंपरिक लोहे के सिलेंडर के मुकाबले अधिक हल्का और आसानी से संभालने योग्य कंपोजिट LPG सिलेंडर है। इसके आधुनिक डिजाइन और उपभोक्ता-केंद्रित विशेषताओं को शहरी परिवारों की बदलती जरूरतों के अनुरूप विकसित किया गया है। कंपोजिट सिलेंडर की प्रमुख विशेषताओं में जंग-रोधी बॉडी तथा पारदर्शी/ट्रांसलूसेंट डिजाइन शामिल हैं, जिससे उपभोक्ता सिलेंडर में शेष LPG स्तर को आसानी से देख सकता है। प्रेस नोट के अनुसार कंपनी इसे अपने प्रीमियम Flame Plus उत्पाद के रूप में भी पेश कर रही है। लॉन्च से पहले ही 123 कनेक्शन पंजीकृत राजधानी में HP Navyaको लेकर उपभोक्ताओं की शुरूआती दिलचस्पी का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि लॉन्च से पहले ही 123 कनेक्शन पंजीकृत हो चुके थे। कंपनी के अनुसार लॉन्च के बाद भी पंजीकरण जारी है। इसे दिल्ली-NCR बाजार में नए उत्पाद की संभावनाओं के सकारात्मक संकेत के रूप में देखा जा रहा है। HP Navya फिलहाल चयनित HP Gas एजेंसियों के माध्यम से रोहिणी, जहांगीरपुरी, मयूर विहार, साउथ एक्सटेंशन, विकासपुरी, दिल्ली कैंट, मानेसर, गुरुग्राम सेक्टर-43, पालम विहार और गुरुग्राम सहित विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध कराया जा रहा है।

एचपी नव्या के दिल्ली लॉन्च समारोह में उपस्थित एचपी गैस के उत्तरी क्षेत्र के डीजीएम श्री विनीत पोहानी, दिल्ली क्षेत्र के जीएम बिप्लव मंडल, डीजीएम पलाश बरुआ, एसओ संजय मेहता व आकांक्षा भाटिया, पेलिकन गैस एजेंसी, मयूर विहार के वितरक अजय शर्मा और देवी दयाल एंटरप्राइजेज रोहिणी के डिस्ट्रीब्यूटर नीरज कुमार।

आदर्श नगर में 16 साल के नीरज की हत्या का खुलासाः दो आरोपी उत्तराखंड से गिरफ्तार, वर्चस्व की जंग में मारी गोली

नई दिल्ली। आदर्श नगर के लालबाग में बुधवार रात 16 साल के नाबालिग नीरज की गोली मारकर हत्या करने वाले दो आरोपी को पुलिस ने उत्तराखंड के चप्पड़ टोल नाका के पास से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमन उर्फ मुल्ला और अनुज के रूप में हुई है। शुरूआती पूछताछ में पता चला कि इनके बीच पुरानी रंजिश चल रही थी और इलाके में वर्चस्व कायम करने के लिए वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने इनके कब्जे से एक किराए की पंच कार एवं दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने बताया कि 12 अगस्त की रात आदर्श नगर थाना पुलिस को लालबाग इलाके में चाकूबाजी और गोली चलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। जहां पुलिस को पता चला कि 16 साल के नीरज को गोली लगी है और उसे पास से अस्पताल लेकर गए हैं। अस्पताल में पुलिस को पता चला कि नीरज को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया है। वहीं नीरज का दोस्त और चश्मदीद साहिल मिला। जिसने बताया कि वह दोनों एक दुकान पर गए थे। जहां उनकी सलमानी ब्रदर गैंग के सदस्य अमन उर्फ मुल्ला से कहासुनी हो गई। अमन वहां से चला गया। उसके बाद वह नीरज के साथ घर आ रहा था, इसी दौरान अमन अपने दोस्त के साथ आया। पहले उनलोगों ने नीरज पर चाकू से हमला किया और भागने के दौरान उसे गोली मार दी। वह किसी तरह से भागकर अपनी जान बचाई। साहिल के बयान पर पुलिस ने हत्या और हत्या का प्रयास का मामला दर्ज कर लिया। थाना प्रभारी राजेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने छानबीन शुरू की। जांच में दूसरे आरोपी की पहचान जहांगीरपुरी निवासी अनुज के रूप में हुई, जो जहांगीरपुरी में हुई एक हत्या के मामले में वांछित था। स्थानीय स्तर पर जांच में पता चला कि हत्या के बाद दोनों आरोपी उत्तराखंड के हरिद्वार की ओर भागे हैं। इस सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल अंतरराज्यीय अभियान शुरू किया तथा करीब 550 किलोमीटर तक आरोपियों का पीछा किया। लगातार तकनीकी निगरानी कर पुलिस ने उन्हें चप्पड़ टोल नाका, उत्तराखंड के पास गिरफ्तार कर लिया। दोनों किराए के पंच कार से उत्तराखंड की ओर भाग रहे थे। पूछताछ में अमन ने बताया कि वह साहिब सलमानी ब्रदर गैंग का सदस्य है। उसका नाबालिग से पुरानी रंजिश चल रही थी। कहासुनी होने के बाद उसने साथी के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि लालबाग निवासी अमन पर पहले से छह आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं जहांगीरपुरी निवासी अनुज पर 15 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

इतिहास से सीखने के लिए विभाजन को याद रखना जरूरी, पुराने घावों को कुरेदने के लिए नहीं: राज्यसभा सांसद डॉ. अशोक कुमार मित्तल

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली। विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर भाजपा के राज्यसभा सांसद एवं लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के संस्थापक-कुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार मित्तल ने गुरु नानक देव विश्वविद्यालय (GNDU), अमृतसर में आयोजित विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विभाजन को सम्मान और संवेदनशीलता के साथ याद करते हुए उसके दर्दनाक अनुभवों से सीख लेने की जरूरत है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. मित्तल ने कहा कि विभाजन केवल राजनीतिक या भौगोलिक बंटवारा नहीं था, बल्कि यह एक बड़ी मानवीय त्रासदी थी। इसने लाखों लोगों को अपने घरों से उजड़ने, परिवारों से बिछड़ने और अपनी पुश्तैनी जमीन, घर और यादों को पीछे छोड़ने के लिए मजबूर कर दिया। डॉ. मित्तल ने कहा, विभाजन के हर आंकड़े के पीछे एक मानवीय कहानी थी। परिवार बिछड़ गए, लोगों को अपने घरों से उजड़ना पड़ा और लाखों लोगों को अपना जीवन फिर से शुरू करना पड़ा। हमें उनकी यादों को सम्मान के साथ संजोना चाहिए और उनके साहस, संघर्ष और दृढ़ संकल्प से प्रेरणा लेनी चाहिए। अपने संबोधन में डॉ. मित्तल ने विभाजन से जुड़े अपने परिवार के अनुभव को भी साझा किया। उन्होंने बताया कि उनका परिवार सियालकोट में व्यापार करता था और 1947 में विभाजन के दौरान उन्हें सियालकोट छोड़ना पड़ा। कठिन परिस्थितियों और कई मुश्किलों का सामना करते हुए उनका परिवार अंततः जालंधर कैंट पहुंचा, जहां उन्होंने शून्य से अपना जीवन दोबारा शुरू किया। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्ष 2021 में 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मनाने की शुरूआत कर उन्होंने देश को उन लोगों को याद करने और उनके संघर्षों से सीख लेने का अवसर दिया, जिन्होंने विभाजन की त्रासदी को झेला था। यह दिवस हमें एकता और सामाजिक सौहार्द के महत्व पर विचार करने का अवसर भी देता है। युवाओं की भूमिका पर जोर देते हुए डॉ. मित्तल ने कहा, हमारे युवाओं को विभाजन के इतिहास और उससे मिली सीख को समझना चाहिए और उसे आगे बढ़ाते हुए एक मजबूत, एकजुट और सौहार्दपूर्ण भारत का निर्माण करना चाहिए। एकता, सद्भाव और आपसी सम्मान ही किसी राष्ट्र को आगे बढ़ने की शक्ति देते हैं। डॉ. मित्तल ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों तक विभाजन की यादों और उससे जुड़े अनुभवों को पहुंचाने में शिक्षण संस्थानों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा, हम अतीत में फंसे रहने के लिए उसे याद नहीं करते, बल्कि उससे सीखने के लिए याद करते हैं। स्मृति से सीख और समझ पैदा होनी चाहिए, समझ से एकता मजबूत होनी चाहिए और यही एकता भारत को एक मजबूत भविष्य की ओर ले जाएगी। कार्यक्रम में विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों, शिक्षाविदों, विद्यार्थियों और समाज के सदस्यों ने भाग लिया। इस दौरान विभाजन के पीड़ितों और उससे बचे लोगों को याद किया गया तथा विभाजन की त्रासदी से मिली सीख और आज के भारत के लिए उसके महत्व पर विचार-विमर्श किया गया।

कल्याणपुरी में सफाई कर्मचारी की चाकू मारकर हत्या, भाजपा विधायक ने पीड़ित परिवार को दिया न्याय का भरोसा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के कल्याणपुरी इलाके में ड्यूटी के दौरान दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के एक सफाई कर्मचारी की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि सीसीटीवी में आरोपी को सफाई कर्मचारी पर चाकू से हमला करते हुए देखा गया। फिलहाल, दिल्ली पुलिस की टीम हमलावर का पता लगाने के लिए फुटेज और अन्य सबूतों की जांच कर रही है। मृतक की पहचान 24 वर्षीय अनिल कुमार के तौर पर हुई है, जो एमसीडी में सफाई कर्मचारी थे। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, रविवार सुबह करीब 7 बजे अनिल कल्याणपुरी में अपनी ड्यूटी कर रहे थे, तभी उन पर चाकू से हमला किया गया। घटना के बाद आरोपी मौके से भाग गया। सीसीटीवी में देखा गया कि आरोपी ने चाकू ले रखा था और उसने सफाई कर्मचारी अनिल के चाकू मार दिया, जहां उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी को पकड़ने के लिए कई टीमें बनाईं। इस घटना के बाद भाजपा विधायक रविकांत मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि यह बेहद दुखद घटना है। यह सच्चाई है कि जब पूरी दिल्ली सो रही होती है, तो उसे जगाने का काम यही कर्मचारी करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हम पीड़ित परिवार के साथ खड़े हैं। भाजपा विधायक ने बताया कि जिस व्यक्ति ने वारदात को अंजाम दिया है, उसकी पहचान की जा चुकी है। उस पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। विधायक रविकांत ने आगे कहा, मैंने सीसीटीवी देखा है। अनिल अपना काम कर रहा था। आरोपी ने अचानक आकर हमला किया। वहीं, आम आदमी पार्टी के विधायक कुलदीप कुमार ने कहा, कल्याणपुरी में एक सफाई कर्मचारी की खुलेआम हत्या कर दी गई। क्या कल्याणपुरी अपराध की राजधानी बन गई है? पूरी दिल्ली में हत्याएं हो रही हैं। उन्होंने कहा, एक सफाई कर्मचारी जो अपना काम करता है, उसके परिवार की हालत के बारे में सोचिए। जब वह कचरा उठाता है, तो ऐसा इसलिए नहीं करता कि उसे यह काम पसंद है। आर्थिक हालात की वजह से उसे कोई और नौकरी नहीं मिलती, इसलिए उसे कचरा उठाना पड़ता है। उसकी हत्या कर दी गई है। कुलदीप कुमार ने कहा कि हमने पुलिस से मांग की है कि तुरंत प्रभाव से आरोपी व्यक्ति का एनकाउंटर कराया जाए, ताकि मिसाल पेश हो और कोई ऐसी वारदात को अंजाम न दे सके। उन्होंने यह भी मांग की कि पीड़ित परिवार को मुआवजा और किसी सदस्य को नौकरी दी जानी चाहिए।

दिल्ली के होटल में 22 साल की मेकअप आर्टिस्ट से रेप ब्लीडिंग से बिगड़ी हालत; इंस्टाग्राम पर बने थे फ्रेंड

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के मुखर्जी नगर स्थित होटल में 22 वर्षीय मेकअप आर्टिस्ट से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता की हालत गंभीर होने पर उसे राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल में भर्ती कराना पड़ गया। पीड़िता ने इंस्टाग्राम के जरिये दोस्त बने एक युवक पर नशीला कोल्ड ड्रिंक पिलाकर बेहोश करने के बाद दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने युवती की शिकायत के आधार पर इस संबंध में एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। हालांकि, अभी तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। फोन पर होती थी दोनों की बात प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित युवती यास्मीन (परिवर्तित नाम) परिवार सहित वजीराबाद इलाके में रहती है। पीड़िता के पिता की तबीयत खराब होने की वजह से घर-परिवार की जिम्मेदारी उठाने के लिए वह मेकअप आर्टिस्ट का काम करती है। यास्मिन ने बताया कि वह इंस्टाग्राम पर मेकअप के गुर सिखाने वाले रील भी अपलोड करती है। इसी क्रम में बीते साल अगस्त महीने में इंस्टाग्राम पर ही साहिब नाम के एक शख्स से उसकी मुलाकात हुई थी। साहिब ने भी खुद को मेकअप आर्टिस्ट बताया था। इसके बाद उन दोनों के बीच फोन पर बातचीत का सिलसिला शुरू हो गया। पहली बार बेहोश कर लूटी थी आबरू यास्मिन ने बताया कि इस साल साहिब उससे मिलने की जिद करने लगा। जुलाई महीने में साहिब मुखर्जी नगर स्थित एक होटल में आकर रुक गया। यहीं पर उसने यास्मिन को मिलने बुलाया और कहा कि वह कारोबार के सिलसिले में यहां आया हुआ है। जब वह होटल के कमरे में उससे मिलने पहुंची तो वहां साहिब ने कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर उसे बेहोश कर दिया। इसके बाद आरोपी ने उसके दुष्कर्म किया। होश में आने पर युवती द्वारा विरोध करने पर आरोपी ने उसे शादी का झांसा देकर पुलिस से शिकायत नहीं करने के लिए मना लिया। दुष्कर्म से बिगड़ी युवती की हालत पीड़िता ने बताया कि आरोपी फिर 8 अगस्त को बुराड़ी बाईपास पर पहुंचा। इस बार उसके साथ एक अन्य युवक भी था। साहिब उसे साथ लेकर जीटीबी नगर स्थित एक होटल में ले गया। आरोपी ने जान से मारने की धमकी देकर फिर से उसके साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान पीड़िता की हालत बिगड़ गई। यह देखकर युवती को खून से लथपथ हालत में होटल में ही छोड़कर आरोपी मौके से फरार हो गया। जांच में जुटी पुलिस सूचना मिलने पर पुलिस होटल में पहुंची और पीड़िता को अस्पताल में भर्ती कराया। इसके बाद गुरुवार को उसे अस्पताल से छुट्टी मिल गई। एसआई संजीता की टीम ने मामले की जांच करने के लिए होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज और रजिस्टर आदि को कब्जे में ले लिया है।

पेपरलेस होगी दिल्ली सरकार की कैबिनेट, निर्णय की गति बढ़ेगी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में जल्द आधुनिक ई-कैबिनेट प्रणाली लागू होगी। इसके लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नेशनल इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी) के विशेषज्ञों के साथ विस्तृत चर्चा की है। उन्होंने बैठक में कहा कि ऐसी डिजिटल व्यवस्था होनी चाहिए, जिसके माध्यम से दिल्ली सरकार की कैबिनेट बैठकों की पूरी प्रक्रिया कागज रहित (पेपरलेस), अधिक सुरक्षित, तेज और पारदर्शी बनाई जा सके। ई-कैबिनेट से उन बैठकों से जुड़ी पूरी प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से संचालित होगी। इससे निर्णय लेने की गति बढ़ेगी और गोपनीय दस्तावेजों की सुरक्षा मजबूत होगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य ऐसी व्यवस्था विकसित करना है, जिसमें सरकारी प्रक्रियाएं सरल हों, निर्णय तेजी से लिए जा सकें और उनके क्रियान्वयन की लगातार निगरानी आसानी से संभव हो। ई-कैबिनेट प्रणाली से कैबिनेट बैठकों से जुड़े सभी दस्तावेज जैसे कैबिनेट नोट्स, बैठक का एजेंडा, उससे जुड़े दस्तावेज, कैबिनेट के निर्णय और बैठक की कार्यवाही (मिनट्स) सुरक्षित डिजिटल माध्यम से तैयार, साझा और संबंधित अधिकारियों तक पहुंचेगी। इससे कागजों पर निर्भरता लगभग समाप्त होगी और पूरी प्रक्रिया अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी बनेगी। उन्होंने कहा कि इस प्रणाली में प्रत्येक मंत्री और अधिकारी को उसकी जिम्मेदारी के अनुसार अलग-अलग स्तर की डिजिटल पहुंच दी जा सकती है। मंत्री, मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, विभागीय सचिव जैसे सभी अधिकृत अधिकारी केवल अपनी आवश्यकता के अनुसार संबंधित दस्तावेज देख सकेंगे। इससे गोपनीय जानकारी की सुरक्षा और अधिक मजबूत होगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रस्तावित व्यवस्था में कैबिनेट नोट्स जमा करने, उनकी जांच करने, मंजूरी देने, संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने और भविष्य के लिए सुरक्षित रिकॉर्ड के रूप में संरक्षित करने जैसी पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन संचालित की जा सकती है। इससे अनावश्यक देरी कम होगी और प्रशासनिक कार्यों में तेजी आएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कैबिनेट बैठकों के दौरान इस प्रणाली का सुरक्षित उपयोग टैबलेट के माध्यम से भी किया जा सकता है। इससे मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी बैठक के दौरान सभी आवश्यक दस्तावेज तुरंत देख सकेंगे और निर्णय प्रक्रिया अधिक सुविधाजनक होगी।

दिल्ली में करोड़ों की 2 चिकित्सा परियोजनाएं अटकीं, मंजूरी के बाद भी टेंडर नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली में चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य ढांचे से जुड़ी 2 महत्वपूर्ण परियोजनाएं सरकारी प्रक्रियाओं की धीमी गति के कारण आगे नहीं बढ़ पा रही हैं। मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में छात्र-छात्राओं के लिए नए छात्रावासों के निर्माण को मंत्रिमंडल की मंजूरी मिलने के 4 माह बाद भी निविदा जारी नहीं हो सकी है। वहीं, द्वारका स्थित इंदिरा गांधी अस्पताल में मेडिकल कॉलेज शुरू करने की 805.99 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी परियोजना का मंत्रिमंडल संबंधी प्रस्ताव अभी प्रक्रिया में है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग से जानकारी मिलने के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दोनों परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और लोक निर्माण विभाग को आवश्यक प्रक्रियाएं तेज करने के निर्देश दिए हैं। सरकार का उद्देश्य चिकित्सा शिक्षा से जुड़ी इन दोनों योजनाओं को जल्द से जल्द जमीन पर उतारना है। एमएएमसी के 2 छात्रावासों को मंजूरी मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में मेडिकल छात्रों और छात्राओं के लिए 2 नए छात्रावास भवन बनाए जाने हैं। योजना के तहत छात्र छात्रावास के निर्माण की अनुमानित लागत 304.22 करोड़ रुपये और छात्राओं के छात्रावास की लागत 269.19 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। दोनों छात्रावासों की परियोजना को 12 अप्रैल को मंत्रिमंडल की मंजूरी मिल चुकी है। इसके बावजूद निर्माण कार्य शुरू करने के लिए अभी तक निविदा जारी नहीं हुई है। इससे परियोजना की वास्तविक शुरुआत में देरी हो रही है। मेडिकल कॉलेज में छात्रावास की क्षमता बढ़ाने की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही है। छात्रों की बढ़ती संख्या और मौजूदा आवासीय सुविधाओं पर दबाव को देखते हुए नए छात्रावासों का निर्माण महत्वपूर्ण माना जा रहा है। द्वारका मेडिकल कॉलेज का प्रस्ताव अभी प्रक्रिया में दूसरी बड़ी परियोजना द्वारका स्थित इंदिरा गांधी अस्पताल में मेडिकल कॉलेज स्थापित करने से जुड़ी है। परियोजना के पहले चरण की अनुमानित लागत 805.99 करोड़ रुपये है। इसके तहत मेडिकल कॉलेज के साथ छात्र-छात्राओं के लिए छात्रावास, शिक्षकों के आवास और शैक्षणिक भवन का निर्माण प्रस्तावित है। इस परियोजना पर पिछली सरकार के समय से चर्चा चल रही है, लेकिन अभी तक यह योजना आगे नहीं बढ़ सकी है। फिलहाल इसका मंत्रिमंडल संबंधी प्रस्ताव प्रस्तुत करने की प्रक्रिया में है और अंतिम मंजूरी का इंतजार है।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

गुरुग्राम/फरीदाबाद

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, सोमवार, 17 अगस्त, 2026

संक्षिप्त खबरें

सेक्टर-82 में धूमधाम से मनाई हरियाली तीज

मानेसर। सेक्टर-82 में हरियाली तीज का त्योहार बड़े उत्साह और पारंपरिक तरीके से मनाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हरियाणवी संस्कृति और पुरानी परंपराओं को आगे बढ़ाना और नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ना था। कार्यक्रम का आयोजन सामाजिक कार्यकर्ता अनु यादव ने किया। इस दौरान क्षेत्र की सैकड़ों महिलाओं ने हिस्सा लिया। महिलाओं ने पारंपरिक हरे और लाल कपड़े, लहरिया साड़ी और सोलह श्रृंगार करके कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए। महिलाओं ने तीज के गीत और हरियाणवी लोकगीत गाए। आया सावन का महीना जैसे गीतों से पूरा माहौल खुशियों से भर गया। महिलाओं ने झूलों का आनंद लिया और एक-दूसरे को तीज की बधाई दी।

जीएमडीए न्यू गुरुग्राम की सड़कों पर ग्रीन बेल्ट विकसित करेगा

गुरुग्राम। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) न्यू गुरुग्राम की सेक्टर-92/95 की डिवाइडिंग रोड पर ग्रीन बेल्ट और सेंट्रल वर्ज विकसित करेगा। इस परियोजना पर करीब 4.21 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसका उद्देश्य सड़कों के आसपास हरियाली बढ़ाना और क्षेत्र का सुंदरीकरण करना है। जीएमडीए दोनों सड़कों की ग्रीन बेल्ट में विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाएगा। योजना के तहत हरित क्षेत्रों को सुव्यवस्थित तरीके से विकसित किया जाएगा। इससे सड़क कॉरिडोर का स्वरूप बेहतर होगा। आसपास के क्षेत्रों की पर्यावरणीय गुणवत्ता में भी सुधार होगा। जीएमडीए के अनुसार, यह गुरुग्राम को स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल शहर बनाने की महत्वपूर्ण पहल है। ग्रीन बेल्ट शहर के हरित बुनियादी ढांचे का अहम हिस्सा हैं। सेक्टर-92/95 की ये सड़कें न्यू गुरुग्राम के तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग हैं। सड़क किनारे ग्रीन बेल्ट का सुव्यवस्थित विकास पूरे कॉरिडोर को बेहतर बनाएगा। इससे स्थानीय निवासियों और राहगीरों को स्वच्छ वातावरण मिलेगा। जीएमडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीसी मीणा ने बताया कि ग्रीन बेल्ट के संरक्षण और विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। प्रस्तावित परियोजना में चिह्नित क्षेत्रों का विकास और रखरखाव किया जाएगा।

गुरुग्राम नहर पुलिया पर भीषण जाम, लोग परेशान

न्यू गुरुग्राम। गुरुग्राम नहर के धनकोट गांव में बनी पुलिया पर भीषण जाम की समस्या है। इससे वाहन चालक और स्थानीय निवासी परेशान हैं। सेक्टर-102, 99, धनकोट और चंदू बुढ़ेरा सहित कई गांव व सेक्टर के लोग इससे प्रभावित हैं। व्यस्त समय में वाहनों का दबाव बढ़ने से लोग लंबे समय तक जाम में फंसे रहते हैं। झज्जर की ओर जाने वाली इस सड़क पर रोडवेज बसों और भारी वाहनों की आवाजाही अधिक है। इससे नहर पार करने में आधे घंटे से अधिक का समय लगता है, जिससे समय और ईंधन बर्बाद होता है। प्रवीण ठाकुर ने बताया कि यह समस्या कई महीनों से है, अधिकारियों के दौरे के बाद भी स्थिति में सुधार नहीं हुआ। निवासी संतोष ने रात में हादसे के खतरे पर चिंता जताई। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इस समस्या का जल्द समाधान करने की मांग की है।

हड़ताल पर अड़े कर्मचारी, सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप

गुरुग्राम। हरियाणा सरकार की कथित वादाखिलाफी और हठधर्मिता के विरोध में नगर निगम गुरुग्राम के कर्मचारियों की हड़ताल आज 11वें दिन भी जारी रही। कर्मचारी पुराने नगर निगम कार्यालय में इकाई प्रधान बसंत कुमार और फायर के जिला उप प्रधान जोगिंदर की संयुक्त अध्यक्षता में प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी मुख्य मांगों में सफाई कर्मियों, सीवर कर्मचारियों और फायरमैन/ड्राइवरों को पक्का करना तथा ठेका प्रथा समाप्त करना शामिल है। कर्मचारी नेताओं ने सरकार पर 13 मई को हुए समझौते को लागू न करने का आरोप लगाए हैं।

गुरुग्राम : तीज पर हरियाणवी परिधान में पींग झूल महिलाओं ने दिया संस्कृति को सहेजने का संदेश

-महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में सज-धज कर इस उत्सव में हिस्सा लिया

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम, । जिलाभर में तीज उत्सव धूमधाम से मनाया गया। दिन-भर महिलाएं, बच्चे नए वस्त्र पहनकर खुशी से एक-दूसरे को तीज पर्व की बधाई देते रहे। साथ ही इस उत्सव पर मुख्य आकर्षण झूला झूलने में भी महिलाओं और बच्चों में काफी उत्साह नजर आया। शिवनगर स्थित पार्क में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी तीज महोत्सव का भव्यता से मनाया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र की महिलाओं ने बढ़-चढकर हिस्सा लिया। पारंपरिक रीति-रिवाजों एवं सांस्कृतिक रंगों के साथ तीज पर्व की खुशियां मनाई। तीज के अवसर पर महिलाएं पारंपरिक एवं हरियाणवी वेशभूषा में नजर आई, जिससे पूरा आयोजन हरियाणवी संस्कृति और परंपरा के रंग में रंगा हुआ दिखाई दिया। महिलाओं ने हरियाणवी लोकगीतों पर जमकर नृत्य किया तथा गीत-संगीत के माध्यम से कार्यक्रम में खूब धूम मचाई। बच्चों ने भी अपनी शानदार प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया और कार्यक्रम में उत्साह का माहौल बनाए रखा। कार्यक्रम में गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। वार्ड-10 के पार्षद महावीर यादव एवं वार्ड-28 के पार्षद धर्मवीर ने विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रतियोगिताओं एवं खेलों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को विशेष उपहार देकर सम्मानित किया गया। महिलाओं के साथ-साथ बच्चों को भी उनकी प्रतिभागिता एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उपहार प्रदान किए गए।

गुरुग्रामः उल्लावास में हुए दंगल में लाखों रुपये इनाम पाने को भिड़े 250 पहलवान

-स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में हुआ 26वां विशाल कुश्ती दंगल
-दंगल में विजेताओं को लाखों के इनाम मिले

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में गांव उल्लावास में 26वां विशाल कुश्ती दंगल आयोजित किया गया। देशभक्ति और मिट्टी की खुशबू से सराबोर इस दंगल में यूपी, राजस्थान, दिल्ली, पंजाब और हरियाणा के नामी पहलवानों ने अपनी ताकत दिखाई। रेलवे, हरियाणा पुलिस और दिल्ली पुलिस के पहलवानों ने भी दम दिखाकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। दंगल के आयोजक पहलवान राजबीर ने रविवार को बताया कि शनिवार देर रात तक कुश्तियां चलीं। इस दंगल की शुरूआत स्वर्गीय चौधरी धर्मबीर उल्लावास ने वर्ष 2000 में करवाई थी। उनका मकसद था कि हरियाणा के कुश्ती पहलवानों की प्रतिभा को निखारा जाए, ताकि वे देश और दुनिया में प्रदेश का नाम रोशन कर सकें। आज तक यह परंपरा लगातार जारी है। राजबीर के मुताबिक वे स्वयं, सतबीर सरपंच और पूरे गांव के लोग हर 15 अगस्त को यह दंगल करवाते हैं। इस बार दंगल में करीब 250 छोटी-बड़ी कुश्तियां करवाई गईं। विजेता पहलवानों को लाखों रुपये के इनाम देकर सम्मानित किया गया। इस दंगल में तीन बड़ी इनामी कुश्तियां खास आकर्षण का केंद्र रहीं। पहली बड़ी कुश्ती एक लाख 21 हजार रुपये की थी। यह मुकाबला भोलू पहलवान और रोहित रोहतक के बीच 15 मिनट का था। भोलू पहलवान ने शुरूआती मिनटों में ही शानदार दांव लगाकर प्रतिद्वंद्वी को चारों खाने चित कर दिया। दूसरी कुश्ती 51 हजार रुपये की थी। ललित पहलवान और राहुल पहलवान के बीच हुए इस मुकाबले में भी 15 मिनट का समय तय था, लेकिन ललित ने कुछ ही सेकंडों में बेहतरीन दांव-पेंच दिखाकर जीत अपने नाम की।

अतुल कटारिया चौक के पास सीएनजी कार में लगी आग

-बोनट से धुआं उठते ही चालक ने सड़क किनारे रोकी कार, नीचे उतरकर बचाई जान

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। सेक्टर-14 के पास सिग्नेचर टावर से माता शीतला रोड की ओर जा रही सीएनजी कार में 15 अगस्त की देर शाम अतुल कटारिया चौक के पास अचानक आग लग गई। बोनट से धुआं उठता देख चालक ने तुरंत कार को सड़क किनारे रोक दिया और नीचे उतरकर अपनी जान बचाई। कुछ ही देर में आग ने पूरी कार को चपेट में ले लिया। कार में आग लगने की सूचना राहगीरों ने डायल-112 पर पुलिस और दमकल विभाग को दी। सूचना मिलते ही सेक्टर-29 और भीमनगर फायर स्टेशन से एक-एक दमकल गाड़ी मौके पर पहुंची। दमकलकर्मियों ने पानी का छिड़काव कर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, आग बुझने तक कार पूरी तरह जल चुकी थी। हादसे के दौरान सिग्नेचर टावर से कटारिया चौक और माता मंदिर रोड की ओर जाने वाले वाहनों को कुछ समय के लिए रोकना पड़ा। इससे सड़क पर यातायात भी प्रभावित हुआ। दमकल विभाग की टीम ने आग पर काबू पाने के बाद रास्ते को सामान्य कराया। घटना में कार चालक सुरक्षित है। किसी व्यक्ति के घायल या झुलसने की सूचना नहीं है। वरिष्ठ फायर अधिकारी नरेंद्र यादव ने बताया कि शुरूआती तौर पर सीएनजी लीक या वायर में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की संभावना है।

निजी बस ने बाइक को साइड से मारी टक्कर, उपचार के दौरान युवक की मौत

-चाचा के साथ बाइक पर कंपनी से घर लौट रहा था युवक, अज्ञात बस चालक के खिलाफ केस

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। निमोठ पुलिस चौकी क्षेत्र में 14 अगस्त की शाम सिरमथला रोड पर निजी बस ने बाइक को साइड से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। फरीदाबाद के ईएसआई अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक के चाचा नरेश कुमार की शिकायत पर सोहना सदर थाना पुलिस ने अज्ञात बस चालक के खिलाफ सड़क हादसे में मौत से संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। मृतक की पहचान सोहना क्षेत्र के बादशाहपुर टठड़ गांव निवासी नितिन के रूप में हुई है। वह एक निजी कंपनी में नौकरी करता था। नरेश कुमार ने पुलिस को बताया कि 14 अगस्त की शाम वह बाइक से अपने भतीजे नितिन को लेने उसकी कंपनी गया था। शाम करीब छह बजे दोनों बाइक से घर लौट रहे थे। सिरमथला रोड पर पहुंचने पर एक निजी बस ने उनकी बाइक को साइड से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाइक चला रहे नरेश कुमार उछलकर दूर जा गिरे, जबकि नितिन के सिर में गंभीर चोट लगी। हादसे के बाद बस चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। नरेश ने राहगीरों की मदद से घायल नितिन को फरीदाबाद के धौज गांव स्थित अल फलाह अस्पताल में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर उसे ईएसआई अस्पताल रेफर किया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। जांच अधिकारी के अनुसार, बाइक को टक्कर मारने वाली बस की नंबर प्लेट के आधार पर पहचान कर ली गई है। बस मालिक को नोटिस भेजा गया है। जल्द ही बस को कब्जे में लेकर चालक को गिरफ्तार किया जाएगा। बस की नंबर प्लेट के आधार पर पहचान कर ली गई है। मालिक को नोटिस भेजा गया है। जल्द बस को कब्जे में लेकर चालक को गिरफ्तार किया जाएगा।

जूडो दंगल में जिले के खिलाड़ियों ने जीते पांच पदक

-10 वर्षीय अवनी चौधरी ने जीता स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक भी हासिल

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। बजघेड़ा जूडो अकादमी में आयोजित प्रथम अखिल भारतीय जूडो दंगल में गुरुग्राम के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांच पदक जीते। प्रतियोगिता में देशभर से करीब 550 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। दौलताबाद स्थित गुरुग्राम जूडो अकादमी के खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु वर्ग के मुकाबलों में दमदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में 10 वर्षीय अवनी चौधरी ने शानदार खेल दिखाते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। सायांश, रक्षित और देव गंडास ने अपने-अपने मुकाबलों में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल किए। वहीं गर्वित त्यागी ने कांस्य पदक जीता। इस तरह जिले के खिलाड़ियों ने एक स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य समेत कुल पांच पदक हासिल किए। प्रशिक्षक महेंद्र सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता से पहले सभी खिलाड़ियों ने नियमित रूप से अभ्यास किया था। इसका लाभ उन्हें मुकाबलों के दौरान मिला। खिलाड़ियों ने तकनीक, फुर्ती और आत्मविश्वास के साथ अपने प्रतिद्वंद्वियों का सामना किया। उन्होंने कहा कि 10 वर्षीय अवनी चौधरी का स्वर्ण पदक जीतना अकादमी के लिए विशेष उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि बड़े स्तर की प्रतियोगिताओं में खेलने से खिलाड़ियों को मजबूत प्रतिस्पर्धा का अनुभव मिलता है।

इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे जिला, राज्य व राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर तरीके से तैयार होते हैं। अकादमी खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास के साथ अधिक से अधिक प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने के अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास कर रही है।

डंपर ने पैदल चल रहे युवकों को मारी टक्कर, एक की मौत

-केएमपी से नीचे उतरकर कच्चे रास्ते पर जा रहे थे दोनों दोस्त, हादसे में एक घायल

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। फर्रुखनगर थाना क्षेत्र में 14 अगस्त की रात तेज रफ्तार डंपर ने पैदल जा रहे दो युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल एक युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई, जबकि उसके साथी को हल्की चोटें आई हैं। पुलिस ने घायल युवक की शिकायत पर डंपर चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। मृतक की पहचान हरदोई (उत्तर प्रदेश) के अयारी निवासी राजेश (29) के रूप में हुई है। वह सोनीपत के कुंडली स्थित एक निजी कंपनी में नौकरी करता था। घायल वेदराम ने पुलिस को बताया कि वह फर्रुखनगर के सुल्तानपुर स्थित मारुति कॉलोनी में किराये पर रहता है और कुंडली की कंपनी में नौकरी करता है। 14 अगस्त को छुट्टी के बाद वह दोस्त राजेश के साथ गाड़ी से घर लौट रहा था। सुल्तानपुर के पास दोनों केएमपी एक्सप्रेसवे से नीचे उतरकर कच्चे रास्ते पर पैदल चल रहे थे। रात करीब 8:20 बजे सूरज होटल के पास तेज रफ्तार डंपर ने दोनों को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वेदराम रास्ते के नीचे गिर गया और उसे हल्की चोटें आईं। वहीं डंपर का टायर राजेश के पैर के ऊपर से गुजर गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद चालक डंपर को कुछ दूरी पर छोड़कर फरार हो गया। वेदराम ने राहगीरों की मदद से राजेश को निजी अस्पताल पहुंचाया। पुलिस भी मौके पर पहुंची और उसे पीजीआई रोहतक रेफर किया गया।

सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाना कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी : सर्वप्रिय त्यागी

गुरुग्राम। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय गुरुकमल में जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी की अध्यक्षता में जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों, मंडल प्रभारियों और विभिन्न मोर्चों के अध्यक्षों की संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यों, अभियानों और कार्यक्रमों की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक मजबूत, सक्रिय और प्रभावी बनाने की रणनीति पर विचार-विमर्श हुआ। जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने कहा कि भाजपा का संगठन कार्यकर्ताओं के परिश्रम, समर्पण और निरंतर जनसंपर्क से मजबूत होता है। उन्होंने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से संगठन की ओर से निर्धारित कार्यक्रमों को पूरी जिम्मेदारी और सक्रियता के साथ सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों एवं उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाना प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है।

जीएमआरएल जल्द मेट्रो स्टेशन के निर्माण पर शुरू करेगा काम

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड (जीएमआरएल) की ओर से मिलेनियम सिटी सेंटर से सेक्टर-9 तक मेट्रो कॉरिडोर के स्टेशनों के निर्माण की तैयारी शुरू कर दी गई है। मुख्य मेट्रो लाइन के लिए पिलर निर्माण का काम फिलहाल तेजी से चल रहा है। पिलर और अन्य सिविल कार्यों के साथ अब स्टेशन निर्माण से जुड़े कार्यों को भी आगे बढ़ाने की तैयारी है। पहले चरण में मिलेनियम सिटी सेंटर से सेक्टर-9 तक बनने वाले इस कॉरिडोर में कई प्रमुख क्षेत्रों को मेट्रो कनेक्टिविटी मिलेगी। परियोजना के तहत एलिवेटेड मेट्रो लाइन का निर्माण किया जा रहा है। इसके लिए अलग-अलग स्थानों पर पिलर खड़े करने का काम जारी है। हाल ही में मेट्रो कॉरिडोर के पिलर पर पियर कैप लगाने का काम भी शुरू किया गया है। जीएमआरएल की ओर से कॉरिडोर के निर्माण के साथ स्टेशनों का डिजाइन और निर्माण संबंधी प्रक्रिया को भी आगे बढ़ाया जा रहा है। स्टेशन बनने के बाद यात्रियों को मेट्रो में चढ़ने-उतरने की सुविधा मिलेगी और शहर के प्रमुख इलाकों के बीच सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था मजबूत होगी। अधिकारियों के अनुसार, मुख्य मेट्रो लाइन के निर्माण के साथ स्टेशन, प्लेटफॉर्म और अन्य जरूरी ढांचे का निर्माण भी चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। इसके लिए प्रस्तावित मेट्रो स्टेशनों के पिलर निर्माण का काम शुरू कराने की तैयारी की जा रही है। कुछ स्थानों पर यूटिलिटी शिफ्टिंग का काम पूरा नहीं होने के कारण स्टेशन के पिलर का निर्माण शुरू नहीं हो पाया है। अब जीएमआरएल इन बाधाओं को दूर कर स्टेशन के पिलर समेत अन्य निर्माण कार्यों को आगे बढ़ाने की तैयारी में है। जिन स्थानों पर मेट्रो स्टेशन प्रस्तावित हैं, वहां निर्माण की राह में आने वाले पेड़ों को पहले ही हटाया जा चुका है।

सोमवार को मंदिर को सजाया जाएगा और सुबह के समय पूजा-अर्चना भी की जाएगी।

उल्लावास के 26वें कुश्ती दंगल में भोलू पहलवान ने जीते एक लाख 21 हजार रुपये
-15 मिनट की इनामी कुश्ती में शुरूआती मिनटों में ही रोहित रोहतक को चित किया

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गांव उल्लावास में आयोजित 26वें कुश्ती दंगल में हरियाणा समेत उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और पंजाब के पहलवानों ने दमखम दिखाया। रेलवे, हरियाणा पुलिस और दिल्ली पुलिस सहित विभिन्न सरकारी विभागों से जुड़े पहलवानों ने भी प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। दंगल देखने के लिए आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। दंगल की पहली बड़ी कुश्ती भोलू पहलवान और रोहित रोहतक के बीच हुई। एक लाख 21 हजार रुपये की इनामी इस कुश्ती का समय 15 मिनट निर्धारित था। भोलू पहलवान ने शुरूआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और शानदार दांव-पेच लगाते हुए शुरूआती मिनटों में ही रोहित रोहतक को चित कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इसके बाद 51 हजार रुपये की इनामी कुश्ती ललित पहलवान और राहुल पहलवान के बीच हुई। दोनों पहलवानों ने शुरूआत में एक-दूसरे को कड़ी चुनौती दी, लेकिन ललित पहलवान ने कुछ ही सेकंड में शानदार दांव लगाकर राहुल को चित कर दिया। तीसरी बड़ी कुश्ती 31 हजार रुपये की रही। इसमें हर्ष पहलवान और उपकार पहलवान आमने-सामने हुए। उपकार ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए हर्ष को चित कर जीत दर्ज की। दंगल आयोजक राजबीर पहलवान ने बताया कि उल्लावास में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पिछले 26 वर्षों से दंगल आयोजित किया जा रहा है।

डाइट में पीजीटी बायोलॉजी व टीजीटी साइंस शिक्षकों का प्रशिक्षण आज

गुरुग्राम। एससीईआरटी हरियाणा के निदेशानुसार जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) गुरुग्राम में पीजीटी बायोलॉजी और टीजीटी साइंस शिक्षकों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का दूसरा बैच सोमवार से शुरू होगा। प्रशिक्षण 17 से 21 अगस्त तक चलेगा। कार्यक्रम में शिक्षकों को 21वीं सदी के कौशल, करियर ओरिएंटेशन, समावेशी शिक्षा, शिक्षक के कानूनी एवं नैतिक दायित्व और खिलौना आधारित सीखने की जानकारी दी जाएगी। इसके साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2023, अनुभवात्मक अधिगम, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, स्कूल आधारित मूल्यांकन, समग्र प्रगति पत्र, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल बोर्ड और वर्चुअल लैब के उपयोग पर भी प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण में कला समेकित शिक्षा को भी शामिल किया गया है। सभी प्रतिभागियों का प्री-टेस्ट और पोस्ट-टेस्ट लिया जाएगा। इसके परिणाम के आधार पर प्रशिक्षण की प्रभावशीलता का आकलन किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

पीएफटीआई ने मुख्यमंत्री से बढ़े संपत्ति कर की वसूली रोकने की मांग की

गुरुग्राम। प्रोग्रेसिव फेडरेशन ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (पीएफटीआई) ने औद्योगिक और व्यावसायिक संपत्तियों पर लागू नई संपत्ति कर व्यवस्था की समीक्षा करने और बढ़े हुए कर की वसूली पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। पीएफटीआई के चेयरमैन दीपक मैनी ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र भेजकर कहा कि नई व्यवस्था से उद्योगों और कारोबारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से उद्योग हित में जल्द सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की। दीपक मैनी ने कहा कि नगर निगम गुरुग्राम की ओर से औद्योगिक और व्यावसायिक संपत्तियों के लिए लागू नई कर व्यवस्था में कर निर्धारण के लिए जटिल सांख्यिकीय प्रणाली अपनाई गई है। इससे करदाताओं के लिए अपने संपत्ति कर की सही गणना करना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने कहा कि कर व्यवस्था सरल, स्पष्ट और पारदर्शी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि संपत्ति कर में कई गुना बढ़ोतरी से उद्योगों की लागत बढ़ेगी। इसका असर कारोबार, नए निवेश और रोजगार पर पड़ सकता है। गुरुग्राम देश के प्रमुख औद्योगिक और कारोबारी केंद्रों में शामिल है। ऐसे में कारोबार की लागत बढ़ाने वाली किसी भी व्यवस्था का सीधा असर उद्योग जगत पर पड़ सकता है।

जिले में शान से लहराया तिरंगा

-गुरुग्राम में स्वतंत्रता दिवस समारोह, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और परेड ने मोहा मन

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम/पटौदी/सोहन। जिले में 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। जिला स्तरीय समारोह में विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओत प्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। जिले के सोहना, पटौदी, मानेसर और बादशाहपुर उपमंडलों में भी राष्ट्रीय पर्व धूमधाम से मनाया गया। समारोह में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने देश की सांस्कृतिक विविधता और राष्ट्र भक्ति का प्रदर्शन किया। प्रणवानन्दा इंटरनेशनल स्कूल ने वंदे मातरम् प्रस्तुत किया, जबकि पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ने कृष्ण लीला दिखाई। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जैकबपुरा ने पंजाबी नृत्य और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सेक्टर-4/7 ने राजस्थानी नृत्य प्रस्तुत किया। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, सुशांत लोक के छात्र-छात्राओं ने हरियाणवी नृत्य से लोक संस्कृति को जीवंत किया। ब्लू बेल्स स्कूल ने नारी सशक्तीकरण पर आधारित प्रस्तुति दी। लेजर और डंबल शो भी आकर्षण का केंद्र रहे। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में हरियाणवी नृत्य को पहला, राजस्थानी नृत्य को दूसरा और नारी सशक्तीकरण प्रस्तुति को तीसरा स्थान मिला। सहायक पुलिस आयुक्त अभिलक्ष जोशी के नेतृत्व में सात टुकड़ियों ने भव्य परेड में हिस्सा लिया। ट्रैफिक पुलिस को पहला, गुरुग्राम महिला पुलिस को दूसरा और प्रजातंत्र के प्रहरी को तीसरा स्थान मिला।

उपमंडलों में भी दिखा उत्साह

सोहना में विधायक तेजपाल तंवर ने ध्वजारोहण किया। पटौदी में विधायक बिमला चौधरी, बादशाहपुर में विधायक सतीश फागना और मानेसर में विधायक मुकेश शर्मा ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इन समारोहों में स्वतंत्रता सेनानियों को नमन किया गया। विधायकों ने देश की एकता और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को दोहराया। उन्होंने हरियाणा के विकास में योगदान देने का आह्वान किया।

देशभक्ति और सांस्कृतिक विरासत का संगम

समारोहों में पुलिस, एनसीसी कैडेट्स और स्काउट दस्तों ने आकर्षक मार्चपास्ट प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों में देश की विविध सांस्कृतिक विरासत की झलक मिली। इन आयोजनों ने देशभक्ति और राष्ट्रीय भावना को मजबूत किया। यह दिन शहीदों के बलिदान को याद करने और विकसित भारत के निर्माण का संकल्प लेने का अवसर था।

गुरुग्राम पुलिस के 41 कर्मी हुए सम्मानित

80वें स्वतंत्रता दिवस समारोहों में 41 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। सम्मानित पुलिसकर्मियों ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने अपराध नियंत्रण, अपराधियों की धरपकड़ और सुरक्षा व्यवस्था में उल्लेखनीय योगदान दिया। शहीद ईएएसआई राजेंद्र को ड्यूटी के दौरान सर्वोच्च बलिदान के लिए विशेष सम्मान दिया गया। वरिष्ठ अधिकारियों ने सभी सम्मानित पुलिसकर्मियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि उनका साहस और समर्पण पुलिस बल के अन्य सदस्यों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

यातायात पुलिस का प्रदर्शन रहा उत्कृष्ट

पुलिस उपायुक्त यातायात प्रतीक गहलोत के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस की टुकड़ी ने परेड में भाग लिया। टुकड़ी ने अनुशासन, उत्कृष्ट मार्चिंग और बेहतरीन तालमेल का प्रदर्शन किया। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्रथम स्थान प्रदान किया गया। यह उपलब्धि यातायात पुलिसकर्मियों के मनोबल को बढ़ाएगी। यातायात पुलिस सड़क सुरक्षा और सुचारू यातायात व्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध है।

सोसाइटियों में दिखा देशभक्ति का उल्लास

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गुरुग्राम और बादशाहपुर की विभिन्न सोसाइटियों में भव्य समारोह आयोजित किए गए। इन आयोजनों में निवासियों ने देशभक्ति के उत्साह के साथ राष्ट्रीय पर्व मनाया। बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सेक्टर-102 की इमारत इंपीरियल गार्डन सोसाइटी में कार रैली निकाली गई। इसी सेक्टर की जॉयविले सोसाइटी में बच्चों ने शानदार प्रस्तुतियां दीं। सेक्टर-15 पार्ट-1 की आरडब्ल्यूए ने सामुदायिक केंद्र में कार्यक्रम आयोजित किया। यहां वार्ड 13 पार्षद पवन सैनी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। सेक्टर-99 के हैबिटेट, सेक्टर-37सी के आईएलडी ग्रीन्स और सेक्टर-108 के रहेजा वेदांता सोसाइटी में भी स्वतंत्रता दिवस मनाया गया।

मेधावियों को किया गया सम्मानित

सेक्टर-69 स्थित ट्यूलिप येलो और आइवरी सोसाइटी में सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। इसमें ट्यूलिप येलो सोसाइटी के अभिभावकों द्वारा प्रस्तुत आजादी का जश्न नृत्य विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। ब्रह्माकुमारीज, गुरुग्राम के सदस्यों ने नशा मुक्ति पर जागरूकता प्रस्तुति दी।

बादशाहपुर में निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

गुरुग्राम। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह के नेतृत्व में बीते रविवार को गुरुग्राम की बादशाहपुर विधानसभा में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यह यात्रा आजादी के अमृत काल और हर घर तिरंगा अभियान के तहत आयोजित की गई थी। इसमें बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, युवाओं और महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। राव नरबीर सिंह ने कहा कि तिरंगा यात्रा का मूल उद्देश्य युवा पीढ़ी को स्वतंत्रता सेनानियों और वीर सैनिकों के बलिदान को याद दिलाना है। उन्होंने जोर दिया कि तिरंगे के प्रति सम्मान केवल एक दिन तक सीमित नहीं रहना चाहिए। यह राष्ट्रप्रेम और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना को निरंतर मजबूत करने वाला संकल्प बनना चाहिए। मंत्री ने कहा कि भारत की युवा शक्ति तिरंगे के मान को ऊंचाइयों पर ले जाए। उन्होंने युवाओं से देश की एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता मजबूत करने का आह्वान किया।

लेन तोड़ने पर 2646 और गलत दिशा में चलने पर 2060 चालान

गुरुग्राम। यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ यातायात पुलिस ने सख्ती बढ़ा दी है। एक से 15 अगस्त तक चलाए गए विशेष अभियान के दौरान लेन ड्राइविंग की अवहेलना करने पर 2646 और गलत दिशा में वाहन चलाने पर 2060 चालान काटे गए। दोनों मामलों में वाहन चालकों पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कुल 41.38 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया। पुलिस उपायुक्त (यातायात) प्रतीक गहलोत के निर्देश पर दिल्ली-जयपुर हाईवे, द्वारका एक्सप्रेसवे, गुरुग्राम-सोहना एलिवेटेड हाईवे और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर लेन ड्राइविंग को लेकर अभियान चलाया गया। इस दौरान नियम तोड़ने वाले 2646 वाहन चालकों के चालान किए गए और उन पर 28.37 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया। वहीं, सड़कों पर गलत दिशा में वाहन चलाने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई।

स्वतंत्रता के महाकुम्भ से प्रगट होता वैचारिक अमृत

डा. रवीन्द्र अरजरिया

स्वतंत्रता दिवस का राष्ट्रीय पर्व केवल एक तिथि की स्मृति ही नहीं है बल्कि अनगिनत राष्ट्रभक्तों के बलिदानों से जुडा उनके संकल्पों, आदर्शों और जीवन्तता का प्रेरणादायक अनुकरणीय उत्सव है। यही है देश के गणतंत्र की आत्मा जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को स्वतंत्रता का अमूल्य उपहार देता है जो अभिव्यक्ति, विचार और विश्वास की धरातल पर पुष्पित होती है किंतु समकालीन राजनीतिक और सामाजिक परिदृश्य को देखकर यह यक्ष प्रश्न उठने लगा है कि क्या संविधान प्रदत्त स्वतंत्रता धीरे-धीरे अपनी मयार्दा खोकर विकृत स्वरूप धारण कर रही है? स्वाधीनता का अर्थ कभी भी स्वच्छन्दता या राष्ट्रीय मयार्दाओं के प्रति अनादर नहीं हो सकता। जब राष्ट्र के सबसे बड़े पर्व पर दलीय संकीर्णता, व्यक्तिगत अहंकार और वैचारिक भटकाव हावी होने लगे, तो यह संकेत है कि स्वतंत्रता की मूल परिभाषा को निहित स्वार्थों के लिए बदला जा रहा है। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर लालकिले से लेकर विपक्ष के गलियारों तक जो कुछ घटित हुआ, वह इस विकृति का एक प्रामाणिक और चिंताजनक दस्तावेज है। परंपराओं के अनुसार इस बार भी स्वतंत्रता दिवस पर लालकिले की प्राचीर से संपूर्ण देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र की उपलब्धियों और भविष्य की चुनौतियों का खाका खींचा। इस ऐतिहासिक उद्बोधन में अनेक ज्वलन्त मुद्दों का संदर्भ देते हुए प्रधानमंत्री ने एक अत्यंत गंभीर विषय की ओर भी देश का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि देश को जंगलों में सक्रिय हथियारी नक्सल से मुक्ति मिलने में बड़ी सफलता मिली है लेकिन अब दिमागी नक्सल मौके की तलाश में हैं और समाज को गलत रास्ते पर ले जाने की कोशिश कर रहे हैं, जिन्हें पहचान कर अलग-थलग करने की जरूरत है। प्रधानमंत्री के संकेतों ने वास्तविक और प्रायोजित बुद्धिजीवियों से लेकर आम नागरिक और दलगत भौंपुओं तक शब्द युद्ध छेड दिया है। डीप स्टेट के स्लीपर-सेल, राष्ट्र-विरोधी और मीरजाफरों में खलबली मची हुई है। वे संवाद प्रेषण के बाद से ही अपने अस्तित्व की चिन्ता में चिता की ओर अग्रसर होने लगे हैं। यह वैचारिक और बौद्धिक छद्मवेशी वर्ग समाज के भीतर रहकर, शिक्षण संस्थानों, व्यवसायगत संगठनों, विमर्शों और मीडिया के माध्यम से देश को तोड़ने और समाज को गलत रास्ते पर ले जाने की निरंतर चेष्टा कर रहा है। यह एक ऐसी मानसिक ग्रंथि है जो स्वतंत्रता के नाम पर न केवल युवाओं को दिग्भ्रमित करती है बल्कि व्यवस्था के प्रति घृणा का बीज भी बोती है। देश की प्रगति के लिए इन छद्म बुद्धिजीवियों को पहचानना और उन्हें समाज से अलग-थलग करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। दुर्भाग्यवश जहां एक ओर देश इस वैचारिक विमर्श से जूझ रहा है वहीं दूसरी ओर देश के राजनीतिक विपक्ष द्वारा आयोजित कार्यक्रमों ने लोकतांत्रिक मयार्दाओं को तार-तार करने की मुहिम चला रखी है। लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं और उनका स्वागत भी होना चाहिए परंतु जब ये मतभेद, मनभेद में बदलकर राष्ट्रीय उत्सव की गरिमा को कम करने लगें तो स्वतंत्रता का वह स्वरूप विखण्डित होने लगता है। इस वैचारिक भटकाव और मयार्दाविहीनता का सबसे व्यथित करने वाला दृश्य देश की एक राजनीतिक पार्टी के कार्यालय में देखने को मिला जहां आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान जब राष्ट्र के सांस्कृतिक नवजागरण के प्रतीक राष्ट्रीय गीत गाया जा रहा था तब उस दल के शीर्ष नेताओं के चेहरों पर स्पष्ट रूप से असहजता और संकोच के भाव तैर रहे थे। इतिहास गवाह है कि जिस ह्यवंदे मातरम्ह के एक उद्घोष मात्र से स्वतंत्रता सेनानियों के भीतर फांसी के फंदे को चूमने का साहस आ जाता था आज उसी गीत के गायन के दौरान दिखने वाली इन सफेदपोशों की कसमसाहट ने उनकी मानसिकता को पूरी तरह से उजागर कर दिया है। इस पूरे परिदृश्य ने राजनीतिक तुष्टीकरण की विवशता को ही प्रदर्शित नहीं किया बल्कि उनके वैचारिक संकीर्णता को भी प्रकाशित किया है। वोट बैंक की राजनीति जब राष्ट्रगीत के सम्मान पर भारी पड़ने लगे तो समझ लेना चाहिए कि स्वतंत्रता के अधिकार का उपयोग देश को जोड़ने के लिए नहीं बल्कि सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न करने के लिए किया जा रहा है। राजनीतिक अहंकार और हठधर्मिता की पराकाष्ठा तब देखने को मिली जब लालकिला परिसर में आयोजित मुख्य राष्ट्रीय समारोह में बैठने की व्यवस्था को ढाल बनाकर अनेक पार्टी दिग्गजों ने इस पूरे आयोजन का ही बहिष्कार कर दिया।

अटल बिहारी वाजपेयी : राजनीति में अटल संकल्प शब्दों में कविता और हृदय में बसता था भारत

कांतिलाल मांडोत

कुछ व्यक्तित्व समय के साथ इतिहास बन जाते हैं, लेकिन कुछ ऐसे होते हैं जो इतिहास का हिस्सा बनने के बाद भी जनमानस की स्मृतियों में लगातार जीवित रहते हैं। अटल बिहारी वाजपेयी ऐसा ही एक विराट व्यक्तित्व थे। वे भारत के प्रधानमंत्री रहे, विपक्ष के नेता रहे, विदेश मंत्री रहे, सांसद रहे, पत्रकार रहे और सबसे बढ़कर एक संवेदनशील कवि रहे। उनके भीतर राजनीति की दृढ़ता और कविता की कोमलता का अद्भुत संगम था। 16 अगस्त 2018 को उनके निधन के बाद हर वर्ष 16 अगस्त को उनकी पुण्यतिथि आती है तो देश केवल एक पूर्व प्रधानमंत्री को याद नहीं करता, बल्कि उस राजनीतिक संस्कृति को भी स्मरण करता है जिसमें असहमति के बीच संवाद, सत्ता के बीच संयम और राष्ट्रहित को राजनीति से ऊपर रखने की परंपरा थी। संघर्ष की राह से देश के सर्वोच्च पद तक अटल बिहारी वाजपेयी का राजनीतिक जीवन संघर्षों से होकर गुजरा। 1952 में उन्होंने पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ा, लेकिन सफलता नहीं मिली। पराजय ने उनके कदम नहीं रोके। 1957 में बलरामपुर से लोकसभा के लिए चुने गए और इसके बाद भारतीय राजनीति में उनकी पहचान लगातार मजबूत होती गई। भारतीय जनसंघ के संस्थापक नेताओं में शामिल होकर उन्होंने संगठन को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत किया और 1968 से 1973 तक उसके अध्यक्ष रहे। वे पत्रकार भी थे और राष्ट्रधर्म, पांचजन्य तथा वीर अर्जुन जैसे पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से अपने विचारों को समाज तक पहुंचाते रहे। पत्रकारिता ने उनकी भाषा को धार दी और राजनीति ने उनके विचारों को व्यापक मंच दिया। 1977 में जनता सरकार में विदेश मंत्री बने तो अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की आवाज को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। 1980 में भारतीय जनता पार्टी की स्थापना के समय वे उसके प्रमुख संस्थापक नेताओं में रहे और उसके प्रथम अध्यक्ष बने। उनका राजनीतिक जीवन लगभग चार दशकों तक संसद से जुड़ा रहा। लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में उन्होंने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। यह लंबी संसदीय यात्रा केवल पदों की संख्या नहीं थी, बल्कि भारतीय लोकतंत्र के बदलते दौर की साक्षी थी। अटल जी तीन बार भारत के प्रधानमंत्री बने। 16 मई 1996 को पहली बार प्रधानमंत्री पद संभाला, लेकिन बहुमत सिद्ध न कर पाने के कारण 13 दिन बाद इस्तीफा देना पड़ा। 19 मार्च 1998 को उन्होंने दूसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। गठबंधन सहयोगी के समर्थन वापस लेने के कारण उनकी सरकार 1999 में गिर गई। इसके बाद 13 अक्टूबर 1999 को वे तीसरी बार प्रधानमंत्री बने और 2004 तक उन्होंने सरकार का नेतृत्व किया। उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक उपलब्धियों में गठबंधन सरकार को स्थायित्व देना माना जाता है। अनेक दलों और अलग-अलग राजनीतिक विचारों को साथ लेकर सरकार चलाना उस दौर में आसान नहीं था। अटल जी ने संवाद, सहमति और राजनीतिक संतुलन के सहारे गठबंधन को सफलतापूर्वक चलाया। यही कारण है कि वे केवल अपनी पार्टी के नेता नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र में गठबंधन राजनीति के एक महत्वपूर्ण शिल्पकार के रूप में भी याद किए जाते हैं। अटल जी का व्यक्तित्व केवल मधुर भाषणों तक सीमित नहीं था। वे आवश्यकता पड़ने पर साहसिक निर्णय लेने वाले नेता भी थे। 1998 में उनके नेतृत्व में पोखरण में परमाणु परीक्षण किए गए। अंतरराष्ट्रीय दबाव और संभावित प्रतिबंधों की आशंकाओं के बावजूद भारत ने अपनी सामरिक क्षमता का प्रदर्शन किया। लेकिन शक्ति के प्रति उनका दृष्टिकोण युद्धोन्मादी नहीं था। वे मजबूत भारत को शांति का आधार मानते थे। उनका विश्वास था कि राष्ट्र की सुरक्षा मजबूत होगी तो वह दुनिया के सामने अपनी स्वतंत्र नीति के साथ खड़ा हो सकेगा। इसी कारण उनकी राजनीति में शक्ति और शांति दोनों साथ दिखाई देते हैं। वे देश की वास्तविक चुनौतियों को भी पहचानते थे। उनका सपना ऐसा भारत था जो भूख, भय, निरक्षरता और अभाव से मुक्त हो। वे मानते थे कि बेरोजगारी, बीमारी, गरीबी और पिछड़ापन भी राष्ट्र के विरुद्ध बड़ी चुनौतियां हैं।

ईरान के चक्रव्यूह में फंसे ट्रंप

इस युद्धपोत पर लगभग 5,000 नौसैनिक और मरीन तैनात हैं। इन नौसैनिकों ने समुद्र में लगातार 250 से अधिक दिन बिताए हैं, जिसमें से करीब 200 दिन बिना किसी ह्यपोर्ट कॉलह्व अर्थात बिना किसी बंदरगाह पर रुके हुये बीते हैं, जो आधुनिक अमेरिकी नौसेना के इतिहास में एक रिकॉर्ड है। नौसैनिकों व मरीन की इस तैनाती को मूल रूप से मई 2026 में समाप्त होना था, लेकिन ईरान के साथ जारी जंग के कारण इसे बार-बार आगे बढ़ाया गया, जिससे सैनिकों की घर वापसी अनिश्चित हो गई। सैनिकों में पैदा हुये इसी अत्यधिक मानसिक दबाव के चलते कम से कम 6 नौसैनिकों ने युद्धपोत से समुद्र में कूदकर जान देने यानी आत्महत्या करने की कोशिश की, जिन्हें उन्हीं के सैनिक साथियों द्वारा समय रहते बचा लिया गया। इस घटना को लेकर पूरी दुनिया में बड़ी चर्चा छिड़ गई है। माइक लेविन जैसे कई अमेरिकी सांसदों और मरीन सैनिकों के परिवारों ने भी यह खुलासा किया कि युद्धपोत पर जीवन नरक जैसा हो गया है। कई हफ़्तों तक जहाज पर गर्म पानी नहीं मिलता और टॉयलेट्स व शावर आदि खराब हो चुके हैं। लॉन्ड्री सुविधा बंद रहने से सैनिक गंदे कपड़े पहनने को मजबूर है।

तनवीर जाफरी
(लेखक)

पूरे विश्व की निगाहें इस समय अमेरिका -ईरान के मध्य चल रहे तनावपूर्ण हालात पर लगी हुई है। इस्राईल के प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू ने अपने छल से राष्ट्रपति ट्रंप को ईरान से एक ऐसे युद्ध में उलझा दिया है जिससे ट्रंप के लिये बड़ी परेशानी खड़ी हो गयी है। विश्व इतिहास में यह पहला मौका है जबकि ईरान जैसा देश प्रत्येक मोर्चों पर अमेरिका को बराबर की चुनौती दे रहा है। नतीजतन ट्रंप के गलत फैसलों से अब अमेरिकी सेना के जवान भी ऊब चुके हैं। पिछले दिनों अमेरिकी नौसेना के एक परमाणु ऊर्जा संचालित सुपर-कैरियर विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन उश्ठ-72 को लेकर एक ऐसी खबर आई जिसने पूरी दुनिया को हैरानी में डाल दिया। यह युद्धपोत 21 नवंबर 2025 को सैन डिएगो, कैलिफोर्निया से अपनी निर्धारित यात्रा पर निकला था। शुरूआत में इसे प्रशांत क्षेत्र और दक्षिण चीन सागर में तैनात किया जाना था, लेकिन जनवरी 2026 में इस्राईल -अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध छिड़ जाने के बाद इसे अचानक पश्चिम एशिया/अरब सागर की ओर मोड़ दिया गया। इस युद्धपोत पर लगभग 5,000 नौसैनिक और मरीन तैनात हैं। इन नौसैनिकों ने समुद्र में लगातार 250 से अधिक दिन बिताए हैं, जिसमें से करीब 200 दिन बिना किसी ह्यपोर्ट कॉलह्व अर्थात बिना किसी बंदरगाह पर रुके हुये बीते हैं, जो आधुनिक अमेरिकी नौसेना के इतिहास में एक रिकॉर्ड है। नौसैनिकों व मरीन की इस तैनाती को मूल रूप से मई 2026 में समाप्त होना था, लेकिन ईरान के साथ जारी जंग के कारण इसे बार-बार आगे बढ़ाया गया, जिससे सैनिकों की घर वापसी अनिश्चित हो गई। सैनिकों में पैदा हुये इसी अत्यधिक मानसिक दबाव के चलते कम से कम 6 नौसैनिकों ने युद्धपोत से समुद्र में कूदकर जान देने यानी आत्महत्या करने की कोशिश की, जिन्हें उन्हीं के सैनिक साथियों द्वारा समय रहते बचा लिया गया। इस घटना को लेकर पूरी दुनिया में बड़ी चर्चा छिड़ गई है। माइक लेविन जैसे कई अमेरिकी सांसदों और मरीन सैनिकों के परिवारों ने भी यह खुलासा किया कि युद्धपोत पर जीवन नरक जैसा हो गया है। कई हफ़्तों तक जहाज पर गर्म पानी नहीं मिलता और टॉयलेट्स व शावर आदि खराब हो चुके हैं। लॉन्ड्री सुविधा बंद रहने से सैनिक गंदे कपड़े पहनने को मजबूर हैं। युद्धपोत पर भोजन और जरूरी सामानों की भारी कमी हो गई, यहाँ तक कि राशन कम होने पर सैनिकों को भोजन में बेहद कम व सीमित मात्रा दी जा रही है। और तो और युद्ध के कारण आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने से बहरीन जैसे अमेरिकी ठिकानों से जहाज तक रसद पहुँचाना भी मुश्किल हो गया है। इस हादसे, अमेरिकी सांसदों के दबाव और परिवारों के आक्रोश के बाद अब अमेरिकी नौसेना के कार्यवाहक सचिव हंग काओ ने घोषणा की है कि युद्धपोत को अब रोटेशन प्लान के तहत वापस बुलाया जा रहा है। मिडिल ईस्ट में इसकी जगह लेने के लिए दूसरे विमानवाहक पोत यूएसएस जॉर्ज वाशिंगटन को भेजा जा रहा है ताकि थके हुए सैनिकों को राहत मिल सके। परन्तु इस खबर ने वर्तमान समय में अमेरिकी सैनिकों की उबावपूर्ण स्थिति तो उजागर कर ही दी है। उधर ईरान की तरफ से संभावित खतरे के संदेह में राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा अंतिम समय में विमान बदलने से जुड़ी हुई एक हैरतअंगेज खबर सामने आई। वॉशिंगटन पोस्ट के अनुसार पिछले महीने तुर्की में नेटो शिखर सम्मेलन से निकलते समय ट्रंप ने गुपचुप तरीके से अपना विमान बदल लिया था। खबरों के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति टेलीविजन कैमरों की मौजूदगी में एयर फोर्स वन में सवार हुए, फिर उन्हें चुपके से एक ऊंचे एयरपोर्ट कैटरिंग ट्रक में ले जाया गया और एक सैन्य विमान तक पहुंचाया गया। हालांकि, अब वॉशिंगटन पोस्ट की नई रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रंप ने एक बार फिर विमान बदल दिया था। पोस्ट ने एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से बताया कि ट्रंप को पुराने एयर फोर्स वन विमान से एक कैटरिंग कंटेनर में बाहर निकाला गया। यह कंटेनर ट्रंप को एक छोटे सी-32ए विमान तक ले गया। इसी विमान से उन्होंने ब्रिटेन के लिए उड़ान भरी। इस दौरान विमान में सवार पत्रकारों और व्हाइट हाउस के कुछ कर्मचारियों को भी इसकी जानकारी नहीं थी। इससे पहले अंकारा में शिखर सम्मेलन के दौरान ट्रंप ने कहा था कि वो ईरान का नंबर वन निशाना हैं। ट्रंप के ईरान से भयभीत होने की एक सबसे बड़ी वजह यह भी है कि जुलाई 2026 में ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार के दौरान ईरान में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या से जुड़े बेहद आक्रामक पोस्टर, बैनर और नारे खुले आम लगाए गए थे। फरवरी 2026 में अमेरिका-इस्राईल के हवाई हमलों में अयातुल्ला खामेनेई व उनके कई परिजन शहीद हो गए थे जिसके बाद हुए उनके विशाल अंतिम संस्कार में ईरानी लोगों में काफी आक्रोश देखा गया। अंतिम संस्कार के दौरान राजधानी तेहरान और खामेनेई के दफ़्न वाले शहर मशहद की सड़कों पर जगह जगह अंग्रेजी में ह्लङक्छछ ळफ्ख्रटढह्ल लिखे बड़े बड़े बैनर और धमकी भरे पोस्टर देखे गये। काले कपड़ों में शामिल महिलाओं और प्रदर्शनकारियों ने अंग्रेजी के बड़े अक्षरों में ह्लङक्छछ ळफ्ख्रटढह्ल लिखे हुए लाल रंग के प्लेकार्ड उठा रखे थे। कई पोस्टर्स में डोनाल्ड ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और इस्राईली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की तस्वीरों पर बंदूक की दूरबीन का निशाना क्रॉस हेयर बना हुआ था।

80वां स्वतंत्रता दिवस - सप्तधारा से विकसित होगा भारत

सात रंग प्रकृति के प्रकाश को विविधता देते हैं। सात महाद्वीप पृथ्वी की व्यापकता का बोध कराते हैं। विवाह संस्कार में सप्तपदी केवल सात कदम नहीं हैं। वे जीवनभर साथ चलने के सात संकल्प हैं। दो व्यक्तियों के बीच संबंध को सामाजिक और आध्यात्मिक जिम्मेदारी में बदलने वाली यह परंपरा बताती है। संगीत में सात स्वर सा, रे, ग, म, प, ध, नि, अपने आप में सीमित दिखाई देते हैं, लेकिन इन्हीं से असंख्य राग, धुन और भावनाएं जन्म लेती हैं। योग परंपरा में सात प्रमुख चक्र चेतना के विभिन्न स्तरों से जोड़े जाते हैं। सूर्यदेव के रथ के सात अश्व गति, ऊर्जा और प्रकाश के प्रतीक माने जाते हैं। पौराणिक साहित्य में सप्तलोक, सप्तद्वीप और सप्तसिंधु जैसे उल्लेख भी मिलते हैं। सप्तमातृका, सप्तधान्य, सप्तगण, सप्तकल्प और सात जन्म जैसी अवधारणाएं भारतीय सांस्कृतिक चेतना में अलग-अलग रूपों में दिखाई देती हैं। इन सभी धारणाओं में एक साझा संदेश छिपा है अलग-अलग शक्तियों का संतुलित मेल ही संपूर्णता पैदा करता है। यही बात आधुनिक राष्ट्र निर्माण पर भी लागू होती है। कोई देश केवल कृषि से विकसित नहीं हो सकता है, केवल उद्योग से भी नहीं, केवल तकनीक पर्याप्त नहीं है और केवल रक्षा शक्ति से समृद्धि नहीं आती है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

शनिवार को भारत ने अपना 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। यह केवल तिरंगा फहराने, राष्ट्रगान गाने और स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करने का अवसर नहीं था, बल्कि आठ दशकों की यात्रा का हिसाब लेने और आने वाले भारत की दिशा, लक्ष्य तथा नियति को समझने का भी क्षण था। लाल किले की प्राचीर से निकला प्रत्येक शब्द इसलिए महत्वपूर्ण था कि उसमें अतीत की स्मृतियों के साथ भविष्य के भारत का खाका भी दिखाई दिया। विशेष रूप से ह्लशक्ति की सप्तधाराह्व को केवल किसी राजनीतिक भाषण या चुनावी रैली के नजरिये से देखना भारत की सभ्यता और उसके सांस्कृतिक संकेतों को सीमित कर देना होगा। भारत की परंपरा में सात केवल एक संख्या नहीं है। सात पूर्णता, संतुलन, विविधता में एकता और जीवन के अलग-अलग आयामों के समन्वय का प्रतीक रहा है। आज जब भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहा है, तब सात राष्ट्रीय क्षमताओं को एक दिशा में प्रवाहित करने की कल्पना अपने भीतर गहरा सांस्कृतिक और रणनीतिक अर्थ रखती है भारतीय चिंतन में सात का अंक सदियों से विशेष महत्व रखता आया है। सप्तऋषि ज्ञान की निरंतर परंपरा के प्रतीक हैं। सात दिन समय की गति को व्यवस्थित करते हैं। सात रंग प्रकृति के प्रकाश को विविधता देते हैं। सात महाद्वीप पृथ्वी की व्यापकता का बोध कराते हैं। विवाह संस्कार में सप्तपदी केवल सात कदम नहीं हैं। वे जीवनभर साथ चलने के सात संकल्प हैं। दो व्यक्तियों के बीच संबंध को सामाजिक और आध्यात्मिक जिम्मेदारी में बदलने वाली यह परंपरा बताती है। संगीत में सात स्वर सा, रे, ग, म, प, ध, नि, अपने आप में सीमित दिखाई देते हैं, लेकिन इन्हीं से असंख्य राग, धुन और भावनाएं जन्म लेती हैं। योग परंपरा में सात प्रमुख चक्र चेतना के विभिन्न स्तरों से जोड़े जाते हैं। सूर्यदेव के रथ के सात अश्व गति, ऊर्जा और प्रकाश के प्रतीक माने जाते हैं। पौराणिक साहित्य में सप्तलोक, सप्तद्वीप और सप्तसिंधु जैसे उल्लेख भी मिलते हैं। सप्तमातृका, सप्तधान्य, सप्तगण, सप्तकल्प और सात जन्म जैसी अवधारणाएं भारतीय सांस्कृतिक चेतना में अलग-अलग रूपों में दिखाई देती हैं। इन सभी धारणाओं में एक साझा संदेश छिपा है अलग-अलग शक्तियों का संतुलित मेल ही संपूर्णता पैदा करता है। यही बात आधुनिक राष्ट्र निर्माण पर भी लागू होती है। कोई देश केवल कृषि से विकसित नहीं हो सकता है, केवल उद्योग से भी नहीं, केवल तकनीक पर्याप्त नहीं है और केवल रक्षा शक्ति से समृद्धि नहीं आती है। विकास तब स्थायी और व्यापक बनता है, जब उसकी अनेक धाराएं एक-दूसरे की पूरक बनकर एक दिशा में बहती हैं। आज भारत की सबसे बड़ी आवश्यकता यह है कि विकास को केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि एक समग्र राष्ट्रीय क्षमता के रूप में देखा जाए। नई सप्तधारा में विनिर्माण, कृषि एवं खाद्य उत्पादन, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार, गति शक्ति, रक्षा शक्ति, सौम्य शक्ति तथा समग्र श्वेत, हरित और नील, अर्थव्यवस्था को स्थान दिया गया है। इन सातों क्षेत्रों को अलग-अलग विभागों या योजनाओं की तरह देखना इस विचार की व्यापकता को कम कर देगा। वास्तव में ये सातों एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। विनिर्माण को कृषि से कच्चा माल चाहिए। कृषि को तकनीक चाहिए। तकनीक को ऊर्जा और कुशल मानव संसाधन चाहिए। विनिर्माण और कृषि को बेहतर बाजार तथा तेज परिवहन चाहिए। देश की आर्थिक शक्ति को सुरक्षित रखने के लिए रक्षा शक्ति आवश्यक है। दुनिया में अपनी पहचान और प्रभाव बढ़ाने के लिए सौम्य शक्ति जरूरी है। और इन सभी के बीच श्वेत, हरित और नील अर्थव्यवस्था भारत की सामाजिक तथा पर्यावरणीय स्थिरता का आधार बन सकती है। सप्तधारा का वास्तविक संदेश है विकास की धाराएं अलग-अलग नहीं, परस्पर जुड़ी हुई है। पहली धारा- भारत लंबे समय तक सेवा क्षेत्र की ताकत के लिए जाना जाता रहा है। लेकिन 21वीं सदी की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूत विनिर्माण क्षमता के बिना कोई भी बड़ा राष्ट्र आर्थिक रूप से पूर्ण शक्ति नहीं बन सकता। मोबाइल फोन से लेकर सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर रक्षा उपकरण, ऑटोमोबाइल से लेकर मशीनरी और फार्मास्यूटिकल्स से लेकर हरित तकनीक तक भारत के सामने विशाल अवसर हैं। विनिर्माण केवल कारखाने लगाने का नाम नहीं है। इसका अर्थ है रोजगार, कौशल, अनुसंधान, आपूर्ति श्रृंखला, निर्यात और स्थानीय उद्यमिता का विस्तार। यदि भारत अपने गांवों, कस्बों और छोटे शहरों तक उत्पादन की संस्कृति पहुंचा सके, तो विनिर्माण आर्थिक विकास के साथ सामाजिक परिवर्तन का माध्यम भी बन सकता है। ह्यमेड इन इंडियाह्व को ह्यमेड फॉर द वर्ल्डह्व में बदलना इस धारा की सबसे बड़ी परीक्षा होगी। दूसरी धारा- भारत की आत्मा में कृषि का स्थान आज भी केंद्रीय है। कृषि केवल किसान की आय का विषय नहीं है; यह खाद्य सुरक्षा, ग्रामीण रोजगार, पोषण और सामाजिक स्थिरता से जुड़ी हुई है। भविष्य की कृषि पारंपरिक खेती और आधुनिक तकनीक का मेल होगी। ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मौसम आधारित सलाह, बेहतर बीज, सिंचाई तकनीक, भंडारण, कोल्ड चेन और खाद्य प्रसंस्करण किसानों की उत्पादकता और आय दोनों बढ़ा सकते हैं। भारत को केवल अनाज पैदा करने वाला देश नहीं, बल्कि वैश्विक खाद्य प्रसंस्करण और खाद्य निर्यात की बड़ी शक्ति बनना होगा। कृषि से उद्योग जुड़ेगा, उद्योग से रोजगार बनेगा और रोजगार से ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। यही वह चक्र है, जो कृषि को केवल जीविका से आगे बढ़ाकर राष्ट्रीय आर्थिक शक्ति में बदल सकता है। तीसरी धारा- 21वीं सदी में जिस देश के पास तकनीक होगी, उसके पास प्रतिस्पर्धा की निर्णायक क्षमता होगी।कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, क्वांटम तकनीक, रोबोटिक्स, अंतरिक्ष विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना जैसे क्षेत्र भारत के भविष्य को परिभाषित कर सकते हैं।

बदलता भारत, बनता भारत

डॉ. प्रियंका सौरभ

प्रत्येक स्वतंत्रता दिवस हमें अपने राष्ट्र के अतीत पर चिंतन करने और भविष्य पर विचार करने का अवसर देता है। स्वतंत्रता के पिछले 80 वर्षों में भारत में आए कुछ परिवर्तनों को याद करने का यह मेरा एक प्रयास है। यह परिवर्तन केवल हमारी अर्थव्यवस्था, शहरों या प्रौद्योगिकी में ही नहीं, बल्कि आम भारतीयों की आकांक्षाओं, आत्मविश्वास और दृष्टिकोण में भी देखा गया है। आज का भारत 1947 में औपनिवेशिक शासन से मुक्त हुए भारत से बहुत अलग है। आर्थिक दृष्टि से सबसे बड़ा अंतर यही है। स्वतंत्रता के बाद के शुरूआती दशकों में संसाधनों की कमी थी, अवसर सीमित थे और विशाल जनसंख्या की बुनियादी जरूरतों को पूरा करना एक चुनौती थी। भारत आज विश्व की महान आर्थिक शक्तियों में से एक है; आधुनिक उद्योग, विकसित होता बुनियादी ढांचा और उद्यमशीलता की नई भावना, महत्वाकांक्षी युवा पीढ़ी। सड़कों, हवाई अड्डों, मेट्रो, डिजिटल नेटवर्क और बेहतर कनेक्टिविटी के कारण स्थान और लोग एक-दूसरे के करीब आ गए हैं। एक युवा ऑनलाइन पढ़ाई कर सकता है, किसी दूसरे शहर की कंपनी में काम कर सकता है और यहां तक कि पूरे देश में लोगों को सेवा प्रदान करने वाला व्यवसाय भी चला सकता है। पिछली पीढ़ियों के लिए ऐसी संभावनाओं की कल्पना करना भी मुश्किल रहा होगा। शायद इस बदलाव में प्रौद्योगिकी का सबसे बड़ा योगदान है। मोबाइल फोन अब सिर्फ संचार का साधन नहीं रह गया है। यह एक बैंक, कक्षा, बाजार, कार्यालय और सूचना का स्रोत बन गया है। ऑनलाइन भुगतान ने हमारे दैनिक जीवन में क्रांति ला दी है और अनेक सार्वजनिक सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हैं। प्रौद्योगिकी ने भारत को सूचना और अवसरों के मामले में कई मायनों में अधिक जुड़ा हुआ और अधिक लोकतांत्रिक बनाया है। लेकिन प्रगति का सच्चा सूचक प्रौद्योगिकी नहीं है, बल्कि यह है कि प्रौद्योगिकी आम आदमी के जीवन को कैसे प्रभावित करती है। भारतीयों और उनके राष्ट्र के आत्मविश्वास में अद्भुत परिवर्तन आया है। कुछ पीढ़ियों पहले, पश्चिम के प्रति प्रशंसा और कभी-कभी हीनता की भावना प्रचलित थी। आज, हमारे युवा खुद को विश्व के सर्वश्रेष्ठ लोगों के बराबर मानते हैं। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, उद्यमशीलता, पेशेवर क्षेत्र, कला एवं खेल के क्षेत्र में भारतीय नागरिक विदेशों में अपनी पहचान बना रहे हैं। साथ ही, भारत की संस्कृति, भाषाओं, परंपराओं और इतिहास का पुनरुद्धार हो रहा है। आधुनिकता और जड़ों से जुड़ाव की अवधारणा अब विरोधाभासी नहीं रह गई है। प्रगति के बावजूद, हमारी समस्याएं कम नहीं हुई हैं। हमारे पास विश्व स्तरीय हवाई अड्डे और डिजिटल बुनियादी ढांचा है, लेकिन कुछ समुदाय अभी भी स्वास्थ्य, शिक्षा और स्वच्छता जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। हमारे पास बेहतरीन व्यवसाय और कुशल कर्मचारी हैं, फिर भी लाखों युवा स्थिर और लाभकारी रोजगार की तलाश में हैं। शहरों के विकास के साथ-साथ, कई शहर प्रदूषण, भीड़भाड़ और खराब शहरी नियोजन से जूझ रहे हैं। आर्थिक विकास ने अपार अवसर पैदा किए हैं, लेकिन सभी नागरिकों को इसका समान लाभ नहीं मिल रहा है। संतुलित आलोचना का महत्व यहीं पर है। अपने देश की कमियों से अवगत हुए बिना उससे प्रेम करना संभव नहीं है। वास्तव में, सच्ची देशभक्ति हमें उन चीजों को स्वीकार करने का साहस देती है जिन्हें बदलने की आवश्यकता है। एक सशक्त लोकतंत्र में असहमति और आलोचना को सहन किया जाना चाहिए। राष्ट्रीय हित केवल आर्थिक विकास, सैन्य शक्ति और अंतरराष्ट्रीय शक्ति तक सीमित नहीं होना चाहिए। इसमें सामाजिक सद्भाव, सुदृढ़ संस्थाएं, समान अवसर, सभी नागरिकों के लिए गरिमा और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में विश्वास भी शामिल होना चाहिए। यदि देश का कोई भविष्य है, तो उसे कठिन प्रश्नों को स्वीकार करने के लिए पर्याप्त आत्मविश्वास होना चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

मीरजापुर: जनसंवाद में उमड़ा फरियादियों का हुजूम

मीरजापुर। अपना दल (एस) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार में प्राविधिक शिक्षा व उपभोक्ता संरक्षण विभाग के कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल ने रविवार को सरदार पटेल चौराहा स्थित सांसद जनसंपर्क कार्यालय में आयोजित हाजनसंवाद कार्यक्रम में जनपदवासियों की समस्याएं सुनीं। जिले के विभिन्न क्षेत्रों, तहसीलों और गांवों से पहुंचे सैकड़ों लोगों ने मंत्री के समक्ष अपनी फरियाद रखी। जनसंवाद कार्यक्रम में बिजली, पेंशन, स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क सहित विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याएं प्रमुखता से सामने आईं। मंत्री आशीष पटेल ने प्रत्येक फरियादी की बात गंभीरता और धैर्यपूर्वक सुनी। कई मामलों में उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों से तत्काल दूरभाष पर वार्ता कर समस्या के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। मंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि जनसमस्याओं के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही न हो और पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ समय से मिले। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता आमजन की समस्याओं का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करना है। योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना शासन की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में एनडीए घटक दलों के पदाधिकारी, अपना दल (एस) और भाजपा के कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में पार्टी समर्थक मौजूद रहे। जनसंवाद के दौरान फरियादियों में अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद दिखाई दी।

बेबस बचपन को क्षितिज से मिलेगा की सुरक्षित आसमान

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत जनपद में रविवार को बाल संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए क्षितिज शिशु गृह/शिशुगृह का शुभारंभ किया गया। सरूरपुर कलां स्थित इस केंद्र का उद्घाटन जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने बच्चों के बीच उत्सव के माहौल में किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों को गोद में लेकर स्नेह दिया और उनके साथ केक काटकर इस पहल को यादगार बनाया। क्षितिज इन बच्चों के लिए एक सुरक्षित आश्रय स्थल है, जिन्हें तत्काल पारिवारिक संरक्षण उपलब्ध नहीं हो पाता। यहां बच्चों को रहने, भोजन, स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा, खेलकूद और भावनात्मक सहयोग जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि हर बच्चे का अधिकार है रोटी, खेल, पढ़ाई और प्यार। उनके इस अधिकार को प्रशासन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस क्रम में ही क्षितिज पहल की प्रेरणा हाल ही में मिली दो नवजात बच्चियों से भी जुड़ी है, जो कठिन परिस्थितियों में मिली थीं। जिला अस्पताल में उनका उपचार कराया गया और जिलाधिकारी ने उन्हें नव्या और समायरा नाम देकर नई पहचान दी। अब क्षितिज जैसे केंद्र उनके और ऐसे अन्य बच्चों के सुरक्षित भविष्य की राह मजबूत करेंगे। कार्यक्रम में बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर माहौल को जीवंत बना दिया। रंगीन सजावट और बाल अनुकूल वातावरण ने इस स्थान को केवल आश्रय गृह नहीं, बल्कि खुशहाल बचपन का केंद्र बना दिया है। क्षितिज दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया के लिए भी एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगा, जहां से पात्र परिवार कानूनी प्रक्रिया के तहत बच्चों को गोद ले सकेंगे। इस पहल के माध्यम से बचाव, संरक्षण और पुनर्वास की पूरी प्रक्रिया को मजबूत आधार मिलेगा। जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने कहा कि यह एक शुरुआत है जिससे अनाथ नवजात शिशुओं को जीने की राह मिलेगी।

राम नाम नशा के आगे जगत के सभी स्वाद और नशे फीके : डॉ एलसी अनुरागी

महोबा। यूपी के महोबा में संत कबीर सत्संग समिति के तत्वावधान में रविवार को कटखुलवा स्थित कबीर आश्रम में सत्संग और कबीर वंदना का आयोजन किया गया। सत्संग में श्री राम नाम की महिमा का बखान करते हुए दुखदाई व्यसनों को त्यागकर परमात्मा राम का अमृत रूपी नशा ग्रहण करने की लोगों से अपील की है। रविवार को कबीर आश्रम में संत कबीर सत्संग समिति द्वारा सत्संग समिति प्रमुख साईं डिग्री कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एल.सी. अनुरागी ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कबीर के दोहे आज अमल सब त्यागि के, राम अमल जब खाय। जन कबीर भौजे भरम, और न कछू सुहाय की व्याख्या करते हुए कहा कि अफीम, भांग, शराब, बीड़ी-सिगरेट, तम्बाकू तथा अन्य सभी प्रकार के दुखदाई व्यसनों को त्यागकर जब परमात्मा श्री राम का अमृत रूपी नशा ग्रहण किया जाता है, तब सभी प्रकार के अज्ञान भाग जाते हैं और भक्ति-सुख रूपी नशे के अतिरिक्त कुछ नहीं सुहाता। नशा को छोड़कर राम नाम का नशा अपनाएं। इसके आगे दुनिया के सभी स्वाद फीके हैं। कार्यक्रम में भजन गायक इन्द्रजीत ने गीता राम दरस रस बरसे जैसे सावन की झड़ी भजन प्रस्तुत किया। पंडित आशाराम तिवारी, राम आसरेसेन, रामेश्वर चौरसिया, साध्वी सुनीता अनुरागी ने भी भजन प्रस्तुत कर माहौल भक्तिमय बना दिया।

देशवासियों को प्रेरणा देता है वीरांगनाओं का तप-त्याग और बलिदान : योगी आदित्यनाथ

-मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की 196वीं जयंती पर उनकी प्रतिमा को अर्पित की पुष्पांजलि

-मुख्यमंत्री योगी ने कहा-वीरांगनाओं के नाम पर किए गए कार्यों के पीछे का ध्येय है महिलाओं की सुरक्षा

प्रात: किरण संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजधानी लखनऊ में रविवार को वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने उन्हें भारत की आजादी के प्रथम स्वातंत्र्य समर 1857 की महान क्रांतिकारियों में से एक बताया। उन्होंने कहा कि वीरांगनाओं का योगदान, तप, त्याग और बलिदान हम सभी को प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उनकी 196वीं जयंती है। वर्ष 1857 में वे मात्र 27 वर्ष की थीं। इस छोटी आयु में उन्होंने खुद को आजादी के संघर्ष में बलिदान कर मिसाल प्रस्तुत की। आजादी के लिए उनका बलिदान युवाओं के लिए प्रेरणा है। वीरांगना रानी अवंती बाई के योगदान के लिए हर भारतवासी है नतमस्तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी भारत की आजादी की उन महान नायिकाओं में से एक हैं, जिन्होंने अपना जीवन देश के लिए समर्पित कर दिया था। उन्होंने आजादी के लिए सर्वस्व न्योछावर करने में कोई कोताही नहीं बरती। वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी के नेतृत्व में अंग्रेजों के खिलाफ देश की आजादी के लिए युद्ध को लड़ा गया, हर व्यक्ति आज भी बड़ी श्रद्धा से उनकी स्मृतियों को नमन करता है। उनके योगदान के लिए हर भारतवासी नतमस्तक है। तीनों महिला पीएसी बटालियन में वीरांगनाओं की लग रही अश्वारोही प्रतिमा मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी का आदर्श उत्तर प्रदेश के लिए प्रेरणा बन सके, इसके लिए हमारी सरकार ने यूपीपीएसी की तीन नई महिला बटालियन के गठन के कार्य को बढ़ाया और इनका नामकरण/गठन इन्हीं वीरांगनाओं के नाम पर किया। बदायूं में रानी अवंती बाई लोधी के नाम पर पीएसी की नई वाहिनी का गठन किया। यह कार्य लगभग पूरा हो चुका है। वहां वीरांगना रानी अवंती बाई की अश्वारोही प्रतिमा की स्थापना की कार्रवाई अंतिम चरण की ओर बढ़ रही है। लखनऊ में वीरांगना ऊदा देवी पासी के नाम पर महिला पीएसी की गठित बटालियन का कार्य भी युद्धस्तर पर आगे बढ़ा है। गोरखपुर में वीरांगना झलकारी बाई कोरी के नाम पर पीएसी की नई बटालियन का कार्य तेजी से बढ़ रहा है। इन दोनों बटालियन में भी वीरांगनाओं की अश्वारोही प्रतिमाओं का कार्य आगे बढ़ा है।

जनभवन में विधि विधान से रुद्राभिषेक संपन्न

प्रात: किरण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से रविवार को जन भवन में रुद्राभिषेक का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ विधि-विधानपूर्वक संपन्न हुआ। राज्यपाल ने रुद्राभिषेक में सहभागिता करते हुए भगवान शिव का विधिवत पूजन एवं अभिषेक किया। इस दौरान जन भवन के अधिकारियों, कर्मचारियों व उनके परिजनों ने सामूहिक रूप से मंत्रोच्चारण, पूजन एवं आरती में सहभागिता की। पूजन संपन्न होने के पश्चात राज्यपाल ने भ्रमण करते हुए रुद्राभिषेक में सम्मिलित प्रत्येक अधिकारी, कर्मचारी व उनके परिजनों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की। उन्होंने सभी का अभिवादन स्वीकार करते हुए उनके घर-परिवार का कुशलक्षेम जाना तथा उनके सुख-स्वास्थ्य की जानकारी ली। राज्यपाल द्वारा आत्मीयता से किए गए संवाद से अधिकारी-कर्मचारी भावुक एवं प्रसन्न नजर आए। उल्लेखनीय है कि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से जन भवन में रुद्राभिषेक की परंपरा विगत कई वर्षों से चली आ रही है। इसमें जन भवन के अधिकारी कर्मचारी अपने परिजनों के साथ सामूहिक रूप से श्रद्धापूर्वक सहभागिता करते हैं।

फरुर्खाबाद : आजादी की पुरोधा रानी अवंतीबाई की जयंती लोधी राजपूत महासभा ने धूमधाम से मनाई

प्रात: किरण संवाददाता

फरुर्खाबाद। उत्तर प्रदेश के फरुर्खाबाद जनपद में अखिल भारतीय लोधी राजपूत कल्याण महासभा के तत्वावधान में स्थानीय एक होटल में रविवार को 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की अमर सेनानी वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी की 195वीं जन्म जयंती भव्य रूप से मनाई गई। कार्यक्रम मं समाज के लोगों ने रानी अवंतीबाई के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर उनके अदम्य साहस, राष्ट्रभक्ति और बलिदान को नमन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय लोधी राजपूत कल्याण महासभा के जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम वर्मा ने की तथा संचालन जिला महामंत्री संदेश राजपूत ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जिलाध्यक्ष एवं महासभा के उत्तर प्रदेश प्रचार मंत्री फतेहचंद वर्मा उपस्थित रहे। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि वीरांगना अवंतीबाई लोधी ने मातृभूमि की रक्षा और स्वाधीनता के लिए अंग्रेजों से डटकर मुकाबला किया और अपने प्राणों की आहुति दे दी। उनका जीवन संपूर्ण राष्ट्र और युवा पीढ़ी के लिए त्याग, शौर्य और स्वाभिमान की निरंतर प्रेरणा है। अध्यक्षीय उद्बोधन में पुरुषोत्तम वर्मा ने समाज को संगठित होकर रानी अवंतीबाई के आदर्शों पर चलने और शिक्षा व सामाजिक उत्थान में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर अखिल भारतीय लोधी राजपूत कल्याण महासभा के युवा इकाई जिलाध्यक्ष कौशलेन्द्र राजपूत,

स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगा-यात्रा के रंगों में सरोबार क्षेत्रवासियों में दिखा देश प्रेम का जज्बा

प्रात: किरण संवाददाता

लोनी। स्वतंत्रता दिवस पर लोनी क्षेत्र के वाशिंदे कुछ अपने अलग ही अंदाज में नजर आए घर से लेकर सड़कों तक बच्चे हो या नौजवान, बड़े हो या बूढ़े, जिनमे महिला भी पीछे नहीं थी। स्वतंत्रता दिवस की खास उत्सव पर नागरिकों द्वारा विभिन्न स्थानों से तिरंगा-यात्रा निकल गई। यात्रा में शामिल भीड़ को देखकर ऐसा लगता था, मानो लोनी के नागरिकों के बीच तिरंगा यात्रा में शामिल होने की होड़ सी लगी हो जो उनके देश प्रेम के जज्बे को दर्शा रहा था। सुबह लगभग 10 बजे शुरू हुआ तिरंगा यात्रा का यह क्रम क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर घंटो तक जारी रहा। तिरंगा-यात्रा में राजनीतिक हो या सामाजिक संगठन, प्रत्येक वर्ग के नागरिक बढ़-चढ़कर शामिल रहे। यात्रा में हजारों की संख्या में भाग लेने वाले नागरिकों की भीड़ के कारण दिल्ली-सहारनपुर मुख्य मार्ग साथ-साथ क्षेत्र के अन्य मार्गों पर भी जान जैसी स्थिति बनी रही. यात्रा के दौरान डीजे पर देशभक्ति के गीतों पर जोश से भरे नागरिक जमकर थिरकते नजर आए जो. देशभक्ति में डूबे युवा भारत माता के जयकारे लगाते थक नहीं रहे थे। यात्रा में शामिल नागरिकों के सिरो पर तिरंगी टोपी उनका तिरंगा पहनावा व उनके हाथों में तिरंगे झंडे को देखकर लगता था मानो सब कुछ तिरंगामय हो गया हो। जहां आस-पास दुकानदारों द्वारा अपनी दुकानों पर लगाए गए ध्वजों ने तिरंगा यात्रा को और चार चांद लगा दिए थे। वही यात्रा में शामिल वाहनों पर हवा में लहरा रहे तिरंगे मानो देश भक्ति की छटा बिखेर रहे हो। तिरंगा यात्रा के दौरान उसमें शामिल नागरिकों के लिए रास्ते में विभिन्न स्थानों पर आस्थावानों द्वारा जलपान की व्यवस्था की गई थी।

राष्ट्र की आन बान और शान है हमारा तिरंगा: रंजीता धामा

प्रात: किरण संवाददाता

लोनी। शनिवार 15 अगस्त को लोनी नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रंजीता धामा ने लोनी नगर पालिका के अलावा क्षेत्र में स्थित विभिन्न कॉलोनी, स्थानों एवं इंस्टीटयूट में पहुंचकर देश के 80 वे स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण किया। इस दौरान नागरिकों ने उनका फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया। नगर पालिका सभागार में ध्वजारोहण कार्यक्रम की शुरूआत के उपरांत उन्होंने राजकीय इंटर कॉलेज प्रेम नगर, घोड़ा गेट पावी, डीएलएफ ए ब्लॉक, डीएलएफ डी ब्लॉक सोसायटी, ग्रीन एकेडमी डाबर तालाब, उत्तरांचल विहार सोसायटी, इंद्रापुरी, जवाहर नगर, शांतिनगर, बैहटा गांव तथा बैहटा नहर स्थित कैंप कार्यालय पर ध्वजारोहण किया। नगर पालिका परिषद प्रांगण में हुए ध्वजारोहण कार्यक्रम में उन्होंने नगर पालिका परिषद के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई तथा सभी के साथ मिलकर राष्ट्रीय गान किया। क्षेत्र में अन्य कार्यक्रमों के दौरान उन्होंने नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि आज हमारा देश अपनी आजादी के 80 वर्ष पूर्ण होने पर बेहद ही धूमधाम के साथ स्वतंत्रता दिवस को मना रहा है देशवासियों के बीच उत्साह व हर्ष की लहर है. हम सभी भारतवासियों को अपनी इस आजादी की कीमत को ध्यान में रखकर अपने देश प्रेम को आत्मसात करते हुए जीवन जीना चाहिए. आजादी की लड़ाई में शहीद हुए अपने स्वतंत्रता सेनानियों व वीरों का सम्मान करते हुए उन्हे याद करना चाहिए जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अदम्य साहस का परिचय देते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिये। ध्वजारोहण के विभिन्न कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से राजकीय इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने गीत व नृत्य भरी एक से बढ़कर प्रस्तुति के माध्यम से खूब तालियां बटोरी। कार्यक्रमों के आयोजकों द्वारा लोनी नगरपालिका अध्यक्ष रंजीता धामा का फूल-माला पहनाकर व स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी वैभव त्रिपाठी, अधिशासी अभियंता मनोज पाल, नीलम, संजीव अवाना, राजकुमार, भंडारी बाबू, समस्त सभासदगण,

बिजनौर में धूमधाम से मना स्वतंत्रता दिवस, वीर नारियों और प्रतिभाशाली युवाओं का हुआ

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस पर जनपद में विभिन्न स्थानों पर राष्ट्रभक्ति और उत्साह से ओत-प्रोत कार्यक्रम आयोजित किए गए। कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी जसजीत कौर ने ध्वजारोहण किया, जबकि नेहरू स्टेडियम में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अनिल कुमार ने तिरंगा फहराया। इंदिरा बाल भवन में शहीदों की विधवाओं (वीर नारियों) सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वालों को सम्मानित किया गया।कलेक्ट्रेट परिसर में ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रगान एवं राष्ट्रीय गीत का गायन हुआ। अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा अमर शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। कलेक्ट्रेट सभागार में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी लेखराज सिंह, पूर्व सैनिकों एवं अन्य विशिष्टजनों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और वीर सैनिकों का त्याग एवं बलिदान सदैव देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने तथा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया।

वीर नारियों को सम्मान

इंदिरा बाल भवन में आयोजित कार्यक्रम में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अनिल कुमार और जिलाधिकारी जसजीत कौर ने वीर नारियों को सम्मानित किया। मंत्री ने कहा कि देश की रक्षा के लिए प्राणों का बलिदान देने वाले वीर जवानों का योगदान राष्ट्र कभी नहीं भूल सकता। उनके परिवारों का सम्मान करना समाज की जिम्मेदारी है। जिलाधिकारी ने कहा कि वीर नारियों ने कठिन परिस्थितियों के बीच त्याग और साहस की मिसाल कायम की है। शहीद परिवारों के प्रति संवेदनशीलता और सम्मान बनाए रखना सभी का दायित्व है। कार्यक्रम में बच्चों के मनोरंजन के लिए जादूगर शो भी आयोजित किया गया।

नेहरू स्टेडियम में युवाओं का सम्मान

नेहरू स्टेडियम में ध्वजारोहण के बाद विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं और प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अनिल कुमार ने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं। शिक्षा, विज्ञान, तकनीक, खेल सहित सभी क्षेत्रों में युवाओं की उपलब्धियां देश को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कहा कि जिले की प्रतिभाओं को उचित मंच और अवसर उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है।

अफजलगढ़ सिंचाई खंड में हर्षोल्लास से मनाया स्वतंत्रता दिवस

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। अफजलगढ़ सिंचाई खंड धामपुर में स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। अधिशासी अभियंता अरुण सचदेवा ने कार्यालय परिसर में ध्वजारोहण किया। इसके बाद राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा का संकल्प लिया। ध्वजारोहण के बाद परिसर में भारत माता और वंदे मातरम् के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के त्याग और बलिदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर अधिशासी अभियंता अरुण सचदेवा ने कहा कि देश को आजादी अनेक वीरों के संघर्ष और बलिदान के बाद मिली है। स्वतंत्रता केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को समझने और उनका ईमानदारी से निर्वहन करने का संकल्प लेने का दिन भी है। उन्होंने कहा कि देश की एकता, अखंडता और अस्मिता को मजबूत रखना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में सहायक अभियंता पी.के. जैन, विपिन गौतम, सहायक अभियंता नलकूप, जूनियर इंजीनियर नवीन शर्मा, गजेंद्र चौहान, प्रधान सहायक सुनील कुमार, सुधीर गोपाल, वरिष्ठ सहायक पुनीत कुमार, पवन कुमार, खेवेन्द्र सिंह, दिग्विजय सिंह और विजेंद्र राणा सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

यूपी में दिखता है बदलाव, मजबूत नेतृत्व से कानून व्यवस्था में बढ़ा लोगों का भरोसा : नाना पाटेकर

प्रात: किरण संवाददाता

लखनऊ। फिल्म अभिनेता नाना पाटेकर ने उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था की जमकर सराहना की। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि इतने बड़े और विविधताओं से भरे प्रदेश में प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना आसान नहीं है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था को शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल किया गया है और इसके सकारात्मक परिणाम आज स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। लखनऊ में उत्तर प्रदेश पुलिस के थीम गीत ह्यखाकी का सिताराह्ण के विमोचन कार्यक्रम में नाना पाटेकर ने कहा कि लगभग 25 करोड़ की आबादी वाले प्रदेश में केवल पुलिस बल की संख्या बढ़ाने से सुरक्षा सुनिश्चित नहीं होती, बल्कि इसके लिए मजबूत नेतृत्व, स्पष्ट नीति और दृढ़ इच्छाशक्ति की आवश्यकता होती है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बधाई देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में पुलिस को आधुनिक संसाधन, नई तकनीक और आत्मविश्वास प्रदान किया गया है, जिससे कानून व्यवस्था मजबूत हुई है। नाना पाटेकर ने कहा कि पिछले कई दशकों में उन्होंने उत्तर प्रदेश में उल्लेखनीय परिवर्तन देखा है। कानून व्यवस्था के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ा है। प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार दिखाई देता है और सरकार की कार्यशैली में निर्णय लेने की स्पष्टता नजर आती है। उन्होंने कहा कि पुलिस जितनी आधुनिक होगी, नागरिक उतना सुरक्षित होगा और नागरिक जितना जागरूक होगा, अपराधियों के लिए काम करना उतना ही कठिन हो जाएगा। नाना पाटेकर ने साइबर अपराध और डिजिटल अरेस्ट जैसे बढ़ते खतरों पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध आज एक वास्तविक चुनौती है और इसका शिकार कोई भी हो सकता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि कोई व्यक्ति पुलिस, सीबीआई या किसी अन्य एजेंसी का अधिकारी बनकर फोन या वीडियो कॉल के माध्यम से डराने और पैसे मांगने का प्रयास करे, तो तुरंत सतर्क हो जाएं। उन्होंने कहा कि साइबर अपराधियों का सबसे बड़ा हथियार तकनीक नहीं, बल्कि लोगों का डर होता है। उन्होंने उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा डिजिटल अरेस्ट के प्रति

ट्रैक्टर-रोडवेज बस भिड़ंत में एक की मौत, 12 कांवड़ यात्री घायल

फरुर्खाबाद। उत्तर प्रदेश के इटावा बरेली हाईवे पर रविवार को हुई दुर्घटना में एक कांवड़िए की मौत हो गई जबकि दर्जन भर घायल हो गए। जनपद लखीमपुर के करीब एक दर्जन कांवड़िए ट्रैक्टर पर सवार होकर फरुर्खाबाद पांचाल घाट गंगा जल लेने जा रहे थे। ट्रैक्टर शाहजहांपुर जिले के थाना अल्लाहगंज क्षेत्र से गुजर रहा था। उसी समय रोडवेज बस की टक्कर लगने से ट्रैक्टर सवार कांवड़िया घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए सीएचसी राजेपुर भेजा गया। डॉक्टर ने जनपद लखीमपुर खीरी थाना मैलानी के ग्राम जटपुरा निवासी विजयपाल पत्नी मंजू देवी (34) को मृत घोषित कर दिया।

निरीक्षण पर निरीक्षण, फिर भी नहीं सुधरी व्यवस्था; तैमूरपुर स्कूल में बर्तन-साबुन तक की कमी

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। सरकारी विद्यालयों की व्यवस्थाओं में सुधार के लिए प्रशासन की ओर से लगातार निरीक्षण और निर्देश दिए जा रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद व्यवस्थाओं में अपेक्षित सुधार नहीं होने पर सवाल उठने लगे हैं। पूर्व माध्यमिक विद्यालय तैमूरपुर में 14 अगस्त को जिलाधिकारी जसजीत कौर के औचक निरीक्षण में एक बार फिर विद्यार्थियों की कम उपस्थिति, मध्याह्न भोजन का सैंपल सुरक्षित न होने, पर्याप्त राशन और बर्तनों की कमी तथा हाथ धोने के लिए साबुन व हैंडवॉश की व्यवस्था नहीं मिलने का मामला सामने आया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों की कम संख्या पर नाराजगी जताई और नियमित पठन-पाठन तथा छात्र संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। मध्याह्न भोजन की जांच में पता चला कि उस दिन तहरी बनाई गई थी, लेकिन उसका सैंपल सुरक्षित नहीं रखा गया था। विद्यालय में पर्याप्त राशन भी उपलब्ध नहीं मिला। प्रधानाध्यापक ने बताया कि ग्राम प्रधान की ओर से प्रतिदिन राशन भेजा जाता है। सबसे गंभीर स्थिति भोजन के बर्तनों को लेकर सामने आई। विद्यालय में पर्याप्त बर्तन नहीं होने के कारण बच्चे घर से बर्तन लाकर भोजन कर रहे थे। इसके अलावा हाथ धोने के लिए साबुन और हैंडवॉश की व्यवस्था भी नहीं थी। जिलाधिकारी ने तत्काल बर्तन उपलब्ध कराने तथा साबुन और हैंडवॉश की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को विद्यालय का नियमित निरीक्षण कर व्यवस्थाओं में सुधार कराने को कहा गया।

अप्रैल में भी हुआ था निरीक्षण

तैमूरपुर विद्यालय में 18 अप्रैल 2026 को भी जिलाधिकारी ने औचक निरीक्षण किया था। उस दौरान उन्होंने बच्चों के साथ बैठकर मध्याह्न भोजन किया और भोजन की गुणवत्ता तथा विद्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया था। इसके बाद 14 अगस्त को दोबारा निरीक्षण में बुनियादी कमियां सामने आने से पूर्व दिए गए निर्देशों के अनुपालन पर सवाल खड़े हो गए हैं। इससे पहले 1 फरवरी 2026 को भी तिमरपुर स्थित विद्यालय प्रशासनिक निरीक्षण के दौरान अधिकारियों की निगरानी में आया था। हालांकि उस समय निरीक्षण का संदर्भ मतदाता पुनरीक्षण से जुड़ा था।

निदेशों के बाद भी वही स्थिति, जवाबदेही पर सवाल

लगातार निरीक्षण के बावजूद यदि विद्यालय में बर्तन, साबुन और भोजन के सैंपल जैसी बुनियादी व्यवस्थाएं सुनिश्चित नहीं हो पा रही हैं तो सवाल यह है कि पूर्व में दिए गए निदेशों का अनुपालन किस स्तर पर हुआ। अब तक सामने आई जानकारी में किसी अधिकारी या कर्मचारी की जवाबदेही तय किए जाने अथवा दंडात्मक कार्रवाई किए जाने की बात सामने नहीं आई है। ऐसे में बार-बार केवल सुधार के निर्देश दिए जाने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठ रहे हैं। प्रशासनिक व्यवस्था में निरीक्षण का उद्देश्य केवल कमियां चिन्हित करना नहीं, बल्कि उन्हें दूर कराना और जिम्मेदारी तय करना भी है।

संक्षिप्त खबरें

चौरेश्वर नाथ धाम से निकली दो दिवसीय शिव कांवड़ यात्रा

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के बदलापुर विकास खण्ड अंतर्गत सावन माह के पावन अवसर पर आज दो दिवसीय शिव कांवड़ यात्रा शुरू हुई। चौरेश्वर नाथ धाम छंगापुर पर जलाभिषेक और दर्शन पूजन करने के साथ इस शिव कांवड़ यात्रा का शुभारंभ किया गया। कांवड़ यात्रा 16 अगस्त रविवार को सुबह 8 बजे चौरेश्वर महादेव धाम (छंगापुर) स्थित आदि गंगा गोमती तट से शुरू हुई। श्रद्धालु यहां पवित्र स्नान कर जल भरकर और भगवान शिव का जलाभिषेक किये। इस अवसर पर बदलापुर विधायक रमेश चंद्र मिश्र ने कहा कि लोगों के बीच में हमने कांवड़ यात्रा निकालने का प्रस्ताव रखा था, यह कांवडय यात्रा बदलापुर के लोगों के सहयोग से निकाली जा रही है। बदलापुर दो नदियों के बीच में है । इसलिए बदलापुर को जिला बनाने की मांग की जायेगी। यह यात्रा विभिन्न गांवों और बाजारों से गुजरते हुए दूसरे दिन करसूलनाथ धाम (सई नदी तट, कंधी) पहुंचेगी। पहले दिन की यात्रा चौरेश्वर महादेव धाम से प्रारंभ होकर गठाना मोड़, छंगापुर नहर चौराहा, लेदुका, प्राणपट्टी, मसनपुर बाजार, मछलीगांव, बदलापुर खुर्द बाजार ,दुर्गा मंदिर पर दर्शन पूजन बदलापुर, कमला नगर चौराहा, चकमोलनापुर, चकरियहवा घाट पर स्थित शिव मंदिर पर जलाभिषेक और दर्शन पूजन के साथ कांवड़ यात्रियों पर हेलिकॉप्टर से पुष्प वर्षा की जायेगी। विद्यावती रिसार्ट पर रात्रि विश्राम व भजन संध्या का आयोजन किया जायेगा।

एयरपोर्ट पर चेकिंग के दौरान लाइसेंसी पिस्टल से चली गोली

वाराणसी। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, बाबतपुर पर शनिवार सुबह सुरक्षा जांच के दौरान लाइसेंसी पिस्टल से अचानक गोली चलने से दो सुरक्षा कर्मी घायल हो गए। दोनों को हरहुआ स्थित लक्ष्मी मेमोरियल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत सामान्य बताई जा रही है। घटना के बाद एयरपोर्ट परिसर में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पुलिस और अन्य सुरक्षा अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटना की जांच शुरू कर दी। आजमगढ़ जिले के जौनपुर थाना क्षेत्र के रामगढ़ गांव निवासी करीब 55 वर्षीय कमलेश राय अपनी 50 वर्षीय पत्नी सुषमा राय के साथ एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट संख्या 810 से वाराणसी से मुंबई जाने के लिए एयरपोर्ट पहुंचे थे। सुबह करीब 9:30 बजे सुरक्षा जांच के दौरान उनके ट्रेवलिंग बैग की चेकिंग की जा रही थी। बताया गया कि बैग में कमलेश राय की लाइसेंसी पिस्टल रखी हुई थी, जिसे वह भूलवश बैग में लेकर एयरपोर्ट पहुंच गए थे। सुरक्षा जांच के दौरान पिस्टल में मौजूद राउंड की गिनती किए जाने के समय अचानक फायर हो गया। गोली के रिकोचेट होकर लगने से एयरपोर्ट पर अवख्खरमें सुरक्षा सहायक के पद पर तैनात सुमन कुमारी के दोनों पैरों की जांघ में चोट आई। सुमन कुमारी बिहार के गया जिले के बुनियादगंज थाना क्षेत्र के मानपुर की रहने वाली हैं। वहीं, इसी घटना में बिहार के नालंदा जिले के बिहारशरीफ थाना क्षेत्र के अंबेर रोहिणी रोड निवासी रोहित राज के बाएं हाथ में भी गोली लग गई।

लेखा फार्म में हरियाली तीज कार्यक्रम में उमड़ी महिलाओं की भीड़

आगंतुओ के वाहनों के कारण मुख्य मार्ग का आवागमन रहा प्रभावित

प्रात: किरण संवाददाता

लोनी। हरियाली तीज के पावन पर्व पर लोनी नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रंजीता धाम द्वारा लेखा फार्म हाउस में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं की रिकॉर्ड भीड़ के साथ हजारों की संख्या में क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे। चारों तरफ हरियाली, सजे हुए झूले, लोकगीत, सांस्कृतिक कार्यक्रम और मेंहदी के साथ इस पर्व की रौनक देखते ही बनती थी।झूलों पर महिलाओं और युवतियों ने झूला झूला तथा सावन के पारंपरिक लोकगीतो का लुफ्त उठाया। हरियाली तीज के इस कार्यक्रम में लोनी नगरपालिका क्षेत्र के अधिकांश वार्डों से बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंचीं। भीड़ का आलम यह रहा कि कार्यक्रम स्थल के आसपास सैकड़ों बसों और कारों के काफिले दिखाई दिए तथा बंथला गैस प्लांट के निकट वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। कार्यक्रम स्थल को फूलों और आकर्षक सजावट से सजाया गया। बच्चों के मनोरंजन के लिए जहां मिकी माउस सहित अन्य व्यवस्थाएं की गई थीं वहीं महिलाओं के लिए खास तौर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें गीत-संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियों का महिलाओं ने खूब मनोरंजन किया। कार्यक्रम में मौजूद महिलाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का जमकर आनंद लिया। कार्यक्रम में आने वाली महिलाओं एवं अन्य लोगों के लिए खान-पान की विशेष व्यवस्था की गई थी। महिलाओं की भीड़ का आलम यह था कि दोपहर से ही कार्यक्रम स्थल की ओर महिलाओं के पहुंचने का सिलसिला देर शाम तक जारी रहा। बड़ी संख्या में वाहनों के पहुंचने के कारण बंथला क्षेत्र में यातायात का दबाव बढ़ गया और कई स्थानों पर वाहनों की रफ्तार थम गई। जाम के कारण पुलिस मौके यातायात नियंत्रित करने के प्रयास में जुटी रही। -महिलाओं की ऐतिहासिक भीड़ ने लोगों को राजनीतिक चर्चा के लिए किया मजबूर हरियाली तीज के इस आयोजन में उमड़ी महिलाओं की भारी भीड़ ने लोनी की स्थानीय राजनीति में भी नई चचाओं को जन्म दे दिया है। गौरतलब है कि आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर लोनी क्षेत्र में पहले से ही संभावित दावेदारों और टिकट को लेकर चचाओं का दौर चल रहा है। ऐसे में आयोजित कार्यक्रम में इतनी बड़े स्तर पर उमड़ी महिलाओं की संख्या को राजनीतिक नजरिए से भी देखा जा रहा है। कार्यक्रम में ऐतिहासिक भीड़ को देखकर लोग यह चर्चा करने को मजबूर थे कि क्या यह आयोजन केवल हरियाली तीज के पर्व को लेकर सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम था या इसके पीछे भविष्य की राजनीतिक तैयारियों का संकेत भी छिपा है। हालांकि कार्यक्रम के आयोजकों की ओर से इसे हरियाली तीज के अवसर पर महिलाओं के सम्मान और मनोरंजन के लिए आयोजित कार्यक्रम के रूप में देखा जा रहा है।

बाढ़ के हालात पर प्रभारी मंत्री ने रावली बांध और गलखा देवी मंदिर क्षेत्र का लिया जायजा

प्रभावित परिवारों को बांटी राहत सामग्री, ग्रामीणों से किया संवाद; अधिकारियों को तटबंधों की निगरानी और राहत कार्यों में तेजी के निर्देश

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। बाढ़ की संभावित स्थिति को लेकर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं जनपद के प्रभारी मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने रविवार को बिजनौर तहसील क्षेत्र के रावली बांध और गलखा देवी मंदिर क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने जलस्तर, बांध एवं तटबंधों की स्थिति तथा सिंचाई विभाग की ओर से चलाए जा रहे सुरक्षात्मक कार्यों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री भी वितरित की। निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं और आवश्यकताएं जानीं। उन्होंने कहा कि आपदा की किसी भी परिस्थिति में सरकार प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है और जरूरतमंदों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को ग्रामीण क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने तथा लोगों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री ने सिंचाई विभाग द्वारा कराए जा रहे बचाव एवं सुरक्षात्मक कार्यों का भी जायजा लिया। उन्होंने बांध और तटबंधों की निरंतर निगरानी के साथ कमजोर स्थानों पर तत्काल मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संभावित परिस्थितियों से निपटने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ पूरी तैयारी रखें। इसके बाद प्रभारी मंत्री ने बैराज स्थित सिंचाई विभाग के गेस्ट हाउस में अधिकारियों के साथ बैठक कर जिले की स्थिति की समीक्षा की। बैठक में जलस्तर, बांधों एवं तटबंधों की स्थिति, संवेदनशील क्षेत्रों, राहत-बचाव कार्यों और प्रशासन की तैयारियों की जानकारी ली गई। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता बरती जाए और किसी भी आपात स्थिति में बिना देरी प्रभावी कार्रवाई की जाए।

बाढ़ जैसी स्थिति नहीं, प्रशासन अलर्ट

अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व देवेंद्र पाल सिंह ने प्रभारी मंत्री को बताया कि वर्तमान में जिले में बाढ़ जैसी स्थिति नहीं है और हालात पूरी तरह नियंत्रण में हैं। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी जसजीत कौर के मार्गदर्शन में विभिन्न सुरक्षात्मक एवं बचाव कार्य लगातार जारी हैं। संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी क्षेत्रों में निगरानी कर रहे हैं और आवश्यकता के अनुसार तत्काल कार्रवाई की जा रही है।

बार एसोसिएशन की अनूठी पहल, सम्मानित हुए अधिवक्ता

वरिष्ठों को जीवन गौरव, 32 अधिवक्ताओं को विशिष्ट और 66 युवा अधिवक्ताओं को मिला सम्मान

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बार एसोसिएशन जनपद अमरोहा द्वारा आयोजित अधिवक्ता सम्मान समारोह ऐतिहासिक बन गया। पहली बार आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ताओं के लंबे अनुभव और योगदान को सम्मानित करने के साथ ही युवा अधिवक्ताओं का उत्साह बढ़ाया गया। कार्यक्रम में न्यायिक अधिकारियों, वरिष्ठ अधिवक्ताओं और बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं की मौजूदगी रही। शनिवार को बार एसोसिएशन कार्यालय पर ध्वजारोहण के बाद सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। 45 वर्ष से अधिक समय से वकालत के क्षेत्र में सेवाएं दे रहे वरिष्ठ अधिवक्ताओं को ह्यअधिवक्ता जीवन गौरव सम्मानह्न प्रमाण पत्र एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। वहीं 10 से 45 वर्ष तक वकालत का अनुभव रखने वाले 32 अधिवक्ताओं को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए ह्यविशिष्ट अधिवक्ता सम्मानह्न प्रमाण पत्र एवं शॉल प्रदान किए गए। इसके अलावा एक से पांच वर्ष तथा पांच से दस वर्ष तक विधिक अनुभव रखने वाले 66 युवा अधिवक्ताओं को ह्ययुवा अधिवक्ता गौरव सम्मानह्न प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। बार एसोसिएशन की सदस्यता ग्रहण करने वाले नए अधिवक्ताओं को सदस्यता प्रमाण पत्र के साथ कानूनी किताबों की किट भेंट की गई। इस पहल को युवा अधिवक्ताओं के ज्ञानवर्धन और उनके भविष्य को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद न्यायाधीश श्री विवेक रहे। विशिष्ट अतिथि एवं बार एसोसिएशन अमरोहा के पूर्व सदस्य तथा प्रधान परिवार न्यायाधीश सहारनपुर श्री देवेन्द्र सिंह को प्रशस्ति पत्र, शॉल, लाइव प्लांट, बुके एवं किट भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके अलावा एमएसीटी अध्यक्ष श्री लोकेश राय, प्रधान परिवार न्यायाधीश सुश्री मधुलिका चौधरी, एडीजे/स्पेशल सुश्री नसीमा खानम, एडीजे/पोक्सो द्वितीय श्री अरविन्द शुक्ला, एडीजे/एफटीसी श्रीमती नाजनीन बानो, सीजेएम डॉ. लकी, न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती इन्दू नागर तथा न्यायिक मजिस्ट्रेट/एफटीसी प्रथम श्री नसीम अहमद को भी शॉल एवं लाइव प्लांट भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बार एसोसिएशन अध्यक्ष कपिल कुमार चिकारा एडवोकेट ने की, जबकि संचालन सतीश कुमार त्यागी एवं फराल उज्जमा ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में बार अध्यक्ष कपिल कुमार चिकारा की विशेष भूमिका रही।

जोश, जश्न और उमंग संग मनाया स्वतंत्रता दिवस

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। आईएम इंटर कॉलेज में स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। प्रधानाचार्य डॉ. जमशेद कमाल ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ स्वनियंत्रण, नियमों का पालन, अनुशासन एवं संयम है। मंच पर उनके साथ मौलाना डॉ. एहसन अख्तर भी मौजूद रहे। प्रधानाचार्य ने कहा कि भावी पीढ़ी में कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और स्वच्छता जैसे गुणों का विकास करना जरूरी है। भारत अपनी मंजिल की ओर तेजी से अग्रसर है और धीरे-धीरे उसकी कमजोरियां दूर होती जा रही हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत शीघ्र ही विश्व गुरु बनेगा। उन्होंने कहा कि देश की आजादी अनेक वीरों एवं देशप्रेमियों के बलिदान के बाद मिली है। स्वतंत्रता केवल अधिकार नहीं, बल्कि एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। हमें देश की संस्कृति, स्वदेशी उत्पादों एवं मूल्यों को अपनाकर आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। कई छात्र स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की वेशभूषा में विद्यालय पहुंचे और देशभक्ति का संदेश दिया। छात्रों एवं अध्यापकों ने राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया।

स्वतंत्रता दिवस पर शहीदों को नमन कर्तव्यनिष्ठा को बताया सच्ची देशभक्ति

कलेक्ट्रेट में ध्वजारोहण के साथ मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों व पूर्व सैनिकों का हुआ सम्मान

प्रात: किरण संवाददाता, इकरामुद्दीन मलिक

अमरोहा। जनपद में 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कलेक्ट्रेट परिसर में जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान के बाद शांति के प्रतीक कबूतर उड़ाकर शांति और भाईचारे का संदेश दिया गया। इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, शहीदों के परिजनों एवं पूर्व सैनिकों को माला पहनाकर तथा अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति एवं भारतीय संस्कृति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को जिलाधिकारी ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया तथा शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं वीर सैनिकों को नमन किया। जिलाधिकारी ने कहा कि स्वतंत्रता के साथ हमें अपने मौलिक अधिकारों के अलावा मौलिक कर्तव्यों का भी पालन करना चाहिए। विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रत्येक नागरिक को अपने दायित्वों का ईमानदारी और निष्ठा से निर्वहन करना होगा। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से सरकार की योजनाओं का धरातल पर शत-प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति वर्दी पहनकर या सीमा पर जाकर ही देश की सेवा नहीं कर सकता। डॉक्टर, इंजीनियर, शिक्षक, व्यापारी या प्रशासनिक अधिकारी सहित प्रत्येक व्यक्ति अपने निर्धारित कार्य को पूरी निष्ठा एवं लगन से करे, यही सच्ची देशभक्ति है। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गरिमा सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता लंबे संघर्ष और बलिदानों के बाद मिली है, इसलिए इसे संजोकर रखना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेन्द्र प्रताप सिंह ने भी स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए नागरिकों से अपने दायित्वों का जिम्मेदारी से निर्वहन कर देश के विकास में भागीदार बनने का आह्वान किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने आपदा मित्रों की रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में डिप्टी कलेक्टर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

सर्किल रेट वृद्धि से किसानों को लाभ की जानकारी दी

अमरोहा। जिलाधिकारी ने अमरोहा से हरिद्वार गंगा एक्सप्रेस-वे से संबंधित सर्किल रेट वृद्धि की जानकारी देते हुए बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में 10 प्रतिशत, विकासशील ग्रामों में 15 प्रतिशत, नगरीय क्षेत्रों में 20 प्रतिशत तथा पिछले तीन वर्षों से वृद्धि न होने वाले क्षेत्रों में 30 प्रतिशत तक वृद्धि की गई है। कुछ गांवों में विषमता दूर करने के लिए 48 प्रतिशत तक वृद्धि की गई है। उन्होंने कहा कि इससे ढाई लाख से अधिक किसान परिवारों को लाभ मिलेगा

मकतब जीशान में धूमधाम से मनाया गया 80वां स्वतंत्रता दिवस

शान से फहराया गया तिरंगा, बच्चों ने गाया कौमी तराना; निकाली गई भव्य तिरंगा रैली

प्रात: किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

स्योहारा। मकतब जीशान कैसर व आल में मौलाना अरशद अली हक्की एवं कारी मुजम्मिल अहमद की देखरेख में 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुफ्ती अकील अहमद, चौधरी महफूज एडवोकेट एवं हाफिज मंसूर अली ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया। इसके बाद तलबा एवं उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से कौमी तराना गाया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि देश की आजादी बुजुर्गों, उलेमा और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की कुर्बानियों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि आज हम जिस आजाद वातावरण में सांस ले रहे हैं, उसके लिए देश के वीरों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया। सभी को स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करते हुए देश की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। वक्ताओं ने देश की गंगा-जमुनी तहजीब और सभी नागरिकों को अपने-अपने धर्म का पालन करने के अधिकार को भी रेखांकित किया ।कार्यक्रम के बाद मकतब के बच्चों ने शिक्षकों की निगरानी में भव्य तिरंगा रैली निकाली। रैली मकतब से शुरू होकर मीना मार्केट होते हुए चेयरमैन फैसल वारसी के आवास पहुंची। यहां नगर पालिका सदस्य सुलेमान अहमद एवं अन्य जिम्मेदार लोगों ने बच्चों का स्वागत कर उन्हें मिठाई खिलाई। इसके बाद रैली सब्जी मंडी और पीर का बाजार होते हुए भैया जी एंड संस क्लॉथ हाउस पहुंची। क्लॉथ हाउस पर हाजी शहबाज जमाल, हाजी सरफराज जमाल, चौधरी बब्बू, सुल्तान अहमद, अरशद जलील, मौ. माज व अन्य लोगों ने रैली का गर्मजोशी से स्वागत किया। यहां भी तिरंगा फहराकर कौमी तराना गाया गया तथा बच्चों को मिठाई वितरित की गई। इसके बाद रैली विभिन्न मार्गों से होते हुए वापस मकतब पहुंचकर संपन्न हुई।

दढ़ियाल में मोबाइल सेंटर का उद्घाटन, मुंडिया रसूलपुर में विधायक ने गिनाईं विकास की उपलब्धियां

विधायक शफीक अहमद अंसारी ने कहा– सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता

प्रात: किरण संवाददाता

दढ़ियाल/रामपुर। स्वार-टांडा विधानसभा क्षेत्र के विधायक शफीक अहमद अंसारी ने रविवार को क्षेत्र में जनसंपर्क एवं विकास कार्यों से जुड़े दो कार्यक्रमों में शिरकत की। सबसे पहले उन्होंने नगर पंचायत दढ़ियाल पहुंचकर एसएन मोबाइल एंड रिपेयरिंग सेंटर का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस दौरान क्षेत्र के गणमान्य लोग, व्यापारी और बड़ी संख्या में युवा मौजूद रहे। उद्घाटन के बाद विधायक ने मोबाइल सेंटर का निरीक्षण किया और संचालकों को शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि छोटे व्यवसायों को बढ़ावा देना युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। तकनीक के इस दौर में मोबाइल रिपेयरिंग सेंटर खुलने से स्थानीय लोगों को सुविधाएं मिलेंगी और युवाओं को रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे। इसके बाद विधायक शफीक अहमद अंसारी ग्राम मुंडिया रसूलपुर पहुंचे, जहां महात्मा गांधी इंडियन स्कूल के प्रांगण में विशाल जनसभा का आयोजन किया गया। जनसभा को संबोधित करते हुए विधायक ने विधानसभा क्षेत्र में कराए जा रहे विकास कार्यों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य उनकी प्राथमिकताओं में शामिल हैं। स्वार-टांडा विधानसभा क्षेत्र को विकास के मामले में आगे ले जाना उनका लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक गांव और मोहल्ले तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। जनसभा के दौरान लोगों ने विधायक का फूल-मालाओं से स्वागत किया और क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। विधायक ने समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से उनके शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए।

मदरसा फैज-ए-आम में धूमधाम से मनाया गया यौमे आजादी

तिरंगा फहराकर गाया कौमी तराना, मुल्क की तरक्की और अमनो-अमान के लिए की गई दुआ

प्रात: किरण संवाददाता

स्योहारा। मदरसा इस्लामिया अरबिया फैज-ए-आम शाही स्योहारा में 15 अगस्त को यौमे आजादी का 80वां जश्न बड़े ही हर्षोल्लास और उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मदरसा कमेटी के वरिष्ठ सदस्य मोहम्मद शाकिर ने शान के साथ कौमी तिरंगा फहराया। इसके बाद मदरसे के छात्र-छात्राओं ने कौमी तराना प्रस्तुत किया तथा नात-ए-पाक पढ़कर सुनाई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मदरसे के जनरल सेक्रेटरी हाजी मोहम्मद इलियास, उस्ताद कारी मोहम्मद शाहिद अली व अन्य वक्ताओं ने कहा कि देश की आजादी हमारे बुजुर्गों, उलमा और स्वतंत्रता सेनानियों की कुर्बानियों का नतीजा है। उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना देश की आजादी के लिए हंसते-हंसते अपनी जान कुर्बान कर दी। आज हम उन्हीं की कुर्बानियों की बदौलत आजाद माहौल में सांस ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी देशवासियों को देश की सेवा और तरक्की के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। भारत की खूबसूरती इसकी गंगा-जमुनी तहजीब और विभिन्न धर्मों के लोगों का आपसी भाईचारा है। संविधान ने सभी नागरिकों को बराबरी का अधिकार दिया है और प्रत्येक व्यक्ति को अपने धर्म का पालन करने की स्वतंत्रता है। कार्यक्रम के अंत में देश में अमनो-अमान, खुशहाली और तरक्की के लिए दुआ कराई गई। इसके बाद कार्यक्रम में शामिल विद्यार्थियों व अन्य लोगों को मिठाई वितरित की गई। इस मौके पर हाजी मोहम्मद इलियास, कारी मोहम्मद शाहिद, मुफ्ती हनीफ अहमद अंसारी, कारी जाकिर अली, चौधरी शाकिर अली, चौधरी जकी, हाफिज आफताब, मुअज्जिन समून अहमद सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

वेंक्टेश्वरा में देशभक्ति के रंग में रंगा स्वतंत्रता दिवस समारोह

101 फीट ऊंचे तिरंगे का ध्वजारोहण, परेड की सलामी और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समां

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय/संस्थान में 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभक्ति से ओत-प्रोत भव्य समारोह का आयोजन किया गया। 101 फीट ऊंचे विशाल तिरंगे का ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली गई। इस दौरान प्रभात फेरी, तिरंगा रैली, सांस्कृतिक कार्यक्रम, नृत्य, संगीत एवं काव्य प्रस्तुतियों सहित एक दर्जन से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मुंबई से आए प्रसिद्ध स्टेज आर्टिस्ट निखिल संघानी, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, कुलपति प्रो. कृष्ण कान्त दवे, डॉ. मधु चतुर्वेदी, प्रतिकुलपति डॉ. मानस रंजन सहित अन्य अतिथियों ने भारत माता की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर एवं ध्वजारोहण करके किया। निखिल संघानी ने देशभक्ति की शानदार प्रस्तुतियों से उपस्थित लोगों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। समूह के संस्थापक अध्यक्ष सुधीर गिरि ने कहा कि देश सेवा केवल सीमा पर जाकर दुश्मनों से लड़ना ही नहीं है। आम नागरिक भी अपने-अपने कार्यक्षेत्र में ईमानदारी और निष्ठा से कार्य कर भ्रष्टाचार मुक्त अखंड भारत के निर्माण में योगदान दे सकते हैं। उन्होंने पॉलीथिन का प्रयोग न करने, टैक्स चोरी से बचने, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैलाने और महिला सशक्तिकरण के साथ स्वस्थ, स्वच्छ एवं समृद्ध भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी ने कहा कि तिरंगे की आन-बान और शान तथा राष्ट्रवाद एवं देशप्रेम से बढ़कर कुछ भी नहीं है। कुलपति प्रो. कृष्ण कान्त दवे ने कहा कि विकसित और भ्रष्टाचार मुक्त भारत के निर्माण के लिए प्रत्येक नागरिक को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।समारोह में विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों और मेधावी विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। छात्र-छात्राओं ने विभिन्न देशभक्ति एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को यादगार बना दिया। इस अवसर पर डॉ. बीएस त्यागी, एचआर हेड कुलदीप सिंह, रंजीत सिंह मुलतानी, एपीओ कृष्ण गुजर, डॉ. रामकुमार, एसएस बघेल, संजीव राय, विवेक शर्मा, राजू, सचिन, राहुल, विनीत, प्रीतपाल सिंह, डॉ. पंकज चौधरी, बालाजी मल्यप्पन एवं मीडिया प्रभारी विश्वास राणा सहित अन्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनिकेत पंत एवं वैभव कुमार ने किया।

छोटे करके दोनों फोटो लगाने का कष्ट करें

प्रात: किरण संवाददाता

गजरौला। वासी सहसौली, सिहाली जागीर स्थित अंजुमन-ए-अशरफ फामेर्सी कॉलेज में 15 अगस्त को 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह हर्षोल्लास एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के संस्थापक शाहबुद्दीन अली खां मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया, जिसके बाद उपस्थित सभी लोगों ने राष्ट्रगान गाया। इस दौरान स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग एवं बलिदान को याद करते हुए देश की एकता, अखंडता और प्रगति के लिए कार्य करने का संकल्प लिया गया। समारोह में कॉलेज के प्रधानाचार्य सहित शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत वातावरण बना रहा। समारोह का समापन राष्ट्रहित एवं देश की प्रगति के संकल्प के साथ किया गया।

भाजयुमो ने निकाली भव्य बाइक रैली, तिरंगों से सजा नजर आया मार्ग

प्रात: किरण संवाददाता

मसवासी। भारतीय जनता युवा मोर्चा स्वार ग्रामीण मंडल के तत्वावधान में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ग्राम बिजारखाता से भव्य बाइक रैली निकाली गई। रैली का शुभारंभ भाजपा जिलाध्यक्ष ऋषभ ठाकुर ने फीता काटकर किया। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजयुमो कार्यकताओं ने बाइक रैली में उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली में शामिल युवा हाथों में तिरंगा लेकर डीजे की धुन और देशभक्ति गीतों के बीच भारत माता की जय तथा वंदे मातरम के जयघोष करते हुए आगे बढ़े। तिरंगों से सजी बाइक रैली ने क्षेत्र में देशभक्ति का माहौल बना दिया। जगह-जगह लोगों ने रैली का स्वागत किया। रैली भारतीय जनता युवा मोर्चा स्वार ग्रामीण मंडल के महामंत्री परमिंदर मौर्य के ग्राम बिजारखाता स्थित निवास से शुरू होकर सुल्तानपुर पट्टी स्थित हाईवे पर ढिल्लन ढाबे तक पहुंची। रैली के दौरान कार्यकताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर भाजयुमो स्वार ग्रामीण मंडल अध्यक्ष राजेश यादव, पन्नालाल सैनी, नगर पंचायत मसवासी के निवर्तमान अध्यक्ष हरिओम मौर्य, भाजयुमो जिला कार्यालय प्रभारी मयंक मौर्य, भाजपा ओबीसी मोर्चा जिला मीडिया प्रभारी संजीव कुमार वर्मा, संजय कश्यप, योगेश वर्मा, विकास देवल, चमन मौर्य, अविनाश मौर्य, धर्मवीर सिंह, गजेंद्र सिंह, विनोद प्रधान, रवि कुमार, देवेंद्र यादव, नितिन यादव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

80 वे स्वतंत्रता दिवस पर लोनी में चौतरफा रही तिरंगे की धूम

प्रात: किरण संवाददाता

लोनी। भारतीय स्वतंत्रता दिवस पर लोनी के सभी सरकारी कार्यालयों के साथ-साथ क्षेत्र की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के बीच झंडारोहण की धूम रही। इस ऐतिहासिक अवसर पर देश भक्ति के रंग में रंगे क्षेत्रीय नागरिकों के बीच एक अलग ही उत्साह देखने को मिला।

निर्धारित समयनुसार सुबह 8 बजे झंडारोहण की कड़ी में लोनी नगर पालिका व तहसील प्रांगण में उपजिलाधिकारी, अधिशासी अधिकारी एवं नगर पालिका चेयरमैन श्रीमती रंजीता धामा ने संयुक्त रूप से मिलकर झंडारोहण किया। इस अवसर पर नगर पालिका अधिशासी अधिकारी के अलावा अन्य विभागीय अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे। लोनी विकास खंड कार्यालय पर ब्लॉक प्रमुख ने राष्ट्रीय ध्वज लहराया तो क्षेत्र के सभी थाना प्रभारियो द्वारा थाना प्रांगण में झंडारोहण किया गया. इस मौके पर अन्य पुलिस कर्मी मौजूद रहे जहां सभी ने मिलकर राष्ट्रीय गान किया। एसीपी लोनी व अंकुर विहार कार्यालय में क्रमशः सहायक पुलिस आयुक्त रामकिशन राणा व अमरदीप मौर्य ने राष्ट्रीय ध्वज लहराया। इस दौरान कार्यालय के अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे। उपरोक्त अतिरिक्त लोनी इंटर कॉलेज, विद्युत खंड के अलावा विभिन्न सामाजिक संगठनों ने अपने-अपने कार्यालय पर ध्वजारोहण करते हुए देश के अमर शहीदों को याद किया।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com
राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, सोमवार, 17 अगस्त, 2026

इमरान हाशमी ने ली आवारापन से 10 गुना ज्यादा फीस! दिशा और शबाना आजमी की फीस भी आई सामने

इमरान हाशमी की कल्ट क्लाकिस फिल्म 'आवारापन' का सीक्वल 'आवारापन 2' जल्द सिनेमाघरों में दस्तक देने वाला है। फिल्म में दिशा पटानी और शबाना आजनी भी अहम किरदारों में नजर आएंगी। जानिए इन एक्टर्स ने फिल्म के लिए कितनी फीस चार्ज की है। फिल्म 'आवारापन 2' को लेकर दर्शकों के बीच काफी बज बना हुआ है। फिल्म की रिलीज से पहले अब इसकी स्टारकास्ट की कथित फीस को लेकर भी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, इमरान हाशमी फिल्म के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले एक्टर हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, इमरान हाशमी को 'आवारापन 2' में अपने आइकॉनिक किरदार शिव पंडित को दोबारा निभाने के लिए करीब 12 करोड़ रुपये फीस दी जा रही है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि यह फीस उन्हें 2007 में आई पहली फिल्म 'आवारापन' के लिए मिली रकम से करीब 10 गुना ज्यादा है।

दिशा पटानी की फीस कितनी

फिल्म में दिशा पाटनी भी अहम भूमिका में नजर आएंगी। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्हें 'आवारापन 2' के लिए करीब 5 करोड़ रुपये फीस मिल रही है। दिग्गज अभिनेत्री शबाना आजमी भी 'आवारापन 2' का हिस्सा हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फिल्म में अहम भूमिका निभाने के लिए उन्हें करीब 2 करोड़ से 5 करोड़ रुपये के बीच फीस दी गई है। फिलहाल ये सभी फीस के आंकड़े रिपोर्ट्स पर आधारित हैं और मेकर्स या कलाकारों की तरफ से इनकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

कब रिलीज होगी 'आवारापन 2'

'आवारापन 2' में इमरान हाशमी एक बार फिर शिवम पंडित के किरदार में नजर आएंगे। उनके साथ दिशा पटानी, शबाना आजमी, सुविंदर विक्की, विजयंथ कोहली, अनिरुद्ध रावल और अतुल कुमार भी फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म का म्यूजिक मिथुन, जीत गांगुली, अमाल मलिक और अखिल सचदेवा ने दिया है, जबकि डायरेक्शन नितिन कक्कड़ कर रहे हैं।

रुक्मिणी वसंत ने निन पाउली के साथ अपनी अगली फिल्म की शूटिंग की शुरू

रुक्मिणी वसंत का करियर रुकने का नाम ही नहीं ले रहा! एक के बाद एक नए प्रोजेक्ट्स के साथ अब एक्ट्रेस ने अपनी अगली फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है, यानी उनकी बढ़ती-चढ़ती फिल्मोग्राफी में एक और एक्साइटिंग प्रोजेक्ट की एंट्री हो गई है। हाल ही में रुक्मिणी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म के क्लैपबोर्ड की एक झलक शेयर करते हुए शूटिंग शुरू होने की ऑफिशियल अनाउंसमेंट कर दी। इस अनटाइटल्ड मलयालम फिल्म में रुक्मिणी के साथ मलयालम स्टार निन पाउली नजर आएंगे। यानी साउथ के दो टैलेंटेड स्टार्स का ये कॉम्बिनेशन पहले से ही काफी इंटरेस्टिंग लग रहा है। सेट से एक झलक शेयर करते हुए रुक्मिणी ने लिखा, 'और बस, ये सफर शुरू हो गया।

किसी ऐसी जगह का हिस्सा बनना, जिसे आपने इतने लंबे समय तक दूर से निहारा और सराहा हो, अपने आप में बेहद खास एहसास है। और अब उसी जगह का एक छोटा सा हिस्सा बन पाना मेरे लिए वाकई बहुत स्पेशल फर्स्ट है। इस प्रोजेक्ट के लिए दिल से शुक्रगुज़ार हूँ '। अब फिल्म की टीम भी इसकी एक्साइटमेंट को और बढ़ा रही है। इस प्रोजेक्ट को चार्ली और नयट्ट जैसी शानदार फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले फिल्ममेकर-प्रोड्यूसर मार्टिन प्रक्कट का सपोर्ट मिला है। वहीं जय जय जय जय जय हे के राइटर्स में शामिल रहे नाशिद इस फिल्म को डायरेक्ट कर रहे हैं। रुक्मिणी वसंत और निन पाउली के साथ इन नामों का जुड़ना हक्क1 को मलयालम सिनेमा की मोस्ट इंटरेस्टिंग अपकमिंग फिल्मों में से एक बना रहा है। सप्त सागरदाचे एलो और कंतारा जैसी फिल्मों में अपनी शानदार परफॉर्मेंस से रुक्मिणी ने अपनी अलग पहचान बनाई है। कभी सिर्फ एक प्रॉमिसिंग कन्नड़ टैलेंट के तौर पर देखी जाने वाली रुक्मिणी अब धीरे-धीरे पूरे साउथ इंडियन सिनेमा में सबसे ज्यादा डिमांड वाली यंग एक्ट्रेसेस में अपनी जगह बना चुकी हैं। रुक्मिणी अब टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स को लेकर भी तैयार हैं। इसके अलावा उनके खाते में मच-अवेटेड बिग-टिकट फिल्म ड्रैगन भी है। शानदार परफॉर्मेंस, अलग-अलग तरह के किरदार और बड़े पैन-इंडियन प्रोजेक्ट्स के साथ रुक्मिणी का करियर फुल स्पीड में आगे बढ़ रहा है। ऐसे में उनका ये नया मलयालम प्रोजेक्ट उनकी तेजी से शानदार होती करियर जर्नी में एक और एक्साइटिंग चैप्टर जोड़ता नजर आ रहा है।

पति हिमांशु मल्होत्रा संग तलाक की खबरों पर फूटा अमृता खानविलकर का गुस्सा

अभिनेत्री अमृता खानविलकर और हिमांशु मल्होत्रा काफी वक्त से अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। बी-टाउन में काफी वक्त से ऐसी अटकलें लग रही हैं कि इनके रिश्ते में दरार आ गई है और तलाक हो रहा है। इन्हें अमृता ने निराधार बताया है। साथ निजी जिंदगी को लेकर ऐसी अफवाहें प्रसारित करने वालों को भी चेताया है।

लीगल टीम ने जारी की चेतावनी

अभिनेत्री अमृता के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया गया है। इसमें उनकी लीगल टीम की तरफ से इस तरह की खबरों को एकदम निराधार बताया गया है। साथ ही अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी एक्शन लेने की चेतावनी भी दी है।

अमृता की कानूनी टीम ने नोट साझा करते हुए लिखा है, 'आधिकारिक कानूनी बयान - 10 अगस्त 2026 से लागू। हमारे ध्यान में आया है कि कुछ ऑनलाइन, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म अमृता खानविलकर और उनके निजी जीवन के बारे में ऐसा कंटेंट फैला रहे हैं, जो बेबुनियाद है। यह प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने वाला है और उनकी प्राइवेसी का उल्लंघन करता है। आगे लिखा है, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान किया जाता है, लेकिन अमृता खानविलकर के बारे में मानहानि वाले बयान, अफवाहें, बिना पुष्टि वाले आरोप या गुमराह करने वाली जानकारी फैलाने या शेयर करने के लिए इस स्वतंत्रता का कोई भी गलत इस्तेमाल गंभीरता से लिया जाएगा। जहां भी उपलब्ध सबूतों से पुष्टि होती है, वहां ऐसे कंटेंट को बनाने, फैलाने या शेयर करने के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों, संस्थाओं या संगठनों के खिलाफ लागू कानून के अनुसार उचित कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी। ऐसे सभी मामलों पर नजर रखी जा रही है और उचित कानूनी कार्रवाई के लिए उनका रिकॉर्ड रखा जा रहा है।

मराठी फिल्म जगत की चर्चित अभिनेत्री अमृता खानविलकर की शादी हिमांशु मल्होत्रा के साथ साल 2015 में हुई थी। दोनों की मुलाकात साल 2004 में हुई थी। लंबे वक्त तक दोनों रिलेशनशिल में रहे। फिर साल 2015 में शादी का फैसला लिया।

'टॉक्सिक' से नहीं होगी 'ईठा' की टक्कर आयुष्मान की 'उड़ता तीर' की भी रिलीज डेट अनाउंस

बॉलीवुड की दो मच अवेटेड फिल्मों की रिलीज डेट मेकर्स ने अनाउंस की। जहां एक और आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की फिल्म 'उड़ता तीर' के मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट तय की। वहीं दूसरी तरफ श्रद्धा कपूर की फिल्म 'ईठा' के मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट आगे बढ़ा ली। अब ये दोनों फिल्में कब रिलीज होगीं

कब रिलीज होगी फिल्म 'ईठा'

श्रद्धा कपूर की बहुप्रतिक्षित फिल्म 'ईठा' का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म लावणी साम्रज्ञी विठाबाई नारायणगावकर के जीवन पर आधारित है, जिन्होंने पांच दशक तक लावणी लोककला को अपना जीवन समर्पित किया।

'टॉक्सिक' से टाला क्लैश

पहले यह फिल्म इसी महीने 28 अगस्त को रिलीज होने वाली थी, जहां इसकी टक्कर 26 अगस्त को रिलीज होने जा रही मल्टीस्टारर फिल्म 'टॉक्सिक' से होती। अब मेकर्स ने इसे 4 दिसंबर 2026 को रिलीज करने का फैसला किया है। इस फिल्म का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर ने किया है। फिल्म में श्रद्धा के अलावा रणदीप हुड्डा और मोहम्मद जीशान अय्यूब भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

सिनेमाघर में प्रभास की फिल्म में होगा सामना

भले ही फिल्म 'ईठा' ने 'टॉक्सिक' से टकराव बचा लिया है पर 4 दिसंबर को इसका टकराव प्रभास की फिल्म 'फौजी' से होगा। फिलहाल 'फौजी' की रिलीज डेट 3 दिसंबर 2026 है। 'फौजी' का निर्देशन हनु राघवपुडी ने किया है। फिल्म की कास्ट में प्रभास के अलावा मिथुन चक्रवर्ती, जया प्रदा और अनुपम खेर भी हैं।

कब रिलीज होगी फिल्म 'उड़ता तीर'

फिल्म 'उड़ता तीर' से आयुष्मान खुराना और सारा अली खान एक बार फिर पर्दे पर साथ नजर आने वाले हैं। यह एक स्पाई-कॉमेडी फिल्म है जो 9 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन आकाश ए. कौशिक ने किया है। वहीं फिल्म में निर्माताओं की लंबी लिस्ट है। फिल्म का निर्माण करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता, गुनीत मोंगा कपूर और अचिन जैन मिलकर कर रहे हैं।

व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा मामले में तब्बू के बाद जान्हवी कपूर को राहत

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने तमाम सहूलियतें दी हैं, तो इसके नुकसान भी हैं। एआई के जरिए किसी की तस्वीरों व वीडियो आदि से छेड़छाड़ कर गलत इस्तेमाल किया जा सकता है। किसी की प्रतिष्ठा दांव पर लग सकती है। इसके नुकसान को लेकर फिल्मी सितारे काफी सतर्क हैं और उन्होंने अदालत का रुख किया है। बीते दिनों तब्बू ने कोर्ट का दरवाजा खटखाया था। कोर्ट ने उन्हें राहत भी दी। इसके बाद जान्हवी कपूर ने भी अपने व्यकित्व अधिकारों की सुरक्षा की मांग की।

जान्हवी कपूर ने क्या मांग की?

जान्हवी कपूर ने अपने व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया था।अभिनेत्री ने 5,000 से अधिक वेबपेज, पोस्ट और एआई कंटेंट हटाने की मांग की थी। साथ ही फैन पेज पर रोक लगाने की भी मांग की। बीते दिन मंगलवार को कोर्ट ने जान्हवी से जुड़े अश्लील और पोर्नोग्राफिक ऑनलाइन कंटेंट को हटाने का अंतरिम आदेश दिया।

अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने 5,000 से अधिक वेबपेज, सोशल मीडिया पोस्ट, एआई-जनरेटेड पोर्नोग्राफिक कंटेंट, फर्जी अकाउंट, नकली बुकिंग एजेंसियों और चैटबॉट्स को हटाने की मांग की थी। अदालत ने कहा कि याचिका में मांगी गई राहत और दलीलें व्यापक हैं। अदालत ने जान्हवी कपूर के वकील को उन वेबपेजों की सूची देने को कहा गया, जिन पर स्पष्ट रूप से अश्लील कंटेंट है अथवा उनके व्यक्तित्व का इस्तेमाल कर वस्तुओं या सेवाओं की बिक्री की जा रही है। हालांकि, अदालत ने फैन पेज हटाने से इनकार कर दिया है। ऐसा करते हुए कोर्ट ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हवाला दिया।

तब्बू ने भी खटखटाया था दरवाजा

इससे पहले व्यक्तिव अधिकारों को लेकर तब्बू ने भी दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इस मामले में अदालत ने अभिनेत्री को राहत दी। कोर्ट ने तब्बू के नाम, तस्वीर, आवाज या व्यक्तित्व की अन्य विशेषताओं का बिना अनुमति व्यावसायिक या अनुचित इस्तेमाल करने पर रोक लगा दी है। इसी के साथ अदालत ने गूगल, एक्स (ट्विटर) और रेडिट समेत कई डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को आदेश दिया गया है कि वे तब्बू से जुड़े एआई जेनेरेटिड, डीपफेक, अपमानजनक व आपत्तिजनक कंटेंट को तुरंत हटाएं।

ये सितारे भी पहुंचे अदालत की शरण में

इससे पहले बीते महीने ही अभिनेत्री प्रीति जिंटा ने अपनी एआई से बनीं डीपफेक तस्वीरों और मॉर्फ्ड कंटेंट के खिलाफ अदालत का रुख किया। उन्होंने याचिका दायर कर इस किस्म के कंटेंट पर तुरंत रोक लगाने की मांग की। इस मामले में उन्हें भी अदालत से राहत मिली। पब्लिसिटी और व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा की मांग करते हुए अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय भी अदालत का दरवाजा खटखटा चुके हैं। इनके अलावा ऋतिक रोशन, करण जौहर, अक्षय कुमार, कुमार सानू और अक्किनेनी नागार्जुन समेत तमाम सितारे अपने व्यक्तित्व अधिकार की सुरक्षा की मांग करते हुए अदालत की शरण में पहुंच चुके हैं।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, सोमवार, 17 अगस्त, 2026

18 अगस्त को खुल रहा है इस फिल्म बनाने वाली कंपनी का आईपीएओ, ग्रे मार्केट में स्थिति काफी मजबूतः नईदिल्ली, एजेंसी। इस हफ्ते कई कंपनियों के आईपीओ खुलने जा रहे हैं। इन कंपनियों में सनसाइन पिक्चर्स आईपीओ भी एक है। कंपनी ग्रे मार्केट में शानदार प्रदर्शन कर रही है। बता दें, कंपनी के आईपीओ का साइज 282.14 करोड़ रुपये का है। आईपीओ के जरिए कंपनी 48 लाख फ्रेश शेयर जारी करेगी।

सरसों का तेल 220 रुपये के पार, मूंगफली और पाम ऑयल की कीमतों में भी लगी आगः नईदिल्ली, एजेंसी। इस समय खाद्य तेल की कीमतों में आग लगी हुई है। सरसों के तेल से लेकर और पाम ऑयल, मूंगफली के तेल की कीमतों में पिछली साल की तुलना में अधिक तेजी देखने को मिल रही है। इस मौसम में खाने-पाने के सामने के दाम अमूमन बढ़ जाते हैं। सब्जियों की कीमतों में भी उछाल देखने को मिल रही है। बारिश की वजह सप्लाई पर असर पड़ा है। जिसका असर कीमतों में दिख रहा है।

आरडीबी ग्रुप और प्रिमार्क ग्रुप ने भोपाल में एक नए सफर की शुरुआत की

भोपाल, एजेंसी। भोपाल में आरडीबी ग्रुप और प्रिमार्क ग्रुप ने अपनी साझेदारी की शुरुआत की है, जो शहर के विकास और उसकी बढ़ती उम्मीदों के प्रति उनकी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस साझेदारी में रियल एस्टेट, इंफ्रास्ट्रक्चर और शहरी विकास के क्षेत्रों का दशकों का अनुभव साथ आया है। यह दिखाता है कि दोनों समूह सिर्फ शहर के निर्माण में ही नहीं, बल्कि इसकी सोच और संस्कृति को भी आगे बढ़ाने में साथ काम करना चाहते हैं। विचारों और बातचीत से भी होता है। इसी सोच के साथ, उन्होंने साहित्य, शिक्षा, सिनेमा, शासन और सार्वजनिक जीवन से जुड़ी जानी-मानी हस्तियों को एक मंच पर बुलाया, ताकि देश के लिए अहम मुद्दों पर गंभीर चर्चा हो सके। इस पहल की शुरुआत नक्सल मुक्त भारत के भोपाल लॉन्च के साथ हुई, जिसके बाद इंडियाज़ लॉन्ग बैटल अगेंस्ट लेफ्ट-विंग एक्सट्रीमिज्मः लीडरशिप, गवर्नेंस एंड नेशन बिल्डिंग (वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ भारत की लंबी लड़ाईः नेतृत्व, शासन और राष्ट्र निर्माण) विषय पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई। इस चर्चा में अलग-अलग नज़रियों से शासन, मजबूती, सामाजिक बदलाव और राष्ट्र निर्माण के बड़े विषयों पर बात हुई। इस पैनल में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और लेखक तुहिन ए. सिन्हा, दर्शनशास्त्र के सहायक प्राध्यापक और भारतीय ज्ञान परंपरा के विद्वान डॉ. आलोक कुमार द्विवेदी, मार्केट माईबुक की संस्थापक और हार्परकॉलिन्स इंडिया में मार्केटिंग की पूर्व हेड लिपिका भूषण, और द केरल स्टोरी और बस्तरः द नक्सल स्टोरी के निर्देशक व राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता सुदीप्तो सेन शामिल थे।

महिंद्रा का ब्लेज़ो आई-टीआरकेः भारत में अधिक लाभदायक और इंटेलिजेंट ट्रकिंग के नए मानक स्थापित करेगा

मुंबई, एजेंसी। महिंद्रा ट्रक एंड बस, जोकि महिंद्रा ग्रुप का हिस्सा है, ने आज ऑल-न्यू ब्लेज़ो आई-टीआरके को लॉन्च करने की घोषणा की। यह नए दौर का हैवी कमर्शियल ट्रक ट्रांसपोर्टर्स और फ्लीट मालिकों से एक ही मुख्य वादा करता हैः प्रॉफिट का रॉकेट।

महज़ एक ट्रक से बढ़कर, ब्लेज़ो आई-टीआरके को पूरे बिजनेस के समाधान के रूप में तैयार किया गया है। यह बेहतरीन माइलेज, पावरफुल इंजन, स्मार्ट कनेक्टेड तकनीक और उद्योग में सबसे बेहतरीन अपटाइम गारंटी का शानदार मेल है। यह ग्राहकों को कमाई बढ़ाने, काम की रफ्तार सुधारने, चलाने का खर्च घटाने और अपनी

गाड़ियों पर बेहतर कंट्रोल रखने में मदद करता है। 10 प्रतिशत तक बेहतर माइलेज देने वाला ब्लेज़ो आई-टीआरके ईंधन की हर बूंद से अधिकतम लाभ निकालने के लिए कई एडवांस तकनीकों का इस्तेमाल करता है। इनमें एआई-संचालित आईफ्यूलस्मार्ट ऑटो ड्राइव मोड, टर्बोमैक्स टर्बोचार्जर, ऑप्टिफ्यूल एयर कंप्रेसर और कई अन्य हार्डवेयर व सॉफ्टवेयर समाधान शामिल हैं। यह बचत 5 सालों में प्रति ट्रक 15 लाख* रुपये तक के अतिरिक्त मुनाफे में बदल सकती है, जिससे ग्राहकों को अपना व्यवसाय तेज़ी से बढ़ाने में मदद मिलती है। लॉन्च के अवसर पर, महिंद्रा ग्रुप के ग्रुप एग्जीक्यूटिव बोर्ड के सदस्य, एसएमएल महिंद्रा के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन एवं ट्रक्स एंड बसेस के प्रेसिडेंट, श्री विनोद सहाय ने कहा, , भारत का फ्रेट और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र विकास के एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, जहाँ तकनीक, विश्वसनीयता और परिचालन दक्षता ही प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त तय करेंगे, और रीसेल जैसे पुराने विचार अब काम के नहीं रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

मेरी सबसे बड़ी जिम्मेदारियों में से एक है अपनी संपत्तियों का बुद्धिमानी से प्रबंधन करना, ताकि वे मूल्य पैदा कर सकें

नई दिल्ली, एजेंसी। एलिस वॉल्टन वॉलमार्ट के फाउंडर सैम वॉल्टन की इकलौती बेटी हैं। उन्होंने अपने भाइयों रॉब और जिम की तरह वॉलमार्ट के बोर्ड में काम करने के बजाय आर्ट कलेक्शन और समाज सेवा पर ध्यान दिया। वह अरबों की दौलत की मालकिन हैं। वह मानती हैं कि बड़ी संपत्ति का होना सिर्फ एक विशेषाधिकार नहीं है, बल्कि एक बड़ा उत्तरदायित्व है। मेरी सबसे बड़ी जिम्मेदारियों में से एक है अपनी संपत्तियों का बुद्धिमानी से प्रबंधन करना, ताकि वे मूल्य पैदा कर सकें। ज्यादातर लोग संपत्ति को सिर्फ खर्च करने, सुख-सुविधाएं खरीदने या जमा करके रखने का साधन मानते हैं। एलिस वॉल्टन कहती हैं कि संपत्ति का असली मकसद वैल्यू क्रिएशन यानी मूल्य पैदा करना है। इसका मतलब है कि पैसे का इस्तेमाल ऐसे कामों, व्यवसायों, या सामाजिक पहलों में होना चाहिए जिससे समाज, अर्थव्यवस्था या दूसरों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आए। दूसरा, बड़ी संपत्ति का होना सिर्फ प्रिवलेज नहीं है। इसके बजाय यह एक बड़ा उत्तरदायित्व है। अगर आप धन का सही प्रबंधन नहीं करते तो वह बेकार हो जाता है। एक बुद्धिमान निवेशक या वेल्थ मैनेजर वही है जो अपने संसाधनों का इस्तेमाल इस तरह करे जिससे रोजगार पैदा हों, कला और शिक्षा को बढ़ावा मिले और नई क्षमताएं बनें। मेरा हमेशा से यह मानना रहा है कि आगे कहां जाना है, यह देखने के लिए आपको आगे की ओर देखना चाहिए, लेकिन आप जहां से आए हैं, उसकी भी कद्र करनी चाहिए। यानी जीवन में आगे बढ़ते समय भविष्य के लक्ष्यों पर नजर रखना जितना जरूरी है, अपनी जड़ों और अतीत का सम्मान करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। मेरी मां हमेशा ऐसी चीजें खरीदने में यकीन रखती थीं जो लंबे समय तक चलें और यह बात मैंने भी अपना ली है। इसका मतलब है कि अस्थायी या दिखावटी चीजों के बजाय ऐसी चीजों और विचारों में निवेश करना चाहिए जो टिकाऊ हों और लंबे समय तक मूल्य प्रदान करें। बात यह नहीं है कि आपके पास कितना पैसा है, बल्कि यह है कि आप दुनिया को बेहतर बनाने के लिए उसका इस्तेमाल कैसे करते हैं।

महानगरों को पछाड़ छोटे शहर निकले आगे, डॉलर-यूरो जैसी विदेशी करेंसी की इसलिए बढ़ी डिमांड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में डॉलर, यूरो, पाउंड जैसी विदेशी करेंसी (फॉरेक्स) की डिमांड अब सिर्फ देश के बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं है। इसकी कुल मांग में छोटे शहरी केंद्रों की आधे से ज्यादा हिस्सेदारी है। थॉमस कुक इंडिया की फॉरेक्स रिपोर्ट 2026 में यह बात कही गई है। इस रिपोर्ट के अनुसार, समीक्षा के लिए चुने गए समय के दौरान, टियर-2 और टियर-3 शहरों की संयुक्त रूप से फॉरेक्स डिमांड में 53त्न हिस्सेदारी रही। अकेले टियर-2 शहरों की हिस्सेदारी 41त्न थी। जबकि टियर-3 शहरों का योगदान 12त्न रहा। इसकी तुलना में मेट्रो शहरों सहित टियर-1 शहरों की हिस्सेदारी 47त्न थी। रिपोर्ट में कहा गया है, उभरता हुआ भारत फॉरेक्स ग्रोथ के अगले चरण को आगे बढ़ा रहा है। इसमें टियर-2 और टियर-3 शहर कुल मांग के आधे से ज्यादा हिस्से का योगदान कर रहे हैं। डेटा से यह भी पता चला कि फॉरेक्स डिमांड का सबसे बड़ा हिस्सा घूमने-फिरने से जुड़ा था। कुल ट्रांजैक्शन में इसकी हिस्सेदारी 57त्न थी। जबकि कॉर्पोरेट ट्रैवल का योगदान 27त्न और छात्रों की यात्रा का 16त्न रहा। रिपोर्ट के अनुसार, डिमांड घूमने-फिरने, बिजनेस यात्रा और विदेश में पढ़ाई के बीच बंटी हुई थी। इसमें घूमने-फिरने का सेगमेंट सबसे आगे रहा। फॉरेक्स के इस्तेमाल में 25-40 साल के आयु वर्ग का योगदान सबसे ज्यादा रहा। इसकी मांग में 37त्न हिस्सेदारी थी। 41-60 साल के यात्री 36त्न हिस्सेदारी के साथ ठीक पीछे थे। 60 साल से ज्यादा उम्र के लोगों की हिस्सेदारी 21त्न थी, जबकि सबसे कम उम्र के वर्ग यानी 18-24 साल के यात्रियों की फॉरेक्स मांग में हिस्सेदारी 6त्न थी। रिपोर्ट में कहा गया है, मिलेनियल्स और जेन-एक्स मिलकर फॉरेक्स के इस्तेमाल का लगभग तीन-चौथाई हिस्सा बनाते हैं।

चीन से 10 गुना पीछे भारत, पीएम मोदी की शक्ति की सप्तधारा में मैन्युफैक्चरिंग को क्यों मिली पहली जगह

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को लाल किले के प्राचीर से शक्ति की सप्तधारा की घोषणा की। ये वे सात संकल्प हैं, जिसका लक्ष्य तय करके भारत को 2047 तक विकसित बनाने का मोदी सरकार ने संकल्प लिया है। शक्ति की सप्तधारा में मैन्युफैक्चरिंग पावर, एग्रीकल्चर एंड फूड प्रोसेसिंग, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन, गति शक्ति, रक्षा शक्ति, ग्रीन एंड ब्लू इकॉनमी और सॉफ्ट पावर शामिल हैं। अब बात शक्ति की पहली सप्तधारा मैन्युफैक्चरिंग की करें तो इसमें भारत पड़ोसी देश चीन से काफी पीछे है। दरअसल, पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि हमें मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को बहुत आगे बढ़ाना होगा। प्रोडक्शन में हमें छोटे-छोटे पुर्जे भी बनाने हैं और बड़े-बड़े प्रोडक्ट भी बनाने हैं। हालांकि यह इतना आसान भी नहीं होने वाला है।

भारत को दुनिया का बड़ा मैन्युफैक्चरिंग हब बनने के लिए सिर्फ प्रोडक्शन बढ़ाने से काम नहीं चलेगा। देश को बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन, बेहतर गुणवत्ता, कम लागत, नई तकनीक और मजबूत घरेलू सप्लाई चेन पर ध्यान देना होगा। हाल में आई नीति आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत को असेंबली आधारित मैन्युफैक्चरिंग से आगे बढ़कर ग्लोबल वैल्यू चेन में अपनी हिस्सेदारी बढ़ानी होगी। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के कुल मैन्युफैक्चरिंग की हिस्सेदारी करीब 17.5त्न है। पिछले दो दशकों से यह लगभग 16 से 18त्न के बीच बनी हुई है। वहीं, ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग वैल्यू में भारत की हिस्सेदारी 1995 में करीब 1.5त्न से बढ़कर 2023 में 3.2त्न हुई।

इसके मुकाबले चीन की हिस्सेदारी इसी अवधि में करीब 5त्न से बढ़कर लगभग 32त्न हो गई। भारत ने स्मार्टफोन मैन्युफैक्चरिंग में बड़ी छलांग लगाई है। 2024-25 में देश में 11.3 लाख करोड़ रुपये के स्मार्टफोन बने, जबकि 2014-15 में यह आंकड़ा करीब 1.9 लाख करोड़ रुपये था। हालांकि, सेमीकंडक्टर, डिस्प्ले और मेमोरी जैसे कंपोनेंट्स में अभी आयात निर्भरता अधिक है। फार्मा में भारत दुनिया की बड़ी ताकत है। देश 200 से ज्यादा देशों को दवाएं निर्यात करता है, लेकिन और इंटरमीडिएट्स के लिए चीन पर निर्भरता कम करना जरूरी है।

12 सेक्टरों में बड़ी क्षमता

नीति आयोग ने क्रिसिल इंटेलिजेंस के साथ मिलकर 62 मैन्युफैक्चरिंग सेक्टरों का अध्ययन किया और 12 ऐसे क्षेत्रों की पहचान की, जिनमें भारत ग्लोबल लीडर बन सकता है। इनमें ऑटोमोबाइल, केमिकल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, टेक्सटाइल, डिफेंस, स्टील, टेलीकॉम उपकरण, सोलर और फूड प्रोसेसिंग जैसे सेक्टर शामिल हैं। रिपोर्ट के पहले हिस्से में केमिकल्स, टेक्सटाइल, टेलीकॉम और नेटवर्क उपकरण तथा सोलर पर फोकस किया गया है। केमिकल सेक्टर में भारत के लिए बड़ा अवसर है। देश में केमिकल की खपत तक 290 से 310 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। इस मौके का फायदा उठाने के लिए उत्पादन में करीब 14त्न सालाना वृद्धि जरूरी होगी। टेक्सटाइल में भारत पहले से मजबूत है और 2024 में दुनिया का छठा सबसे बड़ा टेक्सटाइल और अपैरल एक्सपोर्टर रहा। हालांकि, उत्पादकता बढ़ाने, मैन-मेड फाइबर का उत्पादन बढ़ाने और स्र्स्रश्च को आधुनिक बनाने की जरूरत है। टेलीकॉम उपकरण में भारत की चीन पर निर्भरता बड़ी चुनौती है। 2020-24 के दौरान भारत का सालाना निर्यात सिर्फ 0.6 से 1 अरब डॉलर रहा, जबकि आयात 4 से 5 अरब डॉलर का था। महत्वपूर्ण कंपोनेंट्स के लिए 80त्न से ज्यादा निर्भरता चीन पर है।

चीनी के गोलमाल को रोकने मैदान में उतरी सरकार, स्टॉक लिमिट लगाने के बाद अब सर्जिकल स्ट्राइक

नई दिल्ली, एजेंसी। चीनी की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई हैं। इसके बाद सरकार एक्शन में है। उसने चीनी के स्टॉक की जांच-पड़ताल तेज कर दी है। खाद्य मंत्रालय बड़े औद्योगिक खरीदारों से खपत का डेटा मांग रहा है। साथ ही मिलों में स्टॉक की फिजिकल जांच की जा रही है। सॉफ्ट-ड्रिंक और आइसक्रीम बनाने वाली कंपनियों, मिठाई विक्रेताओं और फूड प्रोसेसर जैसे बड़े खरीदार भारत में कुल चीनी खपत का लगभग 65त्न हिस्सा इस्तेमाल करते हैं। मंत्रालय ने चीनी मिलों से उन बड़े खरीदारों की जानकारी मांगी है जिन्हें वित्त वर्ष 2025-26 में सीधे या एजेंट के जरिए सालाना 500 टन या उससे ज्यादा चीनी बेची गई थी। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब अधिकारी मिलों में स्टॉक की फिजिकल जांच कर रहे हैं। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने चीनी मिलों को पत्र लिखकर बड़े खरीदारों को बेची गई चीनी का डेटा साझा करने को कहा है। इस सबंध में लिखे गए पत्र को देखा है। इसमें कहा गया है, अलग-अलग राज्यों में इस विभाग की ओर से चीनी स्टॉक की फिजिकल जांच के दौरान यह देखा गया कि कुछ मामलों में बड़े खरीदारों को बेची गई चीनी का स्टॉक मिलों के गोदामों में रखा हुआ पाया गया। हालांकि, ऐसी चीनी का स्टॉक मिलों की ओर से फॉर्म में दी गई जानकारी में नहीं दिखाया गया।

जीडीपी में 5.22 प्रतिशत का योगदान, तभी तो पूर्वोत्तर के इस राज्य में भारत का एडवेंचर कैपिटल बनाने की तैयारी

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत सरकार के 2025 के मुताबिक भारत के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन क्षेत्र का योगदान 5.22 प्रतिशत का है। तभी तो यहां पर्यटन के सहारे अर्थव्यवस्था को गति देने के कई कार्यक्रम शुरू किए गए हैं। भारत के कुछ राज्यों ने तो पर्यटन के जरिये आमदनी बढ़ाने के लिए खूब सक्रियता दिखाई है। इनमें केरल, गोवा, कर्नाटक, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश का नाम ज्यादा चर्चित है। इसी दिशा में अब पूर्वोत्तर का राज्य अरुणाचल प्रदेश भी सक्रिय हो गया है। अरुणाचल प्रदेश अब देश ही नहीं, दुनिया भर के पर्यटकों को बुला कर अपनी खूबसूरती दिखाना चाहता है। उत्तर भारत में लोग अरुणाचल प्रदेश घूमने का मतलब ईटानगर और तवांग से लगाते हैं। लेकिन अरुणाचल इन दोनों स्थानों के अलावा अन्य मनोरम स्थल भी है, जहां आप प्रकृति के असीम सौंदर्य का आनंद ले सकते हैं।

पूर्वोत्तर के सात राज्यों को देखों को देखें तो इनमें अरुणाचल प्रदेश लार्जेस्ट स्टेट में से एक है। यहां का कुल क्षेत्रफल 83,743 वर्ग किलोमीटर है। यह ऐसा राज्य है जो भूटान और चीन (तिब्बत) दोनों की सीमा से लगा है। हिमालयी राज्य होने की वजह से यह प्राकृतिक सुषमा से भरपूर है। लेकिन पर्यटक अक्सर ईटानगर या फिर तवांग की सैर कर वापस लौट जाते हैं। लेकिन अब राज्य सरकार ने तय किया है कि पर्यटकों को दूर-दराज के इलाके की भी सैर करायी जाए। इसी क्रम में अब राज्य सरकार मेचुखा घाटी को प्रोमोट कर रही है। राज्य के पर्यटन मंत्री पी.डी. सोना का कहना है कि अरुणाचल में सैर किए बिना आप यहां के जीवन को महसूस नहीं कर सकते।

अंतरराष्ट्रीय स्तर का आयोजन

बीते जुलाई में ही मेचुखा में एक अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा कराई गई थी। यह प्रतिस्पर्धा थी 2.0, जिसमें भारत के ही नहीं बल्कि थाईलैंड और भूटान समेत विदेशों से भी माहिर एंगलर्स पहुंचे थे। सोना बताते हैं इस बार इस प्रतिस्पर्धा में 56 एंगलर्स ने भाग लिया। अब तय किया गया है कि इसका आयोजन सालाना किया जाए ताकि इसके सहारे लोगों को मेचुखा वैली घूमने को प्रोत्साहित किया जा सके। अब राज्य सरकार की योजना आगामी नवंबर में एक बड़ा आयोजन करने का है। केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी अरुणाचल प्रदेश के मेंचुखा को विशेष क्षेत्र मानते हैं। उन्होंने इसी साल कहा था कि चीन की सीमा से लगते मेचुखा में भारत के एडवेंचर कैपिटल बनने की क्षमता है। इसे उसी तरह से विकसित किया जाएगा। वहां बौद्ध धर्म से जुड़े अनेक स्थल हैं। इस साल के बजट में भारत सरकार ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में बुद्धिस्ट सर्किट के विकास के लिए अच्छी राशि का प्रावधान किया है। यह धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के केंद्र सरकार के प्रयासों के तहत है। भारत सरकार के 2025 के आंकड़ों 2025 के मुताबिक भारत के सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन क्षेत्र का योगदान 5.22त्न का है। इसमें 2.72त्न तो सीधा योगदान है जबकि कुल रोजगार में 13.14त्न का योगदान पर्यटन क्षेत्र से है। मतलब कि यदि स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है तो पर्यटन क्षेत्र को बढ़ाने से यह आसानी हो जाएगा।

विदेशी मुद्रा भंडार फिर पहुंचा 700 के पार, लगातार छठे सप्ताह बढ़ा

मुंबई, एजेंसी। केंद्र सरकार ने निर्यात बढ़ाने और भुगतान संतुलन को सुधारने के लिए कई नीतिगत फैसले लिए हैं। इसका असर दिखा और बीते 7 अगस्त को समाप्त सप्ताह लगातार छठा सप्ताह रहा जबकि अपने विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी हुई। बीते सप्ताह भारत के इस भंडार में खासी बढ़ोतरी हुई है। इसी के साथ अब अपना विदेशी मुद्रा भंडार चार महीने के शीर्ष पर चला गया है।

विदेशी मुद्रा भंडार में कितनी बढ़ोतरी

भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक 7 अगस्त 2026 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में खासी बढ़ोतरी हुई। इससे एक सप्ताह पहले भी अपने भंडार में भारी बढ़ोतरी हुई थी। अब अपना विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ कर हो गया है। इससे पहले 27 फरवरी 2026 को अपना भंडार के ऑल टाइम हाई पर था।

एएफसीए भंडार में खूब बढ़ोतरी

रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 31 जुलाई 2026 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियों में खूब बढ़ोतरी हुई है। एक सप्ताह पहले भी इसमें बढ़ोतरी हुई थी। अब अपना एफसीए भंडार बढ़ कर हो गया

है। उल्लेखनीय है कि देश के कुल विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा आस्तियां या फॉरेन करेंसी असेट एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है।

एसडीआर में मामूली बढ़ोतरी

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, बीते सप्ताह भारत के स्पेशल ड्रॉइंग राइट या विशेष आहरण अधिकार मामूली बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें वृद्धि हुई थी। अब अपना कुल एसडीआर भंडार बढ़ कर हो गया है। इसी सप्ताह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास रखे हुए देश के रिजर्व मुद्रा भंडार में भी बढ़ोतरी हुई है। एक सप्ताह पहले इसमें बढ़ोतरी हुई थी। अब अपना आईएमएफरिजर्व का हो गया है। आलोच्य सप्ताह के दौरान सोने के दाम में थोड़ा इजाफा हुआ है। इससे रिजर्व बैंक के सोने के भंडार की वैल्यू में बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले भी सोने की वैल्यू में इजाफा हुआ था। अब अपने सोने के भंडार की वैल्यू बढ़ कर हो गया है। उल्लेखनीय है कि मार्च 2026 के अंत में आरबीआई के पास सोने का भंडार 880.52 टन का था।

सिर्फ ई 20 पेट्रोल ही जिम्मेदार नहीं, गाड़ियों का माइलेज गिरा तो सरकार ने बता दिए समेत कई कारण

नई दिल्ली, एजेंसी। ई 20 यानी 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल से गाड़ियों के माइलेज में आ रही गिरावट की शिकायतों के बीच केंद्र सरकार ने स्थिति स्पष्ट की है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा है कि वाहनों के माइलेज में बदलाव के लिए केवल ई 20 पेट्रोल को जिम्मेदार ठहराना सही नहीं है। मंत्रालय के अनुसार, वास्तविक परिस्थितियों में माइलेज कई अन्य कारकों पर भी निर्भर करता है, जिनमें ड्राइविंग की आदतें, ट्रैफिक की स्थिति, गाड़ी का सही मेंटेनेंस, टायरों में हवा का दबाव और एयर-कंडीशनर का इस्तेमाल शामिल हैं।

सरकार ने बताया कि ई20 पेट्रोल को लॉन्च करने से पहले इसका गहन परीक्षण किया गया है। इसमें इंजन की मजबूती, ड्राइवेबिलिटी, स्टार्टेबिलिटी, पार्ट्स की कंपैटिबिलिटी और जंग से सुरक्षा जैसे मानकों को जांचा गया है। सरकार

ने पहले भी यह माना है कि श्व10 के हिसाब से बनी पुरानी गाड़ियों में ई20 के इस्तेमाल से 3 से 5 प्रतिशत तक माइलेज में मामूली कमी आ सकती है।

सरकार और सरकारी तेल कंपनियों ने ई20 पेट्रोल में कथित मिलावट या दूषित ईंधन की शिकायतों को लेकर भी स्थिति स्पष्ट की है। इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने बताया कि देशभर में किए गए परीक्षणों में ई20 पेट्रोल में क्लोराइड की अधिक मात्रा या जरूरत से ज्यादा नमी का कोई सबूत नहीं मिला। तेल कंपनियों के मुताबिक, रिफाइनरियों से लिए गए 100 से ज्यादा पेट्रोल सैंपल में क्लोराइड का स्तर एक पार्ट प्रति मिलियन या उससे कम पाया गया। 80 डिस्टिलरियों से लिए गए इथेनॉल सैंपल और डिपो व टर्मिनल से लिए गए 80 से ज्यादा श्व20 सैंपल में क्लोराइड की मात्रा निर्धारित तीन की सीमा से कम रही। तेल कंपनियों ने करीब 90,000 पेट्रोल पंपों पर भूमिगत स्टोरेज टैंकों की जांच भी की। कंपनियों का कहना है कि इन जांचों में टैंकों में पानी घुसने का कोई मामला नहीं मिला। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी और ऑटोमोबाइल निर्माताओं ने भी स्पष्ट किया है कि ई20 ईंधन निर्धारित मानकों के अनुरूप पूरी तरह सुरक्षित है।

नोवाक जोकोविच को शुरुआती दौर में ही मिली हार, गर्मी से दिखे परेशान

सिनसिनाटी, एजेंसी। सिनसिनाटी मास्टर्स में भीषण गर्मी और उमस का शिकार हुए 39 वर्षीय नोवाक जोकोविच को अपने शुरुआती मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता जोकोविच को अर्जेंटीना के थियागो तिरांते ने ढाई घंटे से अधिक चले कड़े मुकाबले में 2-6, 6-4, 6-4 से हराया। विंबलडन सेमीफाइनल में यानिक सिनर से हारने के एक महीने से अधिक समय बाद यह जोकोविच का पहला मैच था।

यूएस ओपन की तैयारियों में जुटेंगे जोकोविच

2023 के चैंपियन जोकोविच ने पहला सेट आसानी से जीत लिया था, लेकिन दूसरे सेट में गर्मी ने उन्हें बेहाल कर दिया। दूसरे सेट के 18 मिनट तक चले गेम में संघर्ष करने के बाद जोकोविच कोर्ट पर ही घुटनों के बल बैठ गए और उन्हें मेडिकल टाइमआउट के साथ-साथ फिजियो व डॉक्टर की मदद लेनी पड़ी। दोनों खिलाड़ियों ने ब्रेक के दौरान लॉकर रूम में जाकर खुद को ठंडा किया। तीसरे सेट में जोकोविच ने वापसी की कोशिश की, लेकिन नौवें गेम और फिर मैच प्वाइंट पर ड्रॉप शॉट चूकने से तिरांते ने अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। जोकोविच ने स्वीकार किया कि गर्मी और उमस ने उन पर भारी असर डाला और शायद यह सिनसिनाटी में उनका आखिरी मैच था। अब वह 30 अगस्त से शुरू होने वाले यूएस ओपन की तैयारियों में जुटेंगे।

पुरुष वर्ग के अन्य मुकाबलों में सातवें वरीय और फ्रेंच ओपन के उपविजेता फ्लेवियो कोबोली ने मियोमिर केत्मानोविच को 6-1, 4-6, 6-3 से हराया। वहीं, मार्टिन लांडालुस ने माटेओ अर्नाल्डी को 6-4, 4-6, 6-4 से मात दी और अब तीसरे दौर में उनका सामना जोकोविच को हराने वाले तिरांते से होगा।

तूफान के कारण 90 मिनट खेल रूका, इयाला तीसरे दौर में पहुंचीं

महिला वर्ग में फिलीपींस की खिलाड़ी एलेक्जेंड्रा इयाला ने तीसरे दौर में जगह बना ली है। इयाला 6-1, 3-0 से आगे थीं, तभी तूफान के कारण 90 मिनट तक खेल रुका रहा और इसी दौरान चोटिल एलेना-गैब्रिएला रूसे (रोमानिया) ने मैच बीच में ही छोड़ने का फैसला किया। रूसे को मैच रुकने से ठीक पहले टखने में चोट के कारण उपचार मिला था। इयाला जिन्होंने इसी महीने वाशिंगटन में अपना पहला डब्ल्यूटीए खिताब जीता था अब नौवीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी अमांडा अनिसिमोवा से भिड़ेंगी, जिन्होंने तुर्किये की जेनेप सोनमेज को 6-2, 6-3 से हराया। 21 वर्षीय इयाला को हमेशा की तरह फिलीपींस के दर्शकों का भारी समर्थन मिला, जैसा कि उन्हें विंबलडन और टोरंटो के इवेंट में भी मिला था। मैच के बाद इयाला ने कहा कि वह खेल पर पूरी तरह से ध्यान केंद्रित कर रही थीं, लेकिन कोई भी खिलाड़ी प्रतिद्वंद्वी के चोटिल होकर रिटायर होने से मैच नहीं जीतना चाहता। अन्य महिला मुकाबलों में विंबलडन में चोटिल होने के कारण एक महीने तक कोर्ट से दूर रहीं रोलैंड गैरोस की फाइनलिस्ट माजा चवालिंस्का ने स्पेन की क्रिस्टीना बुक्सा को 6-2, 6-2 से हराया।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान हॉकी वर्ल्डकप में पेनल्टी कॉर्नर का सामान लाना भूला

लंदन (एजेंसी)। पाकिस्तान हॉकी वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ पेनल्टी कॉर्नर का सामान लाना भूल गया। टीम की सेफ्टी किट ड्रेसिंग रूम में ही रह गई। इसके कारण कप्तान अबू बकर महमूद को ग्रीन कार्ड दिखाया गया और उन्हें 2 मिनट के लिए मैदान से बाहर बैठना पड़ा। टीम को मैच में हार का सामना भी करना पड़ा। इंग्लैंड ने 4-1 से हराया। इंग्लैंड के 1-0 से आगे होने के कुछ देर बाद करीब 17वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला। पाकिस्तान के खिलाड़ी गोल के पीछे जरूरी प्रोटेक्टिव गियर तलाशने लगे, लेकिन किट वहां मौजूद नहीं थी। बाद में पता चला कि सामान ड्रेसिंग रूम में ही छूट गया था। एक खिलाड़ी को दौड़कर किट लानी पड़ी। किट आने में हुई देरी के बाद रेफरी ने पाकिस्तान के कप्तान अबू बकर महमूद को ग्रीन कार्ड दिखा दिया। उन्हें दो मिनट के लिए मैदान से बाहर जाना पड़ा। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सलमान अकबर ने इस घटना पर नाराजगी जताई। उन्होंने इसे पाकिस्तान हॉकी का एक और 'अनवॉन्टेड रिकॉर्ड' बताया। उनका कहना था कि वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में पेनल्टी कॉर्नर के लिए जरूरी सुरक्षा उपकरण भूलना नहीं चाहिए।उन्होंने कहा कि तैयारी सिर्फ रणनीति, फिटनेस और स्किल तक सीमित नहीं है। टीम में अनुशासन और बेहतर संगठन भी जरूरी है। उनके मुताबिक ऐसी घटना वर्ल्ड कप जैसे बड़े मंच पर टीम की तैयारियों पर सवाल खड़े करती है। किट विवाद के बीच पाकिस्तान मैच भी नहीं बचा सका। इंग्लैंड ने 4-1 से जीत दर्ज की। स्टुअर्ट रशमेयर ने 12वें मिनट में इंग्लैंड का पहला गोल किया। इसके बाद सैम वार्ड ने दूसरे क्वार्टर में बढ़त 2-0 कर दी। सैमुअल हूपर ने 31वें मिनट में तीसरा और जेम्स एलबरी ने 47वें मिनट में चौथा गोल किया। पाकिस्तान की ओर से रेहान अब्दुल अफराज ने 50वें मिनट में एक गोल किया।पाकिस्तान को मैच में दो पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन टीम इनमें से किसी को भी गोल में नहीं बदल सकी।

अफगानिस्तान ने आयरलैंड को 6 विकेट से हराया

बेलफास्ट (एजेंसी)। अफगानिस्तान ने आयरलैंड के खिलाफ 299 रन का लक्ष्य 48.5 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। टीम ने 5वें और आखिरी वनडे में आयरलैंड को 6 विकेट से हराया और सीरीज 4-0 से अपने नाम की। बेलफास्ट के सिविल सर्विस क्रिकेट क्लब में खेले गए मुकाबले में रहमत शाह ने नाबाद 143 रन की पारी खेली। उन्होंने सिद्दीकुल्लाह अटल (98) के साथ तीसरे विकेट के लिए 201 रन जोड़े। यह अफगानिस्तान के वनडे इतिहास में तीसरे विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी है। अफगानिस्तान ने 299 रन का लक्ष्य हासिल कर वनडे में अपना सबसे बड़ा सफल रन चेज किया। इससे पहले टीम का सबसे बड़ा सफल रन चेज 295 रन था। इस जीत के साथ अफगानिस्तान ने 5 मैचों की सीरीज 4-0 से जीत ली। सीरीज का पहला मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया था। 299 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत खराब रही। टीम ने 6 ओवर के अंदर 22 रन पर 2 विकेट गंवा दिए। आयरलैंड के तेज गेंदबाज लियम मैकार्थी ने रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान को आउट किया।इसके बाद रहमत शाह और सिद्दीकुल्लाह अटल ने पारी को संभाला। दोनों ने शुरुआती दबाव से निकलते हुए धीरे-धीरे रन गति बढ़ाई और आयरलैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाना शुरू किया। रहमत शाह और सिद्दीकुल्लाह अटल ने तीसरे विकेट के लिए 201 रन की साझेदारी की। यह अफगानिस्तान की वनडे में तीसरे विकेट की नई रिकॉर्ड साझेदारी है।इससे पहले यह रिकॉर्ड रहमत शाह और हशमतुल्लाह शाहिदी के नाम था। दोनों ने 2021 में अबू धाबी में आयरलैंड के खिलाफ 184 रन जोड़े थे। अटल ने 98 रन बनाए और शतक से सिर्फ 2 रन दूर रह गए। उनके आउट होने के बाद भी रहमत शाह एक छोर पर टिके रहे।रहमत शाह और सिद्दीकुल्लाह अटल के बीच तीसरे विकेट के लिए 210 गेंदों पर 201 रन की साझेदारी हुई।

गॉल टेस्टः देवदत्त पडिक्कल ने खेली 167 रन की पारी, बनाए ये रिकॉर्ड्स

नईदिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका क्रिकेट टीम के खिलाफ पहले टेस्ट में भारतीय क्रिकेट टीम के देवदत्त पडिक्कल ने बड़ा शतक (167) लगाया। वह दूसरे दिन के दूसरे सत्र में विपक्षी स्पिनर प्रभात जयसूर्या का शिकार बने। उनके इस बड़े शतक की मदद से भारत ने दूसरे दिन के तीसरे सत्र की समाप्ति तक 360/9 का स्कोर बनाया। इस बेहतरीन पारी से पडिक्कल ने अपने चयन को सही साबित किया। पडिक्कल पहले दिन के खेल की समाप्ति तक 131 रन बनाकर क्रीज पर नाबाद थे। उन्होंने दूसरे दिन अपने निजी स्कोर में 36 रन और जोड़े। वह 230 गेंदों में 167 रन बनाकर आउट हुए, जिसमें 15 चौके और एक छक्का शामिल था। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने केएल राहुल के साथ मिलकर 162 रन की साझेदारी की। वहीं, राहुल शतक बनाने से चूक गए और 82 रन बनाकर आउट हुए।

इस सूची में शामिल हुए पडिक्कल

पडिक्कल श्रीलंका के खिलाफ नंबर-3 पर खेलते हुए 150 से ज्यादा रन बनाने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज हैं। उनसे पहले राहुल द्रविड़ और चेतेश्वर पुजारा ऐसा कर चुके थे। पूर्व भारतीय कप्तान द्रविड़ ने 2009 में नंबर-3 पर खेलते हुए अहमदाबाद टेस्ट में 177 रन की पारी खेली थी। वहीं, पुजारा ने 2017 में 153 रन बनाए थे। उन्होंने ये पारी गॉल के ही मैदान पर खेली थी।

नंबर-3 पर खेलते हासिल किए ये मुकाम

नंबर-3 पर बल्लेबाजी करते हुए टेस्ट में शतक लगाने वाले आखिरी भारतीय शुभमन गिल थे, जिन्होंने सितंबर 2024 में चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ शतकीय पारी खेली थी। पडिक्कल 21वीं सदी में भारत के लिए नंबर-3 पर खेलते हुए टेस्ट शतक लगाने वाले दूसरे बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। उनसे पहले पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने 2002 में दिल्ली में जिम्बाब्वे के खिलाफ 136 रन बनाए थे।

बांग्लादेश की ऐतिहासिक जीत

ऑस्ट्रेलिया में पहली बार कंगारू टीम को टेस्ट में हराया

डार्विन। बांग्लादेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया को पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन नौ विकेट से हराया। बांग्लादेश की यह ऑस्ट्रेलियाई धरती पर पहली टेस्ट जीत है। रविवार को ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी चौथे दिन 284 रन पर ऑलआउट हुई जिससे बांग्लादेश को जीत के लिए 57 रनों का लक्ष्य मिला। ऑस्ट्रेलिया के लिए दूसरी पारी में कैमरन ग्रीन ने शतक लगाया और टीम को मामूली बढ़त दिलाई। ग्रीन का साथ दूसरे छोर पर कोई बल्लेबाज नहीं दे सका। बांग्लादेश ने दूसरी पारी में एक विकेट के नुकसान पर 57 रन बनाकर मैच अपने नाम किया और दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। कम लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश को जोश हेजलवुड ने पहला झटका दिया। हेजलवुड ने तंजिद हसन तमीम को खाता खोले बिना आउट किया। इसके बाद शदमान इस्लाम और मोमिनुल हक ने बांग्लादेश को आसानी से जीत दिलाई। हक 30 और इस्लाम 25 रन बनाकर नाबाद रहे। बांग्लादेश ने इस मैच में शानदार प्रदर्शन किया है और ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में ही झटका दिया है। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 198 रन बनाए, जबकि बांग्लादेश की पहली पारी 426 रन पर ऑलआउट हुई। इस तरह बांग्लादेश ने 228 रनों की बढ़त हासिल कर ली थी। दूसरी पारी में भी ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी कुछ खास नहीं रही और टीम ने 207 रन के स्कोर पर ही सात विकेट गंवा दिए। इसके बाद ग्रीन ने स्टार्क के साथ मिलकर साझेदारी की और टीम को बढ़त दिलाने में सफल रहे। चौथे दिन लंच ब्रेक तक ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में सात विकेट पर 243 रन बनाए। लंच ब्रेक के बाद हालांकि, ऑस्ट्रेलिया को मिचेल स्टार्क के रूप में आठवां झटका लगा। ग्रीन और स्टार्क ने आठवें विकेट के लिए 43 रनों की साझेदारी की। तस्कीन अहमद ने स्टार्क को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। स्टार्क 18 रन बनाकर आउट हुए। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी में चार विकेट गंवाकर 161 रन बना लिए थे।

प्रतिका रावल का एशिया कप के लिए चयन, वॉरविकशायर के वनडे कप से हुई बाहर

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज प्रतिका रावल को आगामी एसीसी महिला एशिया कप के लिए पहली बार टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। इसके चलते वह इंग्लैंड में वॉरविकशायर के साथ अपने निर्धारित वनडे कप कार्यकाल में हिस्सा नहीं ले पाएंगी। प्रतिका को स्टार बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स की जगह भारतीय टीम में शामिल किया गया है। जेमिमा दाएं पैर की हैमस्ट्रिंग में हाई-ग्रेड चोट के कारण एशिया कप के साथ-साथ जापान में होने वाले एशियाई खेलों से भी बाहर हो गई हैं।25 वर्षीय प्रतिका को 19 अगस्त को वॉरविकशायर से जुड़ना था और वह सीजन के बाकी मुकाबलों में टीम का हिस्सा बनने वाली थीं। हालांकि, भारत की ओर से पहली टी20 अंतरराष्ट्रीय कॉल-अप मिलने के बाद अब वह एडबर्गटन नहीं जाएंगी। वॉरविकशायर महिला टीम के मुख्य कोच अली मेडन ने प्रतिका के नहीं जुड़ पाने पर निराशा जताई, लेकिन राष्ट्रीय टीम के साथ उनके अभियान के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि टीम प्रतिका का बेसब्री से स्वागत करने की तैयारी कर रही थी और उनके बाहर होने से निराशा हुई है। हालांकि, उन्होंने कहा कि सीजन के बाकी हिस्से में टीम के पास अभी काफी कुछ हासिल करने का मौका है और मौजूदा खिलाड़ियों पर उन्हें पूरा भरोसा है। प्रतिका रावल भारत की 2025 महिला वनडे विश्व कप विजेता टीम की सदस्य रही हैं। वह अब तक 27 वनडे अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुकी हैं, जिसमें उन्होंने 1189 रन बनाए हैं। इसके अलावा, उन्होंने इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में अपने टेस्ट डेब्यू पर अर्धशतक भी लगाया था। हालांकि, टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उन्होंने अभी तक भारत का प्रतिनिधित्व नहीं किया है।

30 अगस्त को थाईलैंड से होगा भारत का मुकाबला

प्रतिका अब हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम के साथ दुबई जाएंगी। भारत एशिया कप में अपने अभियान की शुरुआत 30 अगस्त को थाईलैंड के खिलाफ करेगा। इसके बाद भारतीय टीम तीन सितंबर को हांगकांग और चीन से भिड़ेगी, जबकि बहुप्रतीक्षित मुकाबले में पांच सितंबर को पाकिस्तान का सामना करेगी। एशिया कप के सभी मुकाबले दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले जाएंगे। पहली बार यूएई इस टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहा है। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल 10 और 11 सितंबर, जबकि फाइनल 13 सितंबर को खेला जाएगा।

वनडे वर्ल्ड कप 2027: गांधी जयंती पर होगा वर्ल्ड कप का आगाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में होने वाले आईसीसी वर्ल्ड कप 2027 2027 को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, टूर्नामेंट का आगाज 2 अक्टूबर 2027 यानी गांधी जयंती के दिन हो सकता है। हालांकि आईसीसी ने अभी आधिकारिक शेड्यूल जारी नहीं किया है, लेकिन अंदरूनी चर्चा के अनुसार इस खास दिन से टूर्नामेंट शुरू करने की योजना बनाई जा रही है। महात्मा गांधी के दक्षिण अफ्रीका से ऐतिहासिक जुड़ाव को देखते हुए इस तारीख को बेहद खास माना जा रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, आईसीसी 2027 वनडे वर्ल्ड कप की शुरुआत गांधी जयंती के दिन करने पर विचार कर रहा है। महात्मा गांधी ने भारत लौटने से पहले करीब 21 साल दक्षिण अफ्रीका में बिताए थे। ऐसे में दक्षिण अफ्रीका में आयोजित होने वाले क्रिकेट के इस बड़े टूर्नामेंट को गांधी जयंती से जोड़ना उनके शांति और अहिंसा के संदेश को सम्मान देने के तौर पर देखा जा रहा है।

पहले वर्ल्ड कप का उद्घाटन 8 अक्टूबर को प्रस्तावित था और अक्टूबर के पहले सप्ताह में अभ्यास मैच खेले जाने थे। नए प्लान के तहत अभ्यास मुकाबलों को सितंबर के आखिरी सप्ताह में कराया जा सकता है, जिससे मुख्य टूर्नामेंट की शुरुआत 2 अक्टूबर से हो सके।

रिपोर्ट के मुताबिक, 14 टीमों वाला यह टूर्नामेंट करीब 50 दिनों तक चलेगा। इसका फाइनल 21 नवंबर 2027 को खेले जाने की योजना है। तीन देशों में होने वाले इस टूर्नामेंट में दुनिया की शीर्ष टीमें खिताब के लिए भिड़ेंगी।

12 शहरों में खेले जाएंगे मुकाबले

आईसीसी ने टूर्नामेंट के लिए दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया के कुल 12 शहरों को मेजबानी के लिए चुना है। दक्षिण अफ्रीका में जोहान्सबर्ग का वांडरर्स, सेंचुरियन, केपटाउन का न्यूलैंड्स, डरबन का किंग्समीड, गक्बेरहा का सेंट जॉर्ज पार्क, ब्लोमफोंटेन का मंगाउंग ओवल, पार्ल का बोलैंड पार्क और बफेलो पार्क शामिल हैं। जिम्बाब्वे में हरारे स्पोर्ट्स क्लब, बुलावायो का क्वींस स्पोर्ट्स क्लब और विक्टोरिया फॉल्स का मोसी-ओआ-तुन्या स्टेडियम मुकाबलों की मेजबानी करेगा। वहीं नामीबिया की राजधानी विंडहोक का राष्ट्रीय क्रिकेट मैदान भी टूर्नामेंट का हिस्सा होगा।

ऐसा होगा वर्ल्डकप का नया फॉर्मेट

2027 वर्ल्ड कप में फॉर्मेट में भी बदलाव देखने को मिलेगा। शुरुआत में तीन टीमों की सुपर सीरीज होगी, जिसमें से एक टीम बाहर हो जाएगी। इसके बाद 12 टीमों को दो ग्रुप में बांटा जाएगा और हर ग्रुप में छह टीमें होंगी। ग्रुप चरण के बाद टीमें सुपर सेवन चरण में पहुंचेंगी। इसके बाद टूर्नामेंट सेमीफाइनल और फाइनल की ओर बढ़ेगा। इस तरह खिताब के लिए टीमों को कई चरणों से गुजरना होगा।

इन 10 टीमों ने पक्की की जगह

रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक 10 टीमों ने टूर्नामेंट के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है। इनमें मेजबान दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के अलावा भारत, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, इंग्लैंड, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान शामिल हैं। बाकी चार टीमों का फैसला अगले साल होने वाले 10 टीमों के क्वालीफाइंग टूर्नामेंट से होगा। इसमें नामीबिया, वेस्टइंडीज और आयरलैंड जैसी टीमें भी हिस्सा लेंगी।

हंगरी में भीषण सड़क हादसा: 12 की मौत और कई घायल 24 टन वजनी कोच के नीचे दबे थे लोग

प्रात: किरण संवाददाता

बुडापेस्ट। हंगरी में रविवार तड़के भीषण सड़क हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई और 10 की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। एम3 मोटरवे (राजमार्ग) पर मेजोकेरेजटेस शहर के पास पोलैंड में रजिस्टर्ड टूरिस्ट बस खाई में गिर गई। 24 टन वजनी कोट को हटाने के लिए क्रेन का इस्तेमाल करना पड़ा। इसके नीचे कई यात्री दबे पड़े थे। पुलिस के मुताबिक, यह हादसा रात करीब 1 बजे मेजोकेरेजटेस से निकलने के थोड़ी देर बाद, न्यिरेगीहाजा शहर की ओर जाने वाले मोटरवे पर पलट गई। सरकारी समाचार एजेंसी एमटीआई के अनुसार, बस में 57 यात्री और दो ड्राइवर सवार थे। शुरूआती जांच के आधार पर पुलिस का मानना है कि अचानक ड्राइवर को नींद की झपकी आई जिससे वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और यह दुर्घटना हुई। ड्राइवर को पुलिस कस्टडी में लिया जा रहा है। नेशनल एम्बुलेंस सर्विस (ओएमएसजेड) ने कहा कि हादसा बड़ा था इसलिए 14 एम्बुलेंस यूनिट्स को मौके पर भेजा गया। एक व्यक्ति की जान को खतरा है, जबकि नौ को ज्यादा चोट आई है। वहीं, 37 अन्य लोगों को मामूली चोट आई है। रेस्क्यू ऑपरेशन खास तौर पर मुश्किल था क्योंकि कई पैसेंजर पलटी हुई गाड़ी के नीचे फंसे हुए थे। सुबह करीब 3 बजे तक, फायरफाइटर्स ने बस से 35 लोगों को बचा लिया था। 24 टन वजनी कोच को हटाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी ताकि रेस्क्यू टीम उसके नीचे फंसे लोगों तक पहुंच सके। मौके पर सिविलियन क्रेन बुलाई गईं, जबकि फायरफाइटर्स ने क्रेन के आने तक गाड़ी के पिछले एक्सल को उठाने के लिए विंच का इस्तेमाल किया। इस हादसे पर हंगरी और पोलिश अधिकारियों ने दुख जताया है। प्रधानमंत्री पीटर मग्यार ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना जताई और बचाव अभियान में शामिल इमरजेंसी सेवाओं और नागरिकों को धन्यवाद दिया। हंगरी की विदेश मंत्री अनीता ओर्बन ने कहा कि उनका देश हर संभव मदद पहुंचा रहा है, जबकि पोलिश दूतावास हादसा पीड़ितों से जुड़े मामलों पर लगातार नजर बनाए हुए है। पोलैंड के राष्ट्रपति कैरोल नवरोकी और विदेश मंत्री राडोस्लाव सिकोरस्की ने हादसे पर गहरा दुख जताते हुए कहा कि पोलिश कांसुलर लगातार हंगरी के अधिकारियों के संपर्क में है और स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

इंडियाना में तीन दशक की सबसे भीषण बाढ़, छह की मौत

इंडियानापोलिस/वाशिंगटन। अमेरिकी राज्य इंडियाना में भारी बारिश के बाद आई भीषण बाढ़ ने बड़े स्तर पर तबाही मचा दी है। अधिकारियों के अनुसार, राज्य में चार साल के बच्चे समेत छह लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई इलाकों में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इसे पिछले तीन दशकों में राज्य की सबसे गंभीर बाढ़ की घटनाओं में से एक बताया जा रहा है। इंडियाना स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन्स सेंटर ने कहा कि मरने वालों में तीन महिलाएं और दो पुरुष भी शामिल हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, डेलावेयर काउंटी में दो और जेनिंग्स, लेक, पोर्टर और लापोर्ट काउंटी में एक-एक मौत की खबर है। एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारियों ने शुरू में पांच मौतों की खबर दी थी, जिसके बाद राज्य के होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट ने शनिवार को बाद में छठी मौत की पुष्टि की। अधिकारियों ने कहा कि तूफान 11 अगस्त को इंडियाना से टकराना शुरू हुआ था। लगातार हुई मूसलाधार बारिश के कारण नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ गया और कई सड़कें तथा रिहायशी इलाके पानी में डूब गए। आपातकालीन सेवाओं को प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव अभियान चलाना पड़ा। बड़ी संख्या में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। इंडियाना के गवर्नर माइक ब्राउन ने शुक्रवार को प्रेसिडेंट इमरजेंसी की घोषणा की। शनिवार को, उन्होंने एक बयान जारी कर बताया कि संघीय सरकार ने मदद का वादा किया है। रिपब्लिकन ब्राउन ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, मैंने आज राष्ट्रपति ट्रंप से इंडियाना में आए भयंकर तूफान और बाढ़ के बारे में बात की, और उन्होंने कहा कि वह प्रेसिडेंशियल इमरजेंसी घोषणा के हमारे अनुरोध को मंजूर करते हैं। मैं राष्ट्रपति ट्रंप का शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मदद का वादा किया जिसकी हमें जरूरत है। अधिकारियों के मुताबिक, कुछ इलाकों में दो दिनों के दौरान 11 इंच से अधिक बारिश दर्ज की गई। इससे व्हाइट रिवर समेत कई नदियों का जलस्तर खतरनाक स्तर तक पहुंच गया। डेलावेयर काउंटी में ही सैकड़ों लोगों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

ट्रंप ने किम जोंग-उन के साथ पुरानी तस्वीर साझा कर कहा- हम दोनों बहुत अच्छे से मिलते हैं

प्रात: किरण संवाददाता

वाशिंगटन। एक ओर अमेरिका दक्षिण कोरिया के साथ खड़ा दिख रहा है। सैन्य अभ्यास कर रहा है तो दूसरी ओर उत्तर कोरिया से संबंधों को लेकर नए संकेत भी दिए जाने लगे हैं। दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ने लिबरेशन डे पर नॉर्थ के साथ संवाद की इच्छा जताई तो कुछ ही घंटों के भीतर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन के साथ तस्वीर साझा कर दी। उन्होंने 2019 की मुलाकात की एक पुरानी तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा करते हुए कहा कि दोनों के बीच रिश्ते अब भी अच्छे हैं। ट्रंप ने शनिवार को अपने ट्रुथ सोशल अकाउंट पर पनमुनजोम में हुई मुलाकात की तस्वीर साझा की। उन्होंने लिखा, इस तस्वीर में दोनों के भाव भले ही कुछ अलग नजर आ रहे हों, लेकिन ऐसी कई अन्य तस्वीरें हैं जिनमें वे मुस्कुराते हुए दिखाई देते हैं। उन्होंने किम के साथ अपने रिश्ते को फिर से रेखांकित करते हुए कहा कि दोनों बहुत अच्छे से मिलते हैं। ट्रंप और किम के बीच पहली ऐतिहासिक मुलाकात जून 2018 में सिंगापुर में हुई थी। इसके बाद दोनों फरवरी 2019 में वियतनाम के हनोई में मिले थे। हालांकि, हनोई वार्ता बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई थी। जून 2019 में दोनों की तीसरी मुलाकात पनमुनजोम में हुई, जहां ट्रंप ने सैन्य सीमांकन रेखा पार कर कुछ समय के लिए उत्तर कोरिया की धरती पर कदम रखा था। ऐसा करने वाले वह पहले पदासीन अमेरिकी राष्ट्रपति बने थे। ट्रंप का ताजा पोस्ट ऐसे समय आया है जब उनका प्रशासन लगातार संकेत दे रहा है कि राष्ट्रपति किम के साथ बिना पूर्व शर्त बातचीत के लिए तैयार हैं। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि प्योंगयांग इस प्रस्ताव पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देगा या नहीं। उत्तर कोरिया के रूस के साथ बढ़ते सैन्य, कूटनीतिक और आर्थिक संबंध भी अमेरिका के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती बने हुए हैं। इससे पहले जून में भी सिंगापुर में किम के साथ अपनी पहली मुलाकात की तस्वीर ट्रंप ने साझा की थी। लगातार पुरानी तस्वीरें साझा करने से यह अटकलें तेज हुई हैं कि अमेरिकी राष्ट्रपति उत्तर कोरियाई नेता के साथ अपनी व्यक्तिगत कूटनीति को दोबारा सक्रिय करना चाहते हैं। योनहाप न्यूज एजेंसी ने विशेषज्ञों के हवाले से कहा है कि भविष्य में ट्रंप और किम के बीच फिर से शिखर वार्ता की संभावना बन सकती है। हालांकि, उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम, अमेरिका के प्रतिबंधों और प्योंगयांग के रूस के साथ गहरे होते संबंधों के बीच किसी नए संवाद की राह आसान नहीं होगी।

इंडोनेशिया में 7.7 तीव्रता के भूकंप से 51 की मौत

प्रात: किरण संवाददाता

जकार्ता। इंडोनेशिया के पूर्वी नुसा तेंगारा प्रांत की सरकार ने फ्लोरेस द्वीप में आए 7.7 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के बाद 14 दिनों के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया की स्थिति घोषित कर दी है। यह अवधि 15 से 28 अगस्त तक लागू रहेगी। प्रांतीय सरकार के आदेशानुसार, भूकंप का केंद्र नगेकेओ रीजेंसी के मबे शहर से करीब 30 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में 15 किलोमीटर की गहराई पर था। इंडोनेशिया की राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी (बीएनपीबी) के मुताबिक, भूकंप के बाद आए 341 झटकों के बीच अब तक 51 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 113 लोग घायल हुए हैं। भूकंप के कारण बड़ी संख्या में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। सिक्का में 3,356, मंगराई में 2,078 और नगेकेओ में 500 लोग राहत शिविरों में शरण लिए हुए हैं। बिमा और सेलयार इलाकों में भी लोग विस्थापित हुए हैं। आपदा में 94 मकान पूरी तरह या भारी क्षतिग्रस्त हुए हैं, जबकि 126 मकानों को मध्यम और 317 को हल्का नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा 93 शैक्षणिक संस्थानों, 36 स्वास्थ्य केंद्रों और 38 सरकारी कार्यालयों को भी क्षति पहुंची है। पूर्वी नुसा तेंगारा के गवर्नर मेल्की लाका लेना ने कुपांग में संवाददाता सम्मेलन में बताया कि भूस्खलन के कारण कई सड़कें बंद हो गई हैं या उनका संपर्क बाधित हुआ है। इससे प्रभावित क्षेत्रों तक राहत और बचाव दलों की पहुंच चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। बीएनपीबी ने प्रभावित इलाकों में भोजन और अन्य जरूरी राहत सामग्री भेजनी शुरू कर दी है। पूर्वी फ्लोरेस रीजेंसी स्थित लॉजिस्टिक गोदाम से भी राहत सामग्री भेजी गई है। इसके अलावा जकार्ता से भी सामग्री हलिम पेरदानाकुसुमा एयर फोर्स बेस के जरिए प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचाई जा रही है। भूकंप के बाद पूर्वी नुसा तेंगारा प्रांत में कई उड़ानें रद्द कर दी गईं। शक्तिशाली झटकों के बाद सुनामी की चेतावनी भी जारी की गई थी, जिसे बाद में इंडोनेशिया की मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी ने वापस ले लिया। आपातकालीन स्थिति घोषित करने का उद्देश्य बचाव एवं राहत कार्यों, लोगों की निकासी, राहत सामग्री के वितरण और प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्वास एवं पुनर्प्राप्ति कार्यों को तेज करना है। बचाव दल अभी भी विभिन्न इलाकों में नुकसान और हताहतों का आकलन कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,